देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

जब तक मैं सीएम हूं, किसी को छूट नही... 12

बनवास बैराज से 4.25 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 265
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 09 जुलाई, 2024

'यदि शुचिता नष्ट हो जाए तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना पड़ता है, नीट मामले में 'सुप्रीम' टिप्पणी

यह तो साफ है कि पेपर लीक हुआ: सुप्रीम कोर्ट

जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताएं, 11 को सुनवाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिका में पांच मई को हुई परीक्षा रद्द करने, एनटीए को दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देने और अनियमितताओं के संबंध में कोर्ट की निगरानी में जांच किए जाने की मांग की गई। कुछ याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट से दोबारा परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि कसूरवार और बेकसूरों की पहचान करना संभव नहीं है। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को परीक्षा रद्द करने से रोकने की मांग वाली गुजरात के 50 से अधिक सफल परीक्षार्थियों की याचिका पर भी सुनवाई की।

'लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए?'

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहां हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहां कहां हैं? क्या हम अभी भी गलत काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देश भर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए।

सीजेआई ने कहा, ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है

ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है। सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की चीटिंग की वजह से पूरा एग्जाम कैंसिल नहीं किया जा सकता। हम ये जानना चाहते हैं कि एनटीए और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

सीजेआई ने कहा, लीक कैसे हुआ, ये महत्वपूर्ण

अगर छात्रों को परीक्षा की सुबह याद करने के लिए कहा जाता, तो लीक इतना व्यापक नहीं होता। अगर हम उन उम्मीदवारों की पहचान नहीं कर पाते हैं जो दोषी हैं, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। ये भी ध्यान देने की बात है कि लीक कैसे हुआ। अगर पेपर सोशल मीडिया से लीक हुआ तो लीक व्यापक हो सकता है। अगर लीक टेलीग्राम, व्हाट्सएप जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हुआ, तो ये जंगल की आग की तरह फैला हो सकता है। दूसरी ओर, अगर लीक 5 तारीख की सुबह हुआ है, तो इसके फैलने का समय सीमित रहा है।

पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है। सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की गड़बड़ी की वजह से पूरा एग्जाम कैंसिल नहीं किया जा सकता। हम ये जानना चाहते हैं कि एनटीए और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं। सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, सरकार से पूछकर बताएं कि क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग के डेटा एनालिटिक्स यूनिट के जरिए पता नहीं लगा सकते है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है? क्या गलत काम करने वालों की पहचान करना संभव है? इस तरह हम उन छात्रों के बारे में जानकारी जुटा सकते हैं, जिन्होंने गड़बड़ी कर फायदा उठाया है।

'क्या हम काउंसलिंग होने देंगे?'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई की सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है?

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और सीजेआई से रिपोर्ट मांगी

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई का निर्देश दिया कि एजेंसी नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे। वहीं, हद्द से कहा- कोर्ट नीट एग्जाम की ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित करने को लेकर चिंतित है, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। सरकार को इस पर एक्सपर्ट की मल्टी डिसिप्लिनरी टीम बनाने का विचार करना जरूरी है। अगर एक कमेटी बनाई जा चुकी है, तो उसकी पूरी डिटेल अदालत को दी जाए। इसके बाद कोर्ट ये तय करेगा कि कमेटी को काम करने की इजाजत दी जाए, या इसके गठन में बदलाव किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणियां

- यदि परीक्षा की शुचिता नष्ट हो जाए तो पुनः परीक्षा का आदेश देना पड़ता है।
- अगर हम दोषियों की पहचान करने में असमर्थ हैं तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा।
- यदि प्रश्न पत्र लीक सोशल मीडिया के जरिए हुआ, तो दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देना होगा।
- कुछ ध्यान देने वाली बातें हैं, 67 उम्मीदवार 720 में से 720 अंक प्राप्त कर रहे हैं, जबकि पिछले वर्षों में यह अनुपात बहुत कम था।
- यदि प्रश्नपत्र टेलीग्राम, व्हाट्सएप और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से लीक होता है, तो यह जंगल की आग की तरह फैलता है।
- यह साफ है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है।
- इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है, हम लीक की सीमा का पता लगा रहे हैं।
- हम प्रश्न पत्र लीक के लाभार्थियों की संख्या जानना चाहते हैं, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है।
- कितने गलत कृत्य करने वालों के परिणाम रोके गए हैं, ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक वितरण जानना चाहते हैं।
- यह मानते हुए कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, वह प्रश्न पत्र लीक के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए क्या करेगी?
- जो हुआ उसे हमें नकारना नहीं चाहिए।

कैसे संदेह पैदा हुआ ?

पांच मई को हुई परीक्षा में कुल 67 छात्रों ने पूरे 720 अंक प्राप्त किए। यह एनटीए के इतिहास में अभूतपूर्व था। इसमें सूची में हरियाणा केंद्र के छह छात्र शामिल हैं। इसके बाद परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर संदेह शुरू हुआ। आरोप लगाया गया कि कृपांक के चलते 67 छात्रों को शीर्ष रैंक मिली। इसके बाद एनटीए ने एक जुलाई को संशोधित परिणाम घोषित किया। इसके बाद नीट-यूजी में शीर्ष रैंक वाले अभ्यर्थियों की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई।

मासिक धर्म अवकाश पर सुप्रीम ने कहा, महिलाओं के अवसर कम हो सकते हैं

मासिक धर्म अवकाश को लेकर लंबे समय से बहस छिड़ी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ सलाह करके मासिक धर्म अवकाश पर एक आदर्श नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से जुड़ा है। यह कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर अदालतों को गौर करना चाहिए। इसके अलावा, पीठ ने यह भी कहा कि अगर महिलाओं के लिए ऐसी छुट्टी दिए जाने का फैसला अदालत करती है, तो इसका असर गलत भी पड़ सकता है क्योंकि कंपनी उन्हें काम देने से बच सकती है। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि अवकाश अधिक महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी। साथ ही पीठ ने कहा कि इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने से महिलाओं को कार्यबल से दूर किया जा सकेगा। हम ऐसा नहीं चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह वास्तव में सरकार की नीति का पहलू है। इस पर अदालतों को गौर करने की जरूरत नहीं है।

'एक शख्स को बचाने में क्यों जुटा शासन'

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि पहले ही राज्य ने इस मामले में महीनों तक कुछ नहीं कर रहा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर शासन एक शख्स को बचाने में क्यों जुटा है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा, ''किसी को बचाने में राज्य की रूचि क्यों होनी चाहिए?'' बेंच ने कहा कि पिछली सुनवाई में जब शीर्ष अदालत ने यह विशेष प्रश्न पूछा था तो राज्य सरकार के वकील ने कहा था कि मामले को स्थगित किया जाए। जजों ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा, ''धन्यवाद। याचिका खारिज की जाती है।'' इससे पहले 29 अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए भी सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा था कि निजी क्षेत्र के कुछ लोगों के हितों को बचाने के लिए राज्य को एक याचिकाकर्ता के रूप में क्यों आना चाहिए?

कोर्ट ने दिए कई अहम निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर फोरेंसिक यूनिट को शामिल करने, एआई का उपयोग करके गलत काम करने वालों की संख्या का पता लगाने और उनके लिए फिर से परीक्षा की संभावना तलाशने के बारे में पूछा। कोर्ट ने सीबीआई को जांच की स्थिति बताते हुए रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह बताए कि प्रश्नपत्र पहली बार कब लीक हुआ। वह प्रश्नपत्र लीक होने की घटना और 5 मई को परीक्षा आयोजित होने के बीच की समय अवधि के बारे में भी बताए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की।

क्या है मामला ?

देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी आयोजित की जाती है। पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। इस पर जमकर राजनीति भी हुई। केंद्र और एनटीए ने 13 जून को अदालत को बताया था कि उन्होंने 1,563 अभ्यर्थियों को दिए गए कृपांक ग्रेस मार्क रद्द कर दिए हैं। उन्हें दोबारा परीक्षा या प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प दिया गया था।

नमामि गंगे मिशन ने 211.08 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को दी मंजूरी

- योगी सरकार महाकुंभ 2025 को बनाएगी दिव्य-भव्य, खुद रख रहे योजनाओं पर नजर
- देवबंद में 134.71 करोड़ और लखनऊ के बरिकला में 27.02 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी मिली मंजूरी

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

योगी सरकार 2025 महाकुंभ को दिव्य-भव्य बनाने में जुटी है। इसके क्लियर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समय-समय पर सभी विभागों के कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। वहीं नमामि गंगे मिशन ने प्रयागराज महाकुंभ के मद्देनज़र स्वच्छता संबंधित बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए कुल तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, इसकी लागत 211.08 करोड़ रुपये है। वहीं, उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। जबकि लखनऊ के बरिकला में स्थित एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने के लिए 27.02 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह निर्णय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी समिति की 55वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज से निकलने वाले 22 नालों को पूरी तरह से टैप करने के लिए 55.57 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन नालों से निकलने वाले सीवेज को रोककर उसको पूरी तरह ट्रीट करना है।

54400 से अधिक शौचालय बनाये जाएंगे

योगी सरकार का महाकुंभ में स्वच्छता पर विशेष जोर है। इस मद्देनजर प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए स्वच्छता संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 152.37 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 54,400 शौचालय- मूत्रालय तथा एक प्राथमिक ठोस अपशिष्ट संग्रह प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य अस्थायी स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण कर महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त सुविधाएं देने के साथ ही आयोजन के दौरान स्वच्छता और नदी के जल की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

मुख्य सचिव से ऑटोडेस्क की निदेशक और अमेरिका दूतावास में वरिष्ठ वाणिज्यिक विशेषज्ञ ने भेंट की

- भेंट के दौरान अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम, हरित और स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह से ऑटोडेस्क की निदेशक सुश्री कर्टनी लुटरमैन और अमेरिका दूतावास में वरिष्ठ वाणिज्यिक विशेषज्ञ सुश्री रितु अरोड़ा ने भेंट की। भेंट के दौरान अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम, हरित और स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने प्रदेश में निर्मित व निर्माणाधीन एक्सप्रेसवेज, पाइप पेयजल परियोजना, स्मार्ट रोड्स, ड्रेनेज सिस्टम तथा एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट व महाकुम्भ-2025 आदि के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में ऑटोडेस्क की निदेशक सुश्री कर्टनी लुटरमैन ने हरित और स्मार्ट रोड्स और बिल्डिंग की स्थापना में राज्य के प्रयासों में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि ऑटोडेस्क एक अमेरिकन मल्टीनेशनल साफ्टवेयर कॉर्पोरेशन है, जो आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, मीडिया, एजुकेशन और इण्टरटेनमेंट इंडस्ट्रीज को सेवाएं प्रदान करता है। ऑटोडेस्क का मुख्यालय सेन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया में है। ऑटोडेस्क ने भारत और दुनियाभर में विभिन्न सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं में काम किया है। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, विशेष सचिव मुख्यमंत्री श्री प्रथमेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

कानपुर एक्सप्रेस

कानपुर और उन्नाव
की खबरों को पढ़ने के लिए देखें पेज
3और11
जन एक्सप्रेस फाइटर जी कहिन को इस Qr-code के माध्यम से सर्च करें

रिपोर्ट छोटे शहरों में इमारतों का कॉमर्शियल उपयोग कर मोटा मुनाफा कमाने वालों को दो से तीन गुना टैक्स देना होगा

छोटे शहर वालों को भी देना होगा मोटा कर

जन एक्सप्रेस। डॉ. वैभव शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के छोटे शहरों में इमारतों का कॉमर्शियल उपयोग कर मोटा मुनाफा कमाने वालों को दो से तीन गुना टैक्स देना होगा। सरकारी खजाने में आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया वाले सिद्धांत को अब योगी सरकार मानने वाली नहीं है। अब महानगरों की तर्ज पर छोटे शहरों में भी आय के अनुपात में गृह कर देना होगा। जिन प्रतिष्ठानों से ज्यादा आमदनी होती है सरकार ने उनका कर बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में अब बड़े शहरों की तर्ज पर छोटे शहरों में भी हाउस टैक्स के नियम जारी कर दिए गए हैं। नगर विकास विभाग के द्वारा छोटे शहरों के लिए जारी नियमावली के मुताबिक होटल, कॉलेज, एटीएम और बैंक चलाने वाले भवनों को तीन गुना टैक्स देना होगा जबकि मेडिकल स्टोर और टेंट हाउस चलाने वाले भवनों से दो गुना कर वसूलने की तैयारी की जा रही है।

- छोटे शहरों के लिए जारी नियमावली के मुताबिक होटल, कॉलेज, एटीएम और बैंक चलाने वाले भवनों को तीन गुना टैक्स देना होगा
- मेडिकल स्टोर और टेंट हाउस चलाने वाले भवनों से दो गुना कर वसूलने की तैयारी की जा रही है

11 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की दुकानों से सामान्य गृह कर लिया जाएगा

11 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की दुकानों से सामान्य गृह कर लिया जाएगा। सड़क की चौड़ाई और भवन के उपयोग के हिसाब से गृहकर तय होगा। बीते दिनों योगी कैबिनेट ने नगर निगम की तरह ही नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत में रहने वालों को हाउस टैक्स जमा करने के लिए स्वकर निर्धारण सिस्टम को लागू करने की मंजूरी दी थी।

शहरी सीमा में जिन गांवों को शामिल किया गया है, उनसे 5 साल तक या विकास होने तक हाउस टैक्स नहीं वसूला जाएगा

वर्तमान में प्रदेश के 17 नगर निगम में यह व्यवस्था लागू है। जिसे अब छोटे शहरों में भी लागू किया जाएगा। अभी तक यहां कोई नियमावली लागू नहीं थी। जिसके चलते हाउस टैक्स की वसूली अनिवार्य रूप से नहीं हो पा रही थी। बोर्ड की मंजूरी लेकर निकाय प्रमुख इसमें छूट देते रहे हैं। अब नगर पालिका परिषद और पंचायत में भी गृहकर की वसूली की जाएगी। जानकारी के मुताबिक शहरी सीमा में जिन गांवों को शामिल किया गया है, उनसे 5 साल तक या विकास होने तक हाउस टैक्स नहीं वसूला जाएगा।

इनसे पहले की तरह होगी कर वसूली

सरकारी हॉस्टल, राजकीय या एडेड स्कूल, स्वीमिंग पुल, खेल केंद्र, जिम, थियेटर (सांस्कृतिक कार्यक्रम वाले), डांस -सिंगिंग केंद्र से नियत दर पर समान हाउस टैक्स लिया जाएगा। छोटे इंडस्ट्रियल इकाई, सिंगल स्क्रीन थियेटर, 120 वर्ग फीट या 11.14 वर्गमीटर क्षेत्रफल की चाय, दूध, अंडा, लांड्री, फल-सब्जी, नाई, टेलर की दुकानों से सामान्य हाउस टैक्स लिया जाएगा।

पहाड़ी क्षेत्र में सैन्य वाहन पर आतंकी हमला, चार जवान बलिदान और छह घायल

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

जम्मू संभाग के जिला कठुआ के पहाड़ी इलाके में सैन्य वाहन पर आर्तकियों ने हमला किया गया है। जवानों ने मौका संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस हमले में चार जवान बलिदान हो गए और छह जवान घायल बताए जा रहे हैं। अभी मुठभेड़ जारी है। जिला कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास आर्तकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की अन्य टीमें भी मुठभेड़ स्थल के लिए पहुंचीं। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना आनलाइन उपस्थिति व्यवस्था का होगा विरोध : चन्द्रप्रकाश

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग की जनपदीय इकाई द्वारा प्रदेशीय आहवान पर जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश द्विवेदी के नेतृत्व में सैकडों शिक्षक-शिक्षिकाओं की मौजूदगी में डिजिटाइजेशन ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम को सौंपा गया। जिला महामंत्री सर्वजीत सिंह ने कहा कि महानिदेशक स्कूली शिक्षा द्वारा 8 जुलाई से पंजिकाओं का ऑनलाइन उपस्थिति देने पर आदेश निर्गत किया गया है। विभागीय अधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हकीकत जाने ही इस प्रकार के अव्यवहारिक आदेश करते रहते हैं, जिनमे आने बाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना उसको लागू करा पाना संभव ही नहीं है। कार्यकारी जिलाध्यक्ष सीताराम सिंह ने कहा कि प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा कई बार महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर डिजिटाइजेशन से जुडी मौलिक समस्याओं को दूर करने की मांग पर गई। साथ ही 14 मार्च 2024 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय में धरना भी किया गया था। तब महानिदेशक द्वारा संगठन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया था कि डिजिटाइजेशन से जुडी मौलिक समस्याओं के निस्तारण के बाद ही इसे लागू किया जाएगा, किंतु मागे पूरी नहीं की गई। जिला संगठन मंत्री विनोद अवस्थी ने कहा कि विभागीय अधिकारी दमन पूर्वक ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू करना चाहते हैं, जिनका संगठन पुरजोर विरोध करता है। जिला कोषाध्यक्ष सत्योम शुक्ला ने कहा कि महासंघ विभागीय व सामाजिक दायित्यों के प्रति सजग रहकर छात्र हित व शिक्षा हित में इस आदेश का बहिष्कार कर रहा है। जब तक जायज मांग पूरी नहीं हो जाती है तब तक आनलाइन उपस्थिति स्वीकार्य नहीं है। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विजय पांडेय ने कहा कि राज्य कर्मचारियों की भांति 30 ईएल या महाविद्यालयों के शिक्षकों की भांति पीएल दिया जाए। अन्य विभागों की भांति प्रतिकर अवकाश प्रदान किया जाये। प्रमुख समस्याओं का समाधान किये बिना ही विभागीय अधिकारियों द्वारा भय का वातावरण बनाकर ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था केवल बेसिक शिक्षा विभाग में ही लागू की जा रही है। इससे पूरे प्रदेश का तमाम शिक्षक स्वय को अपमानित एवं ठगा महसूस कर रहा है। शिक्षकों में शासन व विभाग के प्रति व्यापक आक्रोश है। इस मौके पर अंतर्जनपदीय एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पाण्डेय, राधेश्याम तूफानी, अनुसूचित शिक्षक संघ के गयाप्रसाद बौद्ध, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवधबिहारी सिंह, संजय अवस्थी, आनंद यादव, वरिष्ठ शिक्षक विजय पटेल, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विजय पांडेय, ब्रह्मदीन मिश्र, अटेवा के महेंद्र सिंह, शिक्षामित्र संघ के इंद्रसेन यादव, वरिष्ठ शिक्षक रामनारायण पांडेय, रानडे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ परिवार चित्रकूट से लवकुश द्विवेदी, ललक पाण्डेय, हेमराज गर्ग, अनिल अनिवार्य, सुनील सौम्य, संजय शुक्ला, युगल तिवारी, रामकेश वर्मा, दिनेश शुक्ला, दिनेश दीक्षित, धर्मेंद्र राठौर, सुमित कुमार, द्रोपदी अग्रवाल, गीता देवी, पूनम सिंह, तकनीकी शिक्षक महेश सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

इचौली रेलवे स्टेशन में चित्रकूट एक्सप्रेस का ठहराव बनाने की मांग का सांसद को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

जनपद के इचौली कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन में कोरोना महामारी काल में अस्थाई रूप से बन्द किए गए 15205/15206 लखनऊ-जबलपुर चित्रकूट एक्सप्रेस का ठहराव पुनः बनाए जाने की मांग को लेकर सौरभ मिश्रा एडवोकेट ने हमीरपुर महोबा तिंदवारी संसदीय क्षेत्र के सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर हमीरपुर में ज्ञापन सौंपा है। गौरतलब है कि ÷झांसी रेलवे मंडल÷ के अंतर्गत आने वाले÷इचौली÷? रेलवे स्टेशन में विगत कई दशकों से ÷जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस÷ का ठहराव (स्टापेज) था, कोरोना महामारी काल में उक्त इचौली रेलवे स्टेशन पर ठहराव अस्थाई रूप से समाप्त कर दिया गया था, लेकिन कोरोना महामारी से उबरने के बाद लगभग सभी ट्रेनों के पुराने ठहराव पुनः बनाए जा चुके हैं परन्तु अभी तक लखनऊ-जबलपुर चित्रकूट एक्सप्रेस÷ का ठहराव ÷इचौली÷ रेलवे स्टेशन पर पुनः नही बनाया गया। सौरभ मिश्रा ने बताया कि पहले कई बार मंडलीय रेलवे प्रबंधक झांसी से पत्राचार किया जा चुका है परन्तु समस्या हल न होने पर जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन देकर समस्या की ओर ध्यानाकर्षण कराने का प्रयास किया जा रहा है, उक्त ट्रेन का ठहराव पुनः न होने से कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों, कस्बे के व्यापारियों, सरकारी संस्थाओं के कर्मचारियों व आम जनमानस को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इस क्षेत्र से एक मात्र ट्रेन है जो क्षेत्र को प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जोड़ती है, भारी संख्या में स्थानीय एवं दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्र के छात्र उक्त ट्रेन के माध्यम से इचौली रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन पढ़ने जाते थे। वही मौदहा में इचौली निवासी विवेक पाल ने सांसद से रेलवे स्टेशन इचौली में चित्रकूट एक्सप्रेस के ठहराव के लिए ज्ञापन दिया द्य इस मौके पर एडवोकेट सौरभ मिश्रा एडवोकेट, अमन सक्सेना, अर्पित साहू सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फास्ट फॉरवर्ड

टेम्पो को ओवरटेक करते समय हाइवे से खाई में घुसी बस

जन एक्सप्रेस/उरई। कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर तेज रफ्तार प्राइवेट बस कुकरगांव के पास टेम्पो को ओवर टेक करते समय अनियंत्रित होकर खाई में घुस गई। घटना से बस पर सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और वह दहशत में आ गए। उरई से सोमवार की दोपहर सवारियां लेकर प्राइवेट बस बंगरा की ओर जा रही थी। इस दौरान बस जब जालौन औरैया स्टेट हाईवे के ग्राम कुकरगांव के पास से गुजर रही थी। तभी एक ऑटो को ओवरटेक करने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर हाईवे से उतरकर खंती में घुस गई। घटना से बस पर सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई और सभी लोग दहशत में आ गए। बताया गया कि घटना के समय उस बस में करीब दो दर्जन से अधिक सवारियां थी। हादसे के बाद चालक व परिचालक मौके पर ही बस छोड़कर भाग गए। जबकि हादसा देखकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से किसी तरह सभी सवारियों को सकुशल बाहर निकाला गया। फिलहाल चालक की लापरवाही के चलते एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस/उरई। कोंच कोतवाली क्षेत्र में महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोंच नगर के मोहल्ला जयप्रकाश नगर निवासी महिला निशा राइन 32 वर्ष अज्ञात कारणों के चलते कमरें में बल्ली में टगे पंखे से दुपट्टा का फंदा गले में डालकर फांसी लगा ली। जिसमें उसकी मौत हो गई। महिला ने उस समय घटना को अंजाम दिया जब घर के सारे सदस्य फल सब्जी मंडी में अपने काम पर गये हुए थे। जबकि उसके साथ उसकी 8 वर्षीय पुत्री निखत सो रही थी। जब वह नींद से जागी और उसने अपनी माँ को फांसी पर लटकते हुए देखा तो वह चीखने चिल्लाने लगी। तभी अन्य परिवार के लोग वहां पहुच गए। पुत्री ने लोगो के कहने पर अंदर से बन्द दरवाजे की कुंडी को खोला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुची पुलिस ने मौजूद लोगों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य एकत्रित किए। बताया गया मृतका निशा राइन का दो दिन पूर्व उसके पति जमील से झगड़ा हुआ था। जिसको लेकर दोनों में अन बन चल रही थी। सोमवार की सुबह महिला ने आत्महत्या करने का कदम उठाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले में उपनिरीक्षक बिपिन द्विवेदी ने बताया कि महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पत्नी के मायके जाने पर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जन एक्सप्रेस/उरई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिनोरा में युवक ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिनोरा निवासी संजय कुमार 25 वर्ष ने रविवार की रात किन्ही कारणों के चलते घर की सीढ़ियों की छत में लगी लोहे की रॉड पर बैड सीट का फंदा गले डालकर फांसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई। फांसी के फंदे पर लटक रहे शव को देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। बताया गया है कि मृतक की पत्नी उरई स्थित अपने मायके में रह रही थी। जिसके अकेलेपन के कारण उसने मौत को गले लगा लिया। भेड़ चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया घटना की शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मामले की हर पहलू पर बारीकी से जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

किसान पंजीकरण का कार्य 8 जुलाई से 8 अगस्त तक होगा : तहसीलदार

जन एक्सप्रेस/कालपी। अब अलग-अलग ग्रामो में स्थित कृषि भूमि का डाटा बेस एकत्रित करके पंजीकरण की व्यवस्था की जा रही हैं। राजस्व परिषद के दिशा निर्देशों के अनुरूप 8 जुलाई से 8 अगस्त तक गांव-गांव में कैम्प लगाकर किसान पंजीकरण का कार्य शुरू हो गया है।
सोमवार को नायब तहसीलदार नीलमणि सिंह की मौजूदगी में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान पंजीकरण के कार्य मे कृषि विभाग तथा राजस्व विभाग के कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कृषक का मोबाइल नंबर तथा आधार कार्ड लिंक होना चाहिए। पंजीकरण के दौरान किसान को अपना मोबाइल नंबर, आधार कार्ड तथा संबंधित कृषि भूमि की खतौनी दी जाएगी। इसके उपरांत संबंधित लेखपाल खतौनी के गाटा नंबर वगैरह का सत्यापन करेगा। सत्यापन के उपरांत कंप्यूटर सिस्टम में किसान पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। नायब तहसीलदार ने बताया कि किसान पंजीकरण हो जाने के उपरांत सरकार के द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं के लाभ की प्रक्रिया में गतिशीलता आएगी तथा किसानों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील फोटो, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित, वारण्टी की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी राज कमल के पर्यवेक्षण में कर्वी पुलिस टीम द्वारा महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर छेडछाड कर अश्लील फोटो, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को एक मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया। कोतवाली कर्वी प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि 30 जून एक वादिया द्वारा कोतवाली कर्वी में सूचना दी थी कि राम मिश्रा निवासी चकदेही थाना सेमरिया जिला रीवा मध्य प्रदेश द्वारा उनको नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी थी। साथ ही इंस्टाग्राम से फोटो निकालकर एप के माध्यम से एडिट कर ब्लैकमेल किया गया है। इस सूचना पर कोतवाली कर्वी में आईटी एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी ने मुकदमें की विवेचना एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए निरीक्षक लाखन सिंह को लगाया गया। निरीक्षक लाखन सिंह एवं आरक्षी राहुल देव द्वारा राम मिश्रा गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे उसका मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसके माध्यम से उसके द्वारा फोटो एटिड की गयी थी।

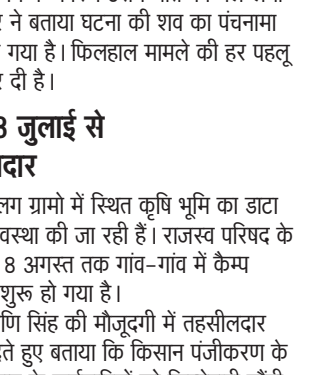

डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति आदेश के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित अतरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

* मुख्य समस्याओं के समाधान उपरांत ही लागू हो डिजिटाइजेशन/ ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था

जन एक्सप्रेस । उरई

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग की जनपदीय इकाई द्वारा प्रदेशीय आह्वान पर जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाओं की मौजूदगी में डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सौरभ पांडे को सौंपा। जिला महामंत्री इलयास मंसूरी ने कहा कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा 8 जुलाई से पंजिकाओं का ऑनलाइन उपस्थिति देने का आदेश निर्गत किया गया है जो कि तुगलकी फरमान है। जिनमे आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना उसको लागू करा पाना संभव ही नहीं है। प्रदेशीय मीडिया प्रभारी बृजेश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा कई बार महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं को दूर करने की मांग की गई तथा 14 मार्च को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय में धरना भी किया गया था। तब महानिदेशक द्वारा संगठन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया था कि डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं के निस्तारण के पश्चात ही इसे लागू किया जाएगा। किंतु मांगे पूरी नहीं की गई। जिला संगठन मंत्री तनवीर अहमद ने कहा कि विभागीय अधिकारी दमन पूर्वक ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है। जिला उपाध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी ने कहा कि महासंघ विभागीय व सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहकर छात्र हित व शिक्षा हित में इस आदेश का बहिष्कार कर रहा है। जब तक जायज मांगे पूरीनहीं हो जाती है तब तक ऑनलाइन उपस्थति स्वीकार्य नहीं है। जिला संयुक्त महामंत्री अरविन्द स्वर्णकार ने क कि प्रमुख समस्याओं का समाधान किये बिना ही विभागीय अधिकारियों द्वारा भय का वातावरण बनाकर ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था केवल बेसिक शिक्षा विभाग में ही लागू की जा रही है। इससे पूरे प्रदेश शिक्षक समाज स्वयं को अपमानित एवं ठगा महसूस कर रहा है। शिक्षकों में शासन व विभाग के प्रति व्यापक आक्रोश है। ज्ञापन सौंपने वालों में एडेड संवर्ग जिलाध्यक्ष उपेन्द्र शर्मा, महामंत्री अरविंद सिंह तोमर, कार्यकारी अध्यक्ष संजीव म बद्री झा, अय्यूब कुरैशी, मनोज बाथम, सरला कुशवाहा, राजा सिंह यादव, इनाम उल्ला अन्सारी, अशोक सिंह राजावत, दीपक कुमार, वेद व्यास, महेन्द्र श्रीवास्तव, ऋषि बुधौलिया, सलिल कान्त श्रीवास, सीमा सिंह, रियायत बेग, अभिषेक पुरवार, सत्यपाल, विजय तिवारी, सारिक अंसारी, रिजवान, नईमा, आदा भीकस्तव, सरोज चौधरी, रानी सुरेश, पवन पटेल, आशीष आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

अधिकारियों से सांटगांठ कर पुजारी कर रहा निजी मंदिर पर अवैध कब्जा, एसपी से की शिकायत

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

राठ। निजी खेती वाली जगह पर बने मंदिर के पुजारी ने जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से अधिकारियों की सांटगांठ से उसकी नाप जोख करा रहा है। जिसकी शिकायत पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से कर मंदिर से कब्जा हटवाने की मांग की है। नगर के मोहल्ला सिकंदरपुरा चरखारी रोड निवासी राजीव कुमार व राजेश कुमार द्विवेदी पुत्रगण देवकीनंदन द्विवेदी ने बताया कि उनके पैतृक खेत राठ तहसील के मौजा रिकौरा गाटा संख्या 35 में स्थित है। जिसमें उनका पुश्तैनी मंदिर बना हुआ है और मंदिर के समीप ही उनके बाबा की समाधि बनी हुई है। वही मंदिर के तथाकथित पुजारी मिथिलेश शर्मा उर्फ लक्ष्मण दास ने स्थानीय अधिकारियों से मिलीभगत कर उक्त मंदिर में कब्जा करने के उद्देश्य उसकी नाप जोख कराना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि उक्त पुजारी कहां से आया है और क्या करता है? इसका रिकॉर्ड किसी के पास भी नहीं है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर उक्त पुजारी की पहचान स्पष्ट कराकर उससे उक्त मंदिर का कब्जा हटवाने की मांग की है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्यक्रम संकल्प HEW के अंतर्गत 21 जून से 4 अक्टूबर 2024 तक 100 दिन का विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके क्रम में सोमवार को हमीरपुर के ब्लॉक मुस्करा, ब्लॉक सरीला और ब्लॉक राठ कार्यालय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में महिला कल्याण विभाग के समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से दस्तावेज सहित जागरूकता के लिए बताया गया साथ ही महिला कल्याण विभाग से चलने वाली हर योजना को किस तरह से फॉर्म भरके प्राप्त किया जा सकता है विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। ताकि आंगनबाड़ी डोर टू डोर रोड सर्वे करें और यह जानकारी हर घर में जाकर पहुंचाएं जिससे जनपद में कोई भी बिना लाभ के न रहे एवं महिला शक्ति मिशन सशक्तिकरण को लेकर महिलाओं को जागरूक किया गया कि किसी भी प्रकार की घटनाओं के लिए जनपद के वन स्टॉप केंद्र और समस्त हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें एवं महिलाओं से संबंधित तीन नए कानून के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम में दहेज प्रथा को समाप्त करने बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने बाल श्रम को रोकने तथा 18 वर्ष से कम आयु के बालक बालिकाओं के साथ हो रही एवं हिंसा से बचने शिकायत करने व अपनी बात खुलकर रखना उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। साथ ही बच्चों के सर्वोत्तम विकास हेतु माता-पिता की भूमिका के बारे में चर्चा कर जागरूक किया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के बारे में भी बताया गया है और सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 मोमिन पॉवर लाइन, 1098 चाइल्ड लाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 112पुलिस आपातकालीन सेवा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा इत्यादि नम्बर के बारे में अवगत करवाया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण वन स्टाप सेंटर मैनेजर मोनिका ब्लॉक गोहांड और बाल संरक्षण इकाई गोपाल जी एवं चाइल्ड लाइन डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सफवान ब्लॉक मुस्करा, बाल संरक्षण इकाई दीसी ब्लॉक सरीला के द्वारा दिया गया।

पालिका ने अभियान चलाकर 30 गौवंशों को पकड़ कर गौशाला पहुँचाया

जन एक्सप्रेस । कालपी

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन पर नगर पालिका परिषद की टीम के द्वारा चलाये गए अभियान के दौरान नगर के सार्वजनिक स्थानों में विचरण कर रहे 30 गौवंशो को हाक कर अस्थाई गौशाला पहुँचाया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों गौवंशो के विचरण के मामले प्रकाश में आ रहे थे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला के द्वारा राजस्व निरीक्षक राम भुवन सिंह, शिशुपाल सिंह यादव को गौवंशो के सार्वजनिक स्थानों में घूमने पर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे। अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला ने तत्परता पूर्वक कदम उठाते हुए अभियान चलाया। अभियान के तहत पालिका के राजस्व निरीक्षक एवं गौशाला प्रभारी रामभवन सिंह के साथ सफाई प्रभारी शिशुपाल सिंह यादव की देखरेख में राकेश कोष्टा, शिवकुमार यादव, देशराज, अखिलेश, नरेंद्र कुमार की टीमें सड़क पर गौवंशो को पकड़ने के लिये सड़क में उतर पड़ी। तय कार्यक्रम के तहत कालपी नगर के प्रवेश से एक छोर से टीम के कर्मचारियों ने हांकना शुरू किया। सार्वजनिक स्थानों तथा सड़क में विचरण कर रहे 30 गौवंशो एवं गायों को हाक कर अस्थाई गौशाला आलमपुर पहुँचा दिया गया। इसी प्रकार पालिका कर्मचारियों तथा पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिलेश सचान ने अलग-अलग स्थानों में विचरण कर रहे आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर बैक्सीनेट करने का अभियान चलाया था। लेकिन बैक्सीनेशन खत्म हो जाने की वजह से काम रुक गया है।नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया कि पालिका के द्वारा संचालित हो रही अस्थाई गौशाला में हरा चारा, पानी, भूसा, छाया एवं पंखों की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि आवारा कुत्तों को बैक्सीनेट करने के लिए पालिका प्रशासन पूरा पशु चिकित्सा अधिकारी का सहयोग करेगी।

अवर अभियन्ता ने किया निर्माणाधीन नाला का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

विधायक निधि योजना के तहत चल रहे नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण अवर अभियन्ता द्वारा किया गया। साथ ही निर्माण कार्य पर संतोष जाहिर किया गया। ब्लाक मुख्यालय पहाडी के पहाडी बरेठी मोड से शान्ति देवी इंटर कॉलेज होते हुए रामनरेश कुशवाहा की ओर नाला निर्माण कराया जा रहा है। लगभग पूर्ण होने की कगार पर चल रहे निर्माण के निरीक्षण के बाद कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियन्ता जितेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्य मानक के अनुरूप कराया जा रहा है और जल्द ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी ग्राम्य विकास अभिकरण के सहायक अभियन्ता द्वारा इसकी जांच की जा चुकी है। जिसमें कार्य संतोषजनक पाया गया था। उन्होंने ठेकेदार को गुणवत्ता एवं मानक का ध्यान रखते हुए जल्द कार्य पूर्ण करने को कहा है।

भू माफियाओं से संपत्ति बचाने को डीएम से लगाई मदद की गुहार

* भू माफियाओं की दबंगई ऐसी कि सरकारी जमीन के साथ पीड़ित की जमीन पर कर लिया कब्जा

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिले में भू-माफियओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। वर्षों से गांव के कई लोगों की भूमि पर कब्जा जमाए हुए भू- माफियाओं ने ग्राम सभा और तालाब की जमीन को भी नहीं छोडा। यहां अतिक्रमण कर अवैध पक्के मकान बनाकर कब्जा किए हुए हैं। साथ ही आए दिन ग्रामीणों की जमीनों पर अपना कब्जा बना रहे हैं। हाल ही में एक ऐसा मामला सरधुवा थाना क्षेत्र के विलास बांगर गांव से निकलकर सामने आया है। यहां पर माफियाओं ने जबरन एक व्यक्ति की 25 बीघे जमीन में कब्जा कर लिया है। पीडित ने सोमवार को जिलाधिकारी से मिलकर उसकी भूमि पर कब्जा दिलाए जाने एवं भू माफियाओं के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है। विलास बांगर गांव निवासी पीड़ित अजेंद्र सिंह ने बताया कि वह सात माह पूर्व विलास गांव के निवासी दुर्विजय सिंह पुत्र इंद्रपाल से लगभग 25 बीघा जमीन बैनामा कराया था। जिसको गांव के अपराधी किस्म के व्यक्ति एवं भू माफिया, गुंडा व दबंग वीर सिंह, बबलू सिंह व गब्बर सिंह पुत्रगण रामप्रताप सिंह व कुशल सिंह पुत्र रामराज सिंह जबरदस्ती कब्जा किए हुए हैं और पीडित को उसकी क्रय की हुई जमीन पर कब्जा नहीं होने दे रहे। पीडित द्वारा कब्जा करने का प्रयास पर उसको गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हैं। पीडित ने बताया कि उन लोग पूर्व में लेखपाल की मिलीभगत से षड्यंत्र कर जमीन के विक्रेता दुर्विजय को मृत घोषित कराकर उसकी खतौनी से छेडछाड की है, जब कि दुर्विजय आज भी जिंदा है। पीडित ने बताया कि उनके पिता गांव के कोटेदार हैं। जहां यह दबंग लोग अपात्रता की सूची में आते हैं, इसके बावजूद ये लोग राशनकार्ड ले रखे हैं। कई बार राशनकार्ड सरेंडर करने को कहा गया तो धमकी देते हैं और जबरन कार्ड से अधिक खाद्यान मांगते हैं। इनकी वजह से गांव के बहुत से गरीब जरूरतमंद पात्र लोगों के राशनकार्ड नहीं निर्गत हो पा रहे हैं। जबरदस्ती इनके आतंक से भयभीत पीडित डीएम को प्रार्थना पत्र देकर उसकी जमीन पर कब्जा दिलाए जाने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाने की गुहार लगाई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों का जिला जज ने लिया जायजा

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन प्रस्तावित है। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम की अध्यक्षता में सोमवार को सभी न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मेनवाल ने बताया कि जनपद न्यायाधीश द्वारा आगामी 13 जुलाई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, धारा-138 एनआई एक्ट, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, विद्युत अधिनियम, पारिवारिक, वैवाहिक वाद, सुखाधिकार वाद, स्थायी निषेधाज्ञा व सिविल वाद, मनी वसूलीवाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष वाद, मोटर वाहन ई-चालान, लघु आपराधिक वादों का निस्तारण किया जायेगा। उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में वादों को चिन्हित करते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण के लिए बल दिया। इस मौके पर मोटर दुर्घटना दावा के पीठासीन अधिकारी श्रीकृष्ण यादव, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश न्यायाधिकरण राकेश कुमार यादव, अपर जिला जज अनुराग कुरील प्रथम, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत विशेष न्यायाधीश, एससी,एसटी एक्ट राममणि पाठक, पाक्सो एक्ट विशेष न्यायाधीश रेनू मिश्रा, एफटीसी अपर जिला जज नीरज श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारती, सिविल जज (जूडि) सैफाली यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजलिका प्रियदर्शिनी आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी द्वारा पर्यावरण संरक्षण और नगर को हरा भरा बनाने के लिए पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम कॉलोनी स्थित पार्क में वन विभाग के सहयोग से नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता की अगुवाई में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी लाल जी यादव, सभासद शंकर यादव, चंद्र प्रकाश वर्मा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर वन विभाग के सुरेंद्र कुमार, शिव नरेश त्रिपाठी, सुंदरलाल मिश्रा, मधुसूदन मिश्रा, बद्री विशाल यादव, राम विशाल यादव, डा भानु प्रताप वर्मा, नगर पालिका के सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, सफाई नायक अमित, महफूज खान, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे तीन पुत्र परवेज खान, साजिद खान एवं सैफ अली खान है। मेरे दो पुत्र परवेज खान एवं साजिद खान मेरे साथ रहकर मेरी देखरेख करते हैं एवं मेरा तीसरा पुत्र सैफ अली खान गलत संगत में पड़ जाने के कारण कभी भी मेरा कहना नहीं मानता है एवं मेरे नाम का दुरुपयोग कर लोगों से रुपए व कर्ज लेता रहता है। उसकी इन हरकतों की वजह से मैं मो0 अहमद खान पुत्र सुभान खान अपने तीसरे पुत्र सैफ अली खान को अपने संपूर्ण चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। कोई भी व्यक्ति अगर उसके साथ लेनदेन करता है, तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। मुझे एवं मेरे दोनों पुत्र परवेज खान एवं साजिद खान को अब कोई लेना-देना नहीं है।
शपथकर्ता
अहमद खान पुत्र सुभान खान
निवासी सूर्य नगर उरई जिला जालौन

मौसम पूर्वानुमान

पूर्वानुमान
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण तेज हवाओं (धूलभरी आँधी) एवं गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर छुटपुट बूंदाबादी होने के आसार है तथा दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार है

अधिकतम (डिग्री0से0) : 34.4 (+0.3)
न्यूनतम तापमान (डिग्री0से0) : 24.5 (-2.1)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 89 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 64 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 6.4 कि0मी0/घंटा
हवा की दिशा- उत्तर-पूर्व
वर्षा (मि0मी0) : 0.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

क्या दिखावे के लिए के.डी.ए. वी.सी. ने कराई हैं एफआईआर या फिर होगा अवैध निर्माणों का ध्वस्तीकरण

के.डी.ए. की सरकारी सील तोड़ने वा
पांच और बिल्डरों पर मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस फॉलो अप

कमलेश फाइटर

योगी सरकार में सील तोड़ने वा
हमराज बिजनेस सेंटर के चार बिल्डरों पर एफ.आई.आ

F.I.

26 और 27 को दर्ज की गई हैं कुल 9 एफआईआर

कानपुर नगर। कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन एक में गैर कानूनी तरीके से प्राधिकरण के द्वारा लगाई गई सरकारी सीलों न को तोड़ने वाले अवैध निर्माण कर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने का सिलसिला जारी हो चुका है। कोपरगंज स्थित न्यू हमराज बिजनेस सेंटर के पांच और अवैध निर्माण कर्ता बिल्डरों के विरुद्ध कोतवाली अनवरगंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। अब यह संख्या बढ़कर 9 हो गई है।

आपको बताते चलें कि कानपुर विकास प्राधिकरण के जिम्मेदार प्रवर्तन के अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा अवैध निर्माण कर्ताओं से सांठ गांठ करके खूब जमकर निर्माण कराए गए थे। अवैध निर्माणों के खिलाफ सिर्फ जन एक्सप्रेस मुहिम चला रहा था, नवागंतुक उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्वयाल ने आने के बाद से जन एक्सप्रेस की खबरों का संज्ञान लेते हुए अवैध निर्माण कर्ताओं के खिलाफ अभियान चला रखा है। जोन एक के चमनगंज बेकनगंज बजरिया आदि क्षेत्र में अवैध निर्माणों को मूक सहमति देकर जेई और सुपरवाइजर ने खूब अवैध निर्माण करवाए हैं। लेकिन अब अवैध निर्माणों पर उपाध्यक्ष की कानूनी कार्रवाई की गाज गि... प्राधिकरण के सभी जोन... अवैध निर्माणों पर सील ... चालू है। ऐसी ही बड़ी सील की ... एक के कोपरगंज स्थित बिजनेस सेंटर में भी ... लेकिन इस मार्केट के ... सरकारी सील को तोड़... इसके बाद अब तक ... करने वाले बिल्डरों पर ... हो चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार न्यू हमराज बिजनेस सेंटर के अंदर अ... गैरकानूनी तरीके से योगी सरकार की केडीए वाली सील तोड़ने के ... कोतवाली अनवरगंज में मोहम्मद अब्दुल सफीक, मोहम्मद रईस, ... इस्माइल, संजय अग्रवाल, विकास शुक्ला, श्रीमती रेणु जैन, हरीश ... प्रबंधक एनबीके आदि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

जन एक्सप्रेस । कमलेश फाइटर

कानपुर नगर। करोड़ों रुपए की कानपुर विकास प्राधिकरण को राजस्व की क्षति पहुंचाने के साथ बिल्डरों को मालामाल करने वाले प्रवर्तन के जिम्मेदार अधिकारियों का जोन बदलने के बाद वीसी ने ने अपने कर्तव्यों से इति श्री कर ली है। दूसरी ओर जिन अवैध निर्माण करने वालों के निर्माण सील हुए थे उन्होंने तत्काल ही सील तोड़कर निर्माण भी शुरू कर दिया था और तहसील की सील तोड़ने की एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उनका निर्माण अनवरत चल रहा है कुछ निर्माण तो संपूर्ण होने पर भी आ गए हैं। ऐसे में क्या यह सोच लिया जाए की यह सब कुछ एक प्रायोजित खेला था। जिसमें दिखावे के लिए सील लगाई गई, एफआईआर की गई और अब अवैध निर्माण कर्ता मजे से निर्माण कर रहे हैं। या फिर अब जिन लोगों ने अवैध निर्माण किया है उनके अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा?

> “ कानपुर विकास प्राधिकरण की टीम के द्वारा सील की गई इमारतों की सील तोड़ने वालों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। जो लोग प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी अनवरत अपने निर्माण को कर रहे हैं उनके निर्माण के विरुद्ध ध्वस्तीकरण के लिए वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
>
> मदन सिंह गर्व्याल
> के.डी.ए. वी.सी.

आपको बताते चलें कि बीते जून माह के आरंभ से ही कानपुर विकास प्राधिकरण के वी सी मदन सिंह गर्व्याल के निर्देश पर प्राधिकरण के चारों जोनों में अवैध निर्माणों के खिलाफ महा अभियान चला था। लगभग आधा सैकड़ा से अधिक मानक विहीन अवैध निर्माणों को सील कर पुलिस अभिरक्षा में दिया गया था। लेकिन 24 घंटे के बाद ही कई अवैध निर्माण कर्ताओं ने सील की डील कर सील को तोड़कर निर्माण आरम्भ कर दिए थे। जन एक्सप्रेस ने फिर प्रमुखता से छापा तो सील तोड़ने वालों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करा दिए गए। लेकिन उसके बाद भी अवैध निर्माण करने वालों को कोई फर्क नहीं पड़ा। और तब से लेकर अब तक काफी निर्माण तो लोगों के पूरे हो चुके हैं।

अवर अभियंता जे एन पांडे और अरविंद उपाध्याय के कार्य क्षेत्र में सबसे ज्यादा हुए अवैध निर्माण

मानक विहीन निर्माण और अवैध निर्माण के साथ-साथ अतिरिक्त तल सबसे ज्यादा पूर्व में जोन दो में तैनात रहे अवर अभियंता अरविंद उपाध्याय और पूर्व में जोन एक में तैनात रहे अवर अभियंता/ सहायक अभियंता जे एन पांडे के कार्यक्षेत्र में जमकर हुए। उसके बाद जोन एक के अवर अभियंता प्रवीण शर्मा, जोन 2 के अवर अभियंता पीके वर्मा के कार्यक्षेत्र में भी हुए हैं। इन अवर अभियंताओं ने सरकार और प्राधिकरण को अरबो रुपए की के राजस्व की चोट पहुंचाई है। लेकिन योगीराज में तो ऐसा लगता है कि अब जीरो टॉलरेंस नीति समाप्त हो चुकी है तभी तो सरकार के राजस्व को क्षति पहुंचाकर कर बिल्डरों की जेब भरवाने वाले अवर अभियंताओं की मौज है बल्ले बल्ले है सिर्फ प्राधिकरण के वीसी ने उनके कार्यक्षेत्र की अदला-बदली करके अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर ली है।

सचिव, अपर सचिव और प्रवर्तन प्रभारियों से क्या होगी राजस्व की वसूली?

कानपुर विकास प्राधिकरण के जिम्मेदार प्रवर्तन के अवर अभियंता और सुपरवाइजर जिस समय प्राधिकरण के राजस्व को क्षति पहुंचा रहे थे उस समय सचिव, अपर सचिव और उनके प्रवर्तन प्रभारी सहायक अभियंता क्यों गांधारी रूपी पट्टी बांधे हुए थे इसकी भी जांच होना नितांत आवश्यक है। प्राधिकरण के राजस्व को क्षति पहुंचाने में जितने दोषी अवर अभियंता और सुपरवाइजर है उतने ही दोषी वह लोग भी हैं जिन्हें सचिव अपर सचिव और प्रवर्तन प्रभारी के नाम से जाना जाता है। इसीलिए तो सब एक दूसरे के पूरक हैं और सभी एक दूसरे को बचाने में लगे हुए रहते हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी आएगा जब इन लोगों को इस मामले में शासन प्रशासन दंडित करेगा और इनसे जो राजस्व की क्षति हुई है इनकी सैलरी से इसकी वसूली होगी।

एंबुलेंस संचालक बिना रजिस्ट्रेशन के चला रहा अस्पताल

✳ मासूम बच्चों की जिंदगी के साथ कर रहा है खिलवाड़

जन एक्सप्रेस । अंकित चौधरी

कानपुर नगर। कल्याणपुर में सैकड़ों अस्पताल बिना मानक और रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं जहां मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अस्पताल के काम में लाखों की कमाई का फायदा देखकर रोजाना नए नए अस्पताल खुल रहे हैं। एंबुलेंस चालक जो सरकारी अस्पतालों से मरीजों को बहला फुसला कर कल्याणपुर क्षेत्र के हॉस्पिटल में एडमिट कराते हैं। इसके एवज में उन्हें मोटी कमाई होती है। इसी लालच में अब मरीज ढोने वाले चालक अस्पताल संचालक बन बैठे हैं। ऐसा ही एक नया अस्पताल बेबी केयर कल्याणपुर में बिना रजिस्ट्रेशन और मानक के शुरू हुआ है जिसे एक एंबुलेंस चालक चला रहा है। देखने वाले बात यह है कि ऐसे अस्पताल किसके संरक्षण में खुल रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग क्या कर रहा है। जब कोई घटना घटित हो जाती है तब स्वास्थ विभाग नींद से जागता है।

कल्याणपुर क्षेत्र में फैला है अवैध अस्पतालों का मकड़जाल

हद तो यह है कि कल्याणपुर क्षेत्र में बिना पंजीकरण के कई निजी अस्पतालों का जाल फैला हुआ है पनकी रोड चौकी और इंदिरा नगर चौकी के आसपास वह सामने बिना पंजीकरण के नर्सिंग होम चल रहे हैं। इन निजी अस्पतालों के संचालकों की सेटिंग कानपुर के साथ ही आसपास जिलों के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज से काफी तगड़ी है जिस वजह से उनकी अवैध दुकान चलती है निजी अस्पतालों से कर्मचारियों को मोटा कमीशन पहुंचता है अवैधवा मानक के विपरीत चल रहे नित्य अस्पताल सबसे अधिक कल्याणपुर क्षेत्र में है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी

जन एक्सप्रेस अखबार के संवाददाता ने जब इस संबंध में एडिशनल सीएमओ सुबोध प्रकाश से बात की तो उन्होंने बताया है कि सभी कल्याणपुर के अस्पताल संचालक को निर्देश दिए गए हैं कि वह पंजीकरण के बाद यह अस्पताल का संचालन करें वरना आपके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा ।

सपाइयों ने बिठूर में पौधों का किया रोपण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कानपुर ग्रामीण की बिठूर विधान सभा के बिठूर टाउन एरिया ईश्वरी माता मन्दिर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर पीडीए पखवाड़ा के अन्तर्गत बृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिठूर नगर पंचायत ध्रुव नगर वार्ड 5 के पार्षद आदर्श द्विवेदी उर्फ विभू द्वारा किया गया था। जिसमें एक सभा का आयोजन गंगा आरती वा सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। अखिलेश यादव के दीर्घायु होने की कामना की गई ,और लोक सभा के चुनाव में समाजवाद पार्टी में दिए गए सहयोग जनता का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आने वाले समय में समाजवादी पार्टी का सहयोग करने की अपील की गई। जिसमें की मुख्य अतिथि बिठूर विधानसभा पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला जिला अध्यक्ष कानपुर ग्रामीण, शर्वेश यादव पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा, अर्चना रावल जिला अध्यक्ष कानपुर महिला सभा समाजवादी पार्टी, प्रदुम्न सिंह यादव जिला अध्यक्ष छात्र सभा कानपुर ग्रामीण, आदर्श द्विवेदीपार्षद बिठूर टाउन एरिया, पर्वेशिका शुक्ला पूर्व प्रत्याशी टाउन एरिया बिठूर, श्याम सुन्दर यादव जिला उपाध्यक्ष, शेलेंद यादव ब्लाक अध्यक्ष शिवराजपुर, प्रदीप यादव जिला सचिव अजीत यादव जिला सचिव, राम शुक्ला आशीष तिवारी रामप्रकाश सोलू यादव, रामसजीवन गौड़ गोलू यादव, दीपक गौड़, बाल मुकुंद यादव, पिंटू शुक्ला, राजेन्द्र गौड़ आदि लोग उपस्थित रहे।

शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य का किया गया परिक्षण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 के मंडलाध्यक्ष रो नीरव निमेष के आह्ववान पर पूरे डिस्ट्रिक्ट में आरोग्यम कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चो के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का अभियान 1 जुलाई से 21 जुलाई चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत रोटरी क्लब कानपुर आर्यन्स द्वारा दो द्विवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जुगल देवी सरस्वती शिशु मंदिर, दीन दयाल नगर में लगाया गया। इस शिविर में बच्चो के सामान्य स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा है। इस दो द्विवसीय परीक्षण शिविर का उदघाटन क्लब के चार्टर अध्यक्ष डॉ.भक्ति विजय शुक्ला, अध्यक्ष डॉ. बी यन आचार्य तथा जुगल देवी सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्य विजय श्री ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस स्वास्थ्य शिविर में लंबाई, वजन, दांत, आंख और हेमोप्लोबिन का परीक्षण किया जा रहा है। डॉ. भक्ति विजय ने बताया कि आज के कार्यक्रम में 170 बच्चो की आंखों का, दांतो का तथा सामान्य स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। इस परीक्षण में 20 से 22 प्रतिशत बच्चो की आंखों में 15 से 18 प्रतिशत दांत से संबंधित समस्या, 8 से 10 प्रतिशत वजन तथा हेमोप्लोबिन से संबंधित समस्या से ग्रसित पाए गए। इस दो द्विवसीय स्वास्थ्य शिविर में डॉ. डी के यादव, डॉ. आर यस यादव,क्लब अध्यक्ष डॉ. बी यन आचार्य, डॉ. एस के निगम, दंत चिकित्सक डॉ.प्रियंका दीक्षित, आंखों की जांच सेंटर फॉर साइट की टीम में डॉ. विशाल सक्सेना, अभिनव कौशल, अनुराग तिवारी, आलोक सचान आदि रहे । इस परीक्षण शिविर में माँ भगवती मेमोरियल चैरिटेबल सोसायटी की सचिव अनुराधा सिंह का सहयोग रहा। इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में क्लब के अध्यक्ष डॉ. बी यन आचार्य सचिव गोपाल शुक्ला प्रचार गुरु, निवर्तमान अध्यक्ष राजीव कटियार क्लब चार्टर अध्यक्ष डॉ. भक्ति विजय शुक्ला चार्टर सचिव मयंक गहोई आदि मौजूद रहे।

कुशाग्र हन्याकांड के आरोपियों पर धमकाने का आरोप

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड के मामले में कुशाग्र के परिजनों को कोर्ट परिसर में धमकाने का मामला सामने आया है जहां कुशाग्र के चाचा सुमित कनौडिया और पिता मनीष कनौडिया का आरोप है कि पेशी के दौरान आरोपी प्रभात के चाचा और पिता ने कोर्ट परिसर में उनको धमका कर उनके संग गाली गलौज की है। इस बात को लेकर कुशाग्र के चाचा सुमित कनौडिया ने एडिशनल सी.पी. हरिश चन्दर से न्याय कि गुहार लगायी है जिसमें एडिशनल सीपी द्वारा संज्ञान में लेकर थाना कोतवाली को मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। ज्ञातव्य हो कि नवंबर 2023 में कानपुर के रायपुरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत 10वीं के छात्र की अपहरण के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई थी इस हत्याकांड में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता उसके प्रेमी प्रभात और एक साथी आर्यन को जेल भेजा था। कुशाग्र के चाचा सुमित कनौडिया ने बताया कि एक तो परिवार में उनका चिराग खत्म हो गया और प्रभात के चाचा और पिता के द्वारा अब धमकियां भी मिल रही है।

कृषकों को बताई धान उन्नत खेती की तकनीकी विधियां

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

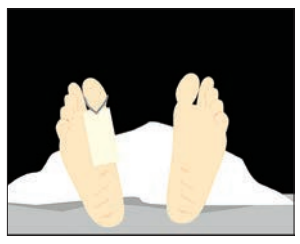

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार को कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने ग्राम कुंदनपुर के कृषकों के खेतों का दौरा कर धान की उन्नत खेती की तकनीकी विधियां बताई। वैज्ञानिकों ने प्रगतिशील किसान सुंदर सिंह चौहान के खेत में खड़ी धान की नर्सरी का अवलोकन कर कहा कि धान की फसल में ज्यादातर जिंक आदि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे खैरा रोग होता है। इसकी पूर्ति के लिये उन्होंने धान की रोपाई के समय एक एकड़ धान में 10 किलो जिंक सल्फेट का प्रयोग करने की सलाह दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि धान की रोपाई के 20 से 25 दिनों के दौरान पौधों को सबसे अधिक पोषण की आवश्यकता होती है इस समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 10 किलोग्राम जिंक का मिश्रण अवश्य प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने किसानों को पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए समय-समय पर जैविक खादें या एंजाइम्स डालने की बात कही ।इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह,गृह वैज्ञानिक डॉं. निमिषा अवस्थी तथा प्रगतिशील किसान सुंदर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल में राजेन्द्र गुप्ता को मिली वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

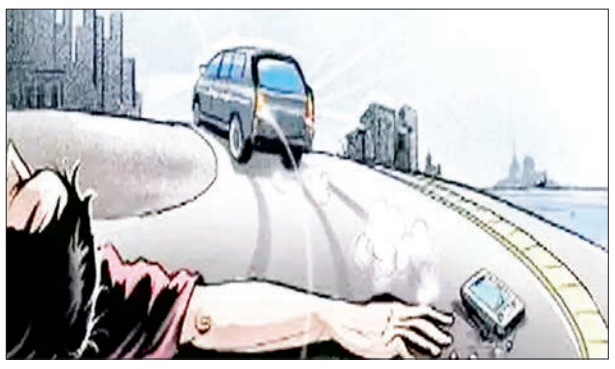

सोमवार को कानपुर उद्योग व्यापार मंडल कंछल गुट के तत्वावधान में विजय कॉन्टिनेंटल में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह व मनोनयन पत्र वितरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपने अपने पद की शपथ दिलाई व सांसद द्वारा सभी पदाधिकरियों को मनोनयन पत्र वितरण किए गए। इस मौके पर पदाधिकारियों ने व्यापारियों वा उद्यमियों के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करने का संकल्प भी लिया। इस कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारी संरक्षक प्रमोद जायसवाल शहर अध्यक्ष शैल शुक्ला, महामंत्री अनूप तिवारी, मोहम्मद कलीम उपाध्यक्ष, दीपक मिश्रा मंत्री, उज्जवल, त्रिवेदी, बाबू दीक्षित, विनोद कुमार गुप्ता,अमित शुक्ला, रजनीश सिंह, कृष्णा तिवारी, योगेंद्र नाथ जानी बाजपेई आदि लोग उपस्थित थे। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर राजेंद्र गुप्ता एडवोकेट को मनोनित किया गया है।

केस्को की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की समस्याओं का हुआ समाधान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। सोमवार को उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग द्वारा केस्को के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये नये टैरिफ, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये वार्षिक परफारमेन्स रिव्यू तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 के टू-अप पिटीशन पर जन सुनवाई अरविन्द कुमार, अध्यक्ष उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग द्वारा द स्पोर्ट हब पालिका स्टेडियम, आर्य न में आयोजित की गयी। इस जन-सुनवाई में नगर के लगभग 400 से 500 विद्युत उपभोक्ताओं एवं उद्योग तथा व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस जन-सुनवाई में सैमुअल पॉल एन. प्रबन्ध निदेशक, द्वारा केस्को में हो रहे कार्यों का विवरण, 24×7 घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु किये जा रहे प्रयासों के साथ-साथ उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने तथा केस्को के की परफॉरमेन्स इण्डिकेटर्स (वाणिज्यक तथा तकनीकी आकड़ों) का प्रस्तुतिकरण किया गया। अध्यक्ष ने विद्युत उपभोक्ताओं की विविध प्रकार की विद्युत शिकायतों को सुना तथा त्वरित निस्तारण हेतु केस्को के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।

पोल्ट्री फार्म के मजदूर की छत से गिरकर मौत

जन एक्सप्रेस । कोमल सिंह

चौबेपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव सड़क किनारे स्थित गेरा पोल्ट्री फार्म में बीती रविवार की रात छत से गिरकर मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मजदूर की गिरने की सूचना मिलते ही पोल्ट्री फार्म का प्रशासन हरकत में आया और बिना पुलिस को सूचना दिये मजदूर को पहले चौबेपुर स्थित निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए जहां से हैलेट रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान मजदूर ने दम तोड़ दिया। सूत्रों के मुताबिक बिहार का रहने वाला कृष्णा पासवान उम्र 45 वर्ष अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ किशनपुर स्थित गेरा पोल्ट्री फॉर्म में बीते कई वर्षों से काम कर रहा था। पोल्ट्री फार्म में काम करने वाले वर्करो ने बताया कि रविवार की रात करीब 11:30 बजे कृष्णा पासवान पोल्ट्री फार्म के ऊपर टहल रहा था कि तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। नीचे गिरने से उसके सर में गंभीर चोट लग गई। आनन-फानन में पोल्ट्री फार्म के प्रशासन द्वारा उसे स्थानीय नीति अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया जहां से उसे गंभीर हालत में हैलेट रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान हेलमेट में ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मजे की बात तो यह है कि पोल्ट्री फार्म के प्रशासन ने पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी। ऐसा पहला वाक्य नहीं है जब पोल्ट्री फार्म में इस तरीके की घटना हुई हो।

हिट एंड रन के एक मामले ने मासूम बच्चों से छीन ली उनकी मां

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

थाना रावतपुर के क्षेत्र के केशव पुरम में शनिवार देर शाम घर के बाहर फुटपाथ पर खड़ी महिला को तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मार दी जिस कारण महिला दूर जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला का पैर तीन जगह से फैक्कर हो गया वहीं अंदरुनी गंभीर चोटे आई थीं। परिजन घायल महिला को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने हैलट भेजा,इसके बाद कल्याणपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह महिला की मौत हो गई। महिला की मौत होने के बाद परिजनों ने शव रखकर हंगामा भी काटा, पुलिस के द्वारा कार्रवाई किए जाने की बात कहने पर हंगामा शान्त हुआ, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना रावतपुर भूतेश्वर मंदिर निवासी मृतका के पति सोनू पासवान ने बताया कि शनिवार रात 8 बजे पत्नी मीना पासवान(33) घर के बाहर खड़ी थी तभी स्कॉट वर्ल्ड स्कूल की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी इसे पत्नी दूर जा गिरी आनन फानन में आरोपी की कार से पत्नी को अनुराग हॉस्पिटल लेकर गए जहां पुलिस भी पहुंची थी लेकिन पुलिस ने आरोपी सुधीर सिंह को गिरफ्तार नहीं किया और आरोपी बिना इलाज कराए अस्पताल से मौके से भाग गया। हालत गंभीर होने पर हैलट लेकर गए जहां से कल्याणपुर के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया इलाज के दौरान आज पत्नी की मौत हो गई। डॉक्टर ने बताया था कि टक्कर से उनकी पत्नी के पेट में गंभीर चोट आई है। आंत फट गई है उनकी हालत गंभीर है।

प्रधानमंत्री रोजगार मेले ने दिलाया 76 विद्यार्थियों को अप्रेंटिस का मौका

जन एक्सप्रेस । प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। राजकीय आईटीआई पाण्डु नगर कानपुर में नोडल प्रधानाचार्य अमित कुमार पटेल के नेतृत्व में सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया। मेले में आयी 12 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा प्रतिभागी 226 विद्यार्थियों मे से कुल 76 विद्यार्थियों का चयन साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से किया गया जिन्हें अप्रेंटिसशिप के लिए विभिन्न कंपनियों में अवसर प्रदान किए गए। इसके साथ ही कुल 24 बच्चे जॉनसन लिफ्ट प्राइवेट लिमिटेड नोएडा, 28 बच्चे हीरो मोटो कॉर्प राजस्थान में चयनित हुए। कानपुर और बाहर कि कंपनियों द्वारा कुल 128 बच्चे चयनित किये गये। इस अवसर पर मेला प्रभारी प्रधानाचार्य मयंक मिश्रा, सह प्रभारी श्रवण शुक्ल, अप्रेंटिस प्रभारी अजय कुमार द्विवेदी, और अमित दीक्षित, विभव शुक्ला, प्रमोद पाण्डेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नोडल प्रधानाचार्य ने बताया कि कल दिनांक 9 जुलाई को राजकीय आईटीआई पाण्डु नगर कानपुर में हीरो मोटोकॉर्प निमराना राजस्थान आएगी जो महिला और पुरुष दोनो का चयन अप्रेंटिस/ रोज़गार के लिए करेगी।

बाबू जगजीवन राम को श्रद्धांजलि दे कांग्रेसियों ने उनके जीवन पर डाला प्रकाश

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर कॉंग्रेस कमेटी के द्वारा चन्द्र नगर, भदौरिया चौराहे के समीप एकत्र हो बाबू जगजीवन राम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके किये कामो को याद किया गया।
पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा ने कहा वर्ष 1946 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में गठित प्रथम लोकसभा में बाबूजी ने श्रम मंत्री के रूप में देश की सेवा की व अगले तीन दशकों तक कांग्रेस मंत्रिमंडल की शोभा बढ़ाई
कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमित पाण्डेय, कृपेश त्रिपाठी, संदीप शुक्ला, पवन गुप्ता, सतीश दीक्षित, निजामुद्दीन खान, इखलाक अहमद डेविड, इकबाल अहमद, बूटा सिंह, अतहर नईम, जीशान अंसारी, मोहम्मद रफीक, आनंद मेहरोत्रा, वीरेन्द्र चतुर्वेदी, विजय नारायण शुक्ला, मोहित दीक्षित, बैतुल खान मेवाती, भूपेन्द्र सिंह, बंटू बाजपेई, नफीस अहमद, आशुतोष त्रिपाठी, सुशील मिश्रा, दिनेश दीक्षित, मानेश दीक्षित, राजेश द्विवेदी, राहुल कठेरिया, राकेश शुक्ला, आदित्य मिश्रा, संजय शिखर, जितेन्द्र ब्रह्म, धर्मेन्द्र भारती, रीता सिंह आदि उपस्थित थे।

राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाईसी का कार्य ई-पॉस के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं के सहयोग से निशुल्क कराएं: नीतीश कुमार

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को अवगत कराया है कि राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाईसी कराये जाने का अभियान माह जून, 2024 से चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिये राशन कार्ड के समस्त सदस्यों का सहयोग नितान्त आवश्यक है। राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाईसी का कार्य ई-पॉस के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं के सहयोग से निःशुल्क कराया जा रहा है, लाभार्थी अपनी निकटतम किसी भी उचित दर दुकान पर जाकर ई-केवाईसी करा सकते हैं। ई-केवाईसी हेतु राशन कार्ड में सम्मिलित समस्त सदस्यों का बायोमेट्रिक ऑथेन्टिकेशन किया जायेगा। ई-केवाईसी के साथ इस विकल्प के अन्तर्गत राशनकार्ड से मोबाइल नम्बर जोड़े जाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग राशनकार्ड मुखिया द्वारा करते हुये मोबाइल नम्बर फीड/संशोधित किया जा सकेगा। इस मोबाइल नम्बर पर कार्ड पर प्राप्त होने वाले राशन का विवरण एसएमएस द्वारा प्राप्त होगा। उक्त के अतिरिक्त यदि किसी राशन कार्ड में मुखिया से परिवार जन का सम्बन्ध गलत प्रदर्शित है, तो उसे भी सुधारा जा सकेगा। इस संशोधन का अधिकार भी केवल राशन कार्ड के मुखिया का होगा। जनपद के समस्त राशन कार्ड परिवार से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उचित दर दुकानों पर पहुंचकर अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उक्त जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी अयोध्या ने दी है।

डिजिटलाइजेशन के नाम पर शिक्षकों का शोषण स्वीकार्य नहीं: धीरेन्द्र प्रताप सिंह

जन एक्सप्रेस । अमेठी

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जनपद अमेठी के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि डिजिटलाइजेशन के नाम पर शिक्षकों का शोषण स्वीकार नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सोमवार को सभी शिक्षकों ने विद्यालय में उपस्थित होकर विरोध स्वरूप हाथ में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया।बताते चलें कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में शिक्षक, शिक्षिकाओं से पंजिकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल उपस्थिति पन्द्रह जुलाई से कराये जाने सम्बन्धी आदेश महानिदेशक द्वारा पूर्व दिया गया था।जबकि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिकशिक्षक संघ द्वारा विगत वर्षों से शिक्षकों की मूलभूत समस्याओं को लेकर शासन व विभागीय अधिकारियों से समाधान व निस्तारण हेतु अनुरोध किया जा रहा है।परन्तु अद्यतन समस्याओं का निस्तारण नही किया गया है। महानिदेशक द्वारा पुनः=आठ जुलाई से शिक्षकों को आनलाइन उपस्थिति देने का आदेश दिया गया है।जिसका उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने मुख्यमंत्री एवं समस्त अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर आनलाइन उपस्थिति का सामूहिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया।प्रदेश अध्यक्ष ने यह निर्देश सभी पदाधिकारियों व शिक्षकों को दिया है।इसक्रम में प्रदेश के सभी शिक्षकों ने विद्यालय में उपस्थित होकर,विरोध स्वरूप हाथ में काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य किया।कम्पोजिट विद्यालय भेलाई कला तिलोई में धीरेन्द्र प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष सहित समस्त शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर विरोध जताया। प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया प्यारह जुलाई को प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को प्रेषित करेगा। जनपद में भी धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अमेठी के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारी व शिक्षक जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित करेगा।उन्होंने ने बताया आन लाइन उपस्थिति का बहिष्कार कार्यक्रम सफल रहा।प्रदेश के छः लाख शिक्षकों में से मात्र नौ शिक्षकों ने आन लाइन उपस्थिति अंकित किया।यह बहिष्कार चौदह जुलाई तक चलेगा।इसके बाद प्रान्तीय नेतृत्व के निर्देशानुसार शिक्षक आन्दोलन, धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।श्रीराम सोनी महामंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षकसंघ अमेठी ने सभी शिक्षकों का आवाहन करते हुए कहा कि प्यारह जुलाई को कलेक्ट्रेट में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनायें।

पत्रकार समाज में व्याप्त समस्याओं की सच्चाई को उजागर करने का महत्वपूर्ण कार्य: शशि प्रभा सिंह

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस पत्रकार संगठन का तीसरा स्थापना दिवस मुख्य कार्यालय क्षेत्र के शगुन मैरिज लॉन में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में युवा भाजपा नेत्री शशि प्रभा सिंह, जो दीदी के नाम से प्रसिद्ध हैं, उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.एन. विश्वकर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव संदीप यादव शशि प्रभा सिंह को श्री राम जन्मभूमि प्रतीक चिन्ह अंग वस्त्र भेंट किया गया। शशि प्रभा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज में व्याप्त समस्याओं की सच्चाई को उजागर करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद पत्रकार साथी जिस निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने यह भी बताया कि जैसे संगठन का तीसरा स्थापना दिवस है, वैसे ही उनका भी प्रधानी का तीसरा कार्यकाल है।प्रदेश सचिव संदीप यादव ने कहा कि संगठन पीड़ित पत्रकारों के लिए 24 घंटे सक्रिय रहता है और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए तत्पर रहता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.एन. विश्वकर्मा ने संगठन के सांगठनिक ढांचे की जानकारी दी और बताया कि संगठन 17 राज्यों में सक्रिय है तथा उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों में पत्रकारों के उत्पीड़न की समस्याओं के निदान के लिए निरंतर कार्यरत है कार्यक्रम में अन्य प्रमुख पत्रकार साथी जैसे अशोक कुमार तिवारी, संदीप तिवारी, टी.डी. सिंह, भगवती गुप्ता, रामलाल शर्मा, अमर बहादुर, राम निहाल, संतोष साहू, अमित पांडेय, समेत कई लोग उपस्थित रहे। वही दीदी शशि प्रभा ने संगठन को आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

प्रत्येक रविवार को बेजुबान जानवरों को भोजन कराकर हमदर्द बने: बसंत राम

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

मां शांति सेवा फाउंडेशन बेनीगंज द्वारा प्रत्येक रविवार को बेजुबान जानवरों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। संरक्षक बसंत राम के नेतृत्व में संस्था टीम अध्यक्ष नेहा कुमारी ,कार्यकारी अध्यक्ष प्रज्ञा श्रीवास्तव ने भोजन व्यवस्था की कमान संभालते हुए बेजुबान जानवरों को भोजन कराया। संस्थापक अध्यक्ष बसंत राम ने बताया कि संस्था सामाजिक कार्य कई वर्षों से कर रहा है इससे पहले भी बेजुबानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी लेकिन इस सत्र में प्रत्येक रविवार को बेजुबानों को भोजन की व्यवस्था करने का जिम्मा उठाया गया अयोध्या तीर्थ स्थल पर हजारों हजार श्रद्धालु बेजुबान जानवर को भोजन कराते हैं लेकिन अयोध्या कैंट के क्षेत्रों में अत्यधिक बंदर एवं अन्य जानवर है जिनके प्रति भाव लोगों में कम दिख रही है ऐसे में संस्था ने फैजाबाद अयोध्या कैंट क्षेत्र में चुनकर भोजन व्यवस्था कराने का निश्चय किया। अक्सर लोग जानवरों को मारते हैं पीटते हैं भोजन की व्यवस्था नहीं होती है ऐसे में जानवर आक्रामक होते जा रहे हैं मनुष्य पैसे से भोजन खा सकता है लेकिन जानवरों को पैसे के बारे में नहीं मालूम ऐसे में सभी व्यक्ति को अपने-अपने क्षेत्र में बेजुबानों के लिए भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए यही मानव का कर्तव्य है। संस्था सहयोगी संदीप मध्यान्ह ने भावनात्मक बात कही कि जानवर आक्रामक नहीं होता इंसान आक्रामक हो गए हैं इंसान ही बेजुबान जानवरों का स्थान छीनता जा रहा है विकास के दौर में बेजुबानों के स्थान जंगल एवं शहर के अत्यधिक पेड़ कट गए जिससे उनके भोजन और खेलने कूदने का स्थान खत्म होता जा रहा है हमें बेजुबानों के लिए सोचना चाहिए। प्रज्ञा श्रीवास्तव ने बताया कि हमारी संस्था समाज सेवा निस्वार्थ भाव से निष्ठापूर्वक कार्य कर रही है और आगे भी हम सब मिलकर सामर्थ्य के अनुसार बेजुबानों को भोजन व्यवस्था एवं सेवा में तत्पर रहेंगे। अध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि संस्था शोषित पीड़ित जनमानव के साथ बेजुबानों के लिए भी संस्था टीम सेवा के लिए अग्रसर है और सदैव तत्पर रहेगी जिन लोगों ने सहयोग किया है और जो लोग सेवा सहयोग मे उपस्थित रहे मैं सभी का आभार प्रकट करती हूं और सभी का सदैव सहयोग मिल रहता रहेगा।

एसपीएस त्रिपुरा में वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

शहर के त्रिपुला स्थित न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपूला में बीती 1 जुलाई से मनाया जा रहे वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया आयोजित कार्यक्रमों में लीफ पेंटिंग पौधों की पेंटिंग स्व निर्मित गमले में पौधारोपण और उन पौधों को पौधों की उपयोगिता के संबंध में वक्तव्य सहित जंगलों को बचाने के उपाय और जरूरत के संबंध में चित्रकला पोस्टर कविताएं स्लोगन के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं में अपना प्रतिभाग किया इतना ही नहीं छात्र-छात्राओं ने पेड़ों की मानव प्रकृति बनाकर वन महोत्सव सप्ताह की सार्थकता प्रदर्शित प्रधानाचार्य शिव लखन प्रजापति ने बताया विद्यालय में वन महोत्सव सप्ताह मनाया गया प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर उन्हें ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में वन संरक्षण एवं पेड़ों की उपयोगिता के संबंध में बताया गया साथ ही विद्यालय में वृक्षारोपण में किया गया।

डीएम ने कार्यालय उपकृषि निदेशक एवं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का किया आकस्मिक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत द्वारा सोमवार को कार्यालय उप कृषि निदेशक एवं जनपद स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।जिलाधिकारी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि प्रकोष्ठ,कक्ष के निरीक्षण के दौरान उप कृषि निदेशक अमेठी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 303923 कृषक पंजीकृत हैं।जिसमें से 224154 किसानों का भूलेख अंकन,ईकेवाईसी एवं आधार सीडिंग का कार्य पूर्ण कराया गया है।अवशेष किसानों के प्रकरण में लम्बित कार्यों भूलेख अंकन,ईकेवाईसी एवं आधार सीडिंग को पूर्ण कराये जाने का कार्य हो रहा है।पीएम किसान प्रकोष्ठ में उपलब्ध शिकायती पंजिका का अवलोकन करते हुये डीएम द्वारा निर्देशित किया गया कि अपात्रता की स्थिति में संबंधित किसान की अपात्रता की स्थिति का अंकन अवश्य किया जाय।तथा ओपेन सोर्स के माध्यम से लम्बित 1842 आवेदन को नियमानुसार तीन दिन में निस्तारित किया जाय। कार्यालय के सभागार से लगे हुये भण्डार कक्ष के निरीक्षण के समय भण्डार कक्ष में साफ सफाई कराये जाने एवं सामग्रियों को व्यवस्थित रूप से रखने हेतु निर्देशित किया गया।डीएम ने कार्यालय के स्थापना कक्ष में उपस्थित लिपिक से जनपद में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर लेखा कक्ष में उपस्थित पटल प्रभारी से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली एवं तिलहन योजना आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली।जिस पर उप कृषि निदेशक द्वारा कृषि यन्त्रों पर मिलने वाले अनुदान की प्रकिया ई लॉटरी के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।साथ ही जिलाधिकारी द्वारा जनपदीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया।उन्होंने प्रयोगशाला में उपस्थित अध्यक्ष,मृदा परीक्षण प्रयोगशाला से पीएच मान, नाइट्रोजन फास्फोरस, विद्युतचालकता जैविक कार्बन एवं पोटाश आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुये जांच विधि के सम्बन्ध में प्रयोगशाला में पोस्टर चस्पा कराये जाने हेतु निर्देशित किया।तथा अनुपस्थित संविदाकर्मी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु उप कृषि निदेशक अमेठी को निर्देशित किया।जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय के बाहर वृहद वृक्षारोपण कराते हुये साफ सफाई कराये जाने को कहा गया।

✳ 'पीएम किसान प्रकोष्ठ में लंबित 1842 आवेदन को तीन दिन में निस्तारित किया जाए'

कांग्रेस के प्रदेश सचिव ने किया पौधरोपण और सुनी समस्याएं

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली ऊंचाहार के पूर्व प्रत्याशी अतुल सिंह ने नवाबगंज,बनिया का पुरवा,हेवतहा नेवढ़िया,पूरे पंडित का पुरवा,पूरे पासिन,जमोड़ी,उड़वा आदि गांवों में कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अतुल सिंह ने पौधरोपण किया एवं चौपाल व जनसंपर्क कर लोगों की समस्याएं सुनी। श्री सिंह ने राहुल गांधी जी को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए शुभकामनाएं दी एवं आभार व्यक्त किया। श्री सिंह ने कहा कि पौधरोपण ज़्यादा से ज़्यादा करना चाहिए जिससे कि पर्यावरण को बचाया जा सके। श्री सिंह ने कहा कि गाँवों की सड़कें टूटी हुई है,इसको कोई देखने वाला नहीं है। छुट्टा जानवर किसानों की फ़सल नष्ट कर रहे हैं,यहाँ के विधायक से कोई लेना देना नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि राहुल गाँधी जी देश की एकता व अखंडता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान को बचाने के लिए राहुल गाँधी ज़ी लगातार संघर्ष कर रहे हैं। मोदी सरकार ने सिर्फ योजनाओ के नाम बदलने का काम किया है,विकास से कोई लेना देना नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि ऊंचाहार की जनता के साथ हर सुख दुख में हमेशा खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सचिव शैलेंद्र सिंह,सचिव आलोक यादव,रामदत्त पांडेय, कप्तान सिंह,ओ.पी मौर्य, जगदीश कुरील, मोहम्मद कयूम, अंतिम मौर्य, रवि कुमार, गोलू अग्रहरि, राम बहादुर यादव, देवेंद्र यादव, बबलू यादव, राजेश मौर्या, रवि सिंह, छत्रपाल यादव,गुड्डू विश्वकर्मा, अनिल चौरसिया, राहुल श्रीवास्तव, इसरार अली, राम प्रसाद सरोज़, राम खेलावन सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

पटरी दुकानदारों पर रायबरेली नगर पालिका ढा रही सितम

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

✳ कांग्रेस नगर पालिका अध्यक्ष को कोसते नजर आए पटरी दुकानदार

✳ विधायक प्रतिनिधि ने कहा पहले शहर के प्रमुख चौराहों से अतिक्रमण हटाया जाए

रायबरेली शहर में अमृत योजना के द्वारा सीवर लाइन डालने का काम पूरे शहर को नर्क बनाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ लिखा पढ़ी करने के बजाय किसी असर दार व्यक्ति की शिकायत पर गरीब पटरी दुकानदारों पर नगर पालिका अध्यक्ष मेहरबान है गरीबों के सितम ढा ने का ठेका ले लिया है बताते चले शहर के शांति क्षेत्र मनिका रोड के किनारे पटरी पर दुकान लगाकर परिवार चलाने वाले गरीब दुकानदारों को हटाने के लिए शनिवार को क्षेत्रीय निरीक्षक सौरभ शुक्ला के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम पहुंच गई जो पिछले एक सप्ताह से गरीब दुकानदारों को ठिकाने लगाने की साजिश में लगे थे पटरी दुकानदारों के मुताबिक किसी असर दार व्यक्ति के शिकायत करने पर नगर पालिका नियम कानून का हवाला देकर उनकी रोजी-रोटी छीन रही है दुकान हटाने की सूचना क्षेत्रीय सभासद नूरजहां पत्नी स्वर्गीय नाजिम अली को दी मौके पर पहुंची सभासद ने इसकी सूचना जानकारी सदर विधायिका को दी जिस पर मौके पर पहुंचे विधायक प्रतिनिधि कमल श्रीवास्तव ने बिना किसी आदेश के गरीब दुकानदारों को हटाए जाने पर पहुंची टीम को जमकर फटकार लगाइ और कहा कि तुम लोग विधायक की भी नहीं सुनते हो फोन पर बात करने पर फोन नहीं उठाते हो काट देते हो यह गरीबों की बस्ती है यहां दुकान नहीं हटाई जायेंगी पहले शहर के प्रमुख चौराहों से अतिक्रमण हटाया जाए जहां रोज प्रतिदिन घंटो जाम लगा रहता है विधायक प्रतिनिधि के इतना कहते ही नगर पालिका निरीक्षक सौरभ शुक्ला को अपनी टीम के साथ वापस लौटना पड़ा।

ऑनलाइन हाजिरी के खिलाफ आरएसएम ने खोला मोर्चा, मांग न पूरी होने तक करेंगे विरोध

✳ डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति आदेश के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

✳ समस्याओं के समाधान उपरांत ही लागू हो डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था

✳ हजारों शिक्षक ने कहा कि हम स्वीकार नहीं करेंगे ऑनलाइन हाजिरी

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

ऑनलाइन हाजिरी और डिजिटलाइजेशन के खिलाफ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने जिला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन किया। प्रदेशीय आवाह्न पर जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हजारों शिक्षकों की मौजूदगी में डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदेश संगठन मंत्री शिवशंकर सिंह ने कहा कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा 8 जुलाई से पंजिकाओं का डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति देने का आदेश निर्गत किया गया है जो कि तुगलकी फरमान है। विभागीय अधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हकीकत जाने ही इस प्रकार के अव्यवहारिक आदेश करते रहते हैं, जिनमें आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना उसको लागू करा पाना संभव ही नहीं है। जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह और जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा कई बार महानिदेशक स्कूल शिक्षा को ज्ञापन सौंपकर डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं को दूर करने की मांग की गई थी। जिला महामंत्री संजय कनौजिया ने कहा कि 14 मार्च 2024 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय में धरना भी किया गया था। तब महानिदेशक द्वारा संगठन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया था कि डिजिटाइजेशन से जुड़ी मौलिक समस्याओं के निस्तारण के पश्चात ही इसे लागू किया जाएगा। किंतु मांगे पूरी नहीं की गई। जिला संगठन मंत्री मधुकर सिंह ने कहा कि विभागीय अधिकारी दमन पूर्वक डिजिटाइजेशन/ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है। जिला कोषाध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य ने कहा कि महासंघ विभागीय व सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग रहकर छात्र हित व शिक्षा हित में इस आदेश का बहिष्कार कर रहा है। जिला संयुक्त महामंत्री हरिमोहन यादव और ऑडिटर अनुराग सिंह ने कहा कि प्रमुख समस्याओं का समाधान किये बिना ही विभागीय अधिकारियों द्वारा भय का वातावरण बनाकर डिजिटलाइजेशन /ऑनलाइन उपस्थिति (फेस रिकग्निशन) की व्यवस्था केवल बेसिक शिक्षा विभाग में ही लागू की जा रही है। इससे पूरे प्रदेश का शिक्षक समाज स्वयं को अपमानित एवं ठगा महसूस कर रहा है। शिक्षकों में शासन व विभाग के प्रति व्यापक आक्रोश है। विशाल प्रदर्शन का संचालन रणविजय सिंह गंगापारी ने किया। ज्ञापन सौंपने वालों में वीरेन्द्र चौधरी, जयकरन, सुनीता चौधरी, शशिदेवी, पुष्पलता पाण्डेय, प्रतिमा सिंह, अनूप सिंह, हरिशरण मौर्य, दिनेश प्रताप सिंह, अनुराग मिश्रा, आशुतोष शुक्ल, वेद प्रकाश यादव, आशुतोष मौर्या, संजय सिंह, राकेश गौतम, बृजेन्द्र कुमार, रामेश्वर, अवधेश कुमार, मोहित पटेल, रविन्द्र सिंह यादव, सुशील शुक्ला, पंकज सिंह, सुरेश यादव, कमलेश, सरोज कुमार, संदीप सिंह,विमला यादव, सुनीति सिंह, कविता गौतम, शालिनी सिंह, लोकतंत्र शुक्ला, राम भरत राजभर, शशि देवी, नीरज, धर्मेंद्र, अजय सहित हजारों शिक्षक उपस्थिति रहे।

शिक्षक संगठन की प्रमुख मांगें

- अन्य विभागों की भांति %हाफ डे लीव अवकाश% का दिया जाए।
- राज्य कर्मचारियों की भांति 30 ई.एल. या महाविद्यालयों के शिक्षकों की भांति पी.एल. दिया जाए।
- अन्य विभागों की भांति प्रतिकर अवकाश प्रदान किया जाए।
- मौसम की प्रतिकूलता व विभागीय कार्यक्रमों में प्रतिभाग हेतु बी.एस.ए. को ऑनलाइन उपस्थिति में शिथिलता का अधिकार दिया जाए।
- सर्वर क्रैश होने पर वैकल्पिक व्यवस्था का स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किया जाए। जी
- भेदभाव पूर्ण व शोषणकारी ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था को समाप्त कर अन्य विभागों की भांति ही उपस्थिति ली जाए।

महत्वपूर्ण सूचना

मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर जं. – लखनऊ एवं रोज़ा – सीतापुर सिटी डबल लाइन सेक्शन एवं रोज़ा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते प्री–नॉन–इंटरलॉकिंग एवं नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य के संबंध में दिनांक 05.07.2024 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में आंशिक संशोधन के साथ निम्नलिखित रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण/ मार्ग परिवर्तन/आंशिक निरस्तीकरण/पुनर्निधारण/विनियमन की तिथियों में परिवर्तन किया गया है, जो निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	निरस्त करने की तिथि(यां) (प्रारम्भिक स्टेशन से)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	03.08.2024 से 06.08.2024
22453 लखनऊ जं. – मेरठ सिटी राज्य रानी एक्सप्रेस	02.08.2024 से 05.08.2024

रेलगाड़ी का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग (वाया)	मार्ग परिवर्तन तिथि (याँ) (आरंभिक स्टेशन से)
15622 आनन्द विहार टर्मिनल – कामाख्या एक्सप्रेस	रामगंगा–रोज़ा–सीतापुर के बजाय रामगंगा–बरेली सिटी – पीलीभीत जं – सीतापुर	27.07.24 एवं 03.08.2024 के बजाय 26.07.24 एवं 02.08.24

रेलगाड़ियों की बहाली

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	बहाली करने की तिथि(यां) (प्रारम्भिक स्टेशन से)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	01.08.2024 एवं 02.08.2024
22453 लखनऊ जं. – मेरठ सिटी राज्य रानी एक्सप्रेस	31.07.2024 से 01.08.2024
14242 सहारनपुर जं. – प्रयागराज संगम नौचंडी एक्सप्रेस हापुड़ – मुरादाबाद – लखनऊ के बजाय वाया हापुड़ – खुर्जा जं. – कानपुर सेंट्रल – लखनऊ के रास्ते मार्ग परिवर्तन के साथ बहाली	23.07.2024 से 04.08.2024
14241 प्रयागराज संगम – सहारनपुर जं. नौचंडी एक्सप्रेस लखनऊ – मुरादाबाद – हापुड़ के बजाय वाया लखनऊ – कानपुर सेंट्रल – खुर्जा जं. – हापुड़ के रास्ते मार्ग परिवर्तन के साथ बहाली	23.07.2024 से 04.08.2024
14242 सहारनपुर जं. – प्रयागराज संगम नौचंडी एक्सप्रेस उचित मार्ग पर	05.08.2024
14241 प्रयागराज संगम – सहारनपुर जं. नौचंडी एक्सप्रेस उचित मार्ग पर	22.07.2024

रेलगाड़ियों का पुनर्निर्धारण

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	पुनर्निर्धारण रेलगाड़ियाँ (आरंभिक स्टेशन)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 01.08.2024 को मेरठ सिटी से 06:40 बजे के स्थान पर 08:55 बजे (135 मिनट की देरी से) प्रस्थान करेगी।
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 02.08.2024 को मेरठ सिटी से 06:40 बजे के स्थान पर 09:40 बजे (180 मिनट की देरी से) प्रस्थान करेगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | पर हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	34°C	28°C
कानपुर	34°C	28°C
देहरादून	32°C	26°C
नई दिल्ली	35°C	29°C

www.janexpresslive.com/epaper हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । लखनऊ । मंगलवार । 09 जुलाई 2024

कल से प्रदेश में थम सकती है बरसात, आज इन जिलों के लिए जारी हुआ भारी बारिश का अलर्ट

* यूपी में बारिश जारी है। करीब-करीब हर जिले में रोजना बरसात हो रही है
* मौसम विभाग के अनुसार बुधवार के बाद बारिश कुछ हद तक थम सकती है

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी में भारी बारिश का सिलसिला जारी है। आने वाले दिनों में प्रदेश में कम तीव्रता के साथ फिलहाल बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। बरेली में पिछले 24 घंटे के दौरान असाधारण रूप से प्रदेश में सर्वाधिक 460 मिमी. बारिश दर्ज की गई। वहीं पीलीभीत में 170 मिमी और खीरी में 110 मिमी बारिश हुई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार व बुधवार को प्रदेश में बारिश की तीव्रता, क्षेत्रफल और वितरण में कमी होने की संभावना जताई है। बुधवार के बाद से बारिश में कुछ कमी आ सकती है। हालांकि इसके साथ ही मंगलवार के लिए मौसम विभाग ने पूर्वी व पश्चिमी यूपी के कई इलाकों में गरज चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। इस दौरान कई इलाकों में रुक रुक कर बारिश होती रहेगी, बीच बीच में धूप होने से उमस भी बढ़ेगी।

इन जिलों में है भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने मंगलवार व बुधवार के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज आदि तराई इलाकों समेत देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, गोंडा, बलरामपुर आदि में भारी बारिश, वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंद शहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद व आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

राजधानी में कमजोर हुआ मानसून

राजधानी में मानसून के कमजोर पड़ने से सोमवार को आसमान में सिर्फ बादलों की आवाजाही रही। बारिश न होने, हवा में ह्यूमिडिटी और दिन भर धूप छांह की वजह से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा । मौसम विभाग की माने तो बारिश के लिए लोगों को फिलहाल दो दिन इंतजार करना पड़ सकता है।सोमवार को लखनऊ में पारे में 3.7 डिग्री उछाल के साथ अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 0.9 डिग्री बढ़ोत्तरी के साथ न्यूनतम तापमान में भी 25.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून द्रोणी के अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर खिसकने की वजह से लखनऊ में आज से अगले दो दिनों तक बारिश की तीव्रता व वितरण में कमी आने के आसार हैं।

शिक्षकों ने पूरे प्रदेश में किया डिजिटल अटेंडेंस का विरोध सात लाख टीचरों में महज 16 हजार ने लगाई हाजिरी

* प्राथमिक स्कूलों में सरकार द्वारा शुरू की गई डिजिटल अटेंडेंस का टीचरों ने तीखा विरोध किया।
* लाखों अध्यापकों के बीच में महज कुछ हजार ने ही हाजिरी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों-कर्मचारियों की सोमवार से शुरू हुई डिजिटल अटेंडेंस (टैबलेट पर चेहरा दिखाकर हाजिरी लगाने) की व्यवस्था का पूरे प्रदेश में व्यापक विरोध हुआ। एक तरफ जहां शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर कक्षाएं ली वहीं कई जिलों में विरोध-प्रदर्शन कर जिला मुख्यालय पर जाकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। पहले दिन मात्र दो फीसदी शिक्षकों ने डिजिटल अटेंडेंस लगाई। विभाग की ओर से आज से शुरू की गई डिजिटल अटेंडेंस व अन्य रजिस्टर के डिजिटाइजेशन के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर सभी जिला इकाइयों ने विरोध मार्च निकालकर जिला मुख्यालय गए और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया। शाहजहांपुर, बरेली, कुशीनगर, फतेहपुर आदि जिलों में शिक्षकों ने विरोध मार्च निकाला और इसमें काफी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। कुछ जिलों में स्कूलों में पानी भरा होने से भी दिक्कत आई। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि विभागीय अधिकारी वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बिना जमीनी हकीकत जाने बिना ही इस प्रकार के अव्यवहारिक आदेश करते रहते हैं। ताकि आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर किए बिना उसको लागू करा पाना संभव ही नहीं है। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन के बैनर तले भी शिक्षकों ने डिजिटल अटेंडेंस को तुगलकी फरमान बताते हुए विरोध किया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि शिक्षकों ने कहीं भी ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाई है। जब तक शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं होता, इसका विरोध जारी रहेगा। आज भी शिक्षकों ने काफी पट्टी बांधकर काम किया है और आगे भी एक सप्ताह लगातार विरोध जारी रखेंगे। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से विभिन्न जिलों में स्कूलों में विरोध प्रदर्शन कर और काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि सभी शिक्षक इस अव्यवहारिक निर्णय के विरोध में हैं। 14 जुलाई तक लगातार विरोध करेंगे। इसके बाद 15 जुलाई को हर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा ने कहा कि 15 के बाद आगे के आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश के 1.32 लाख से अधिक विद्यालयों में तैनात 6.9 लाख शिक्षकों में से पहले दिन 16015 ने डिजिटल अटेंडेंस लगाई है। हालांकि यह मात्र दो फीसदी है। इसके अनुसार बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर, महराजगंज, पीलीभीत समेत एक दर्जन से अधिक जिलों में यह जीरो फीसदी तो दो दर्जन से ज्यादा जिलों में मात्र एक फीसदी रही है। विभाग के अनुसार डिजिटल पंजिकाओं से शिक्षकों को सुविधा व समय की बचत होगी। मैनुअल रिकॉर्ड रखने की जरूरत नहीं होगी। पंजिकाओं के खोने व खराब होने की स्थिति नहीं होगी और डेटा सुरक्षित रहेगा।

हजरत उमर की शहादत के बाद इस्लाम के दुश्मनों ने कर्बला के शहीदों को शहीद कर दिया

जन एक्सप्रेस/ लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने अपने साथियों के साथ संगठन के कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मुहर्रम की पहली तारीख है, हजरत उमर फारूक ने दुआ की थी कि हे अल्लाह, मैं तेरी राह में शहीद हो जाऊं और तेरे पैगम्बर का शहर नसीब हो जाए। फज्र की नमाज के दौरान जब हजरत उमर ने तकबीर कहा तो एक माजूसी ने जो गुस्से में था एक तेज खंजर से हजरत उमर पर तीन बार वार किया और अमीर उल-मोमिनीन सैयद उमर फारूक ने कहा कि शहीद साथी हजरत उमर फारूक का जीवन धन्य हो गया पैगंबर मुहम्मद के दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक इस्लाम के लिए एक महान शख थे, और पैगंबर ने स्वयं उनके इस्लाम में प्रवेश के लिए प्रार्थना की थी, आपके इस्लाम स्वीकार करने से कमजोर मुसलमानों को बढ़ावा मिला और पैगंबर को स्वयं एक अद्वितीय मित्र मिला, उसने इस्लाम और मुसलमानों के लिए बहुत सारी आशीषें लाई, और इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद उसका जीवन इस्लाम के लिए समर्पित हो गया। आफाक ने कहा कि हजरत उमर की शहादत के बाद इस्लाम के दुश्मनों ने कर्बला के शहीदों को शहीद कर दिया। उन्होंने हजरत उमर का एक वाकया बयान करते हुए कहा कि एक रात वह गश्त कर रहे थे, जब वह मदीना से तीन मील दूर गारे हिरा नामक स्थान पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि एक महिला रो रही है। उसी समय हजरत उमर मदीना आये और आटा, घी, गोश्त और खजूर खुद अपने कंधे मे लादे चल दिये। उनका गुलाम असलम भी वहीं था जिन्हों ने हजरत से समान लेनी की सिफारिश की, जिस पर उमर रज? ने कहा कि कयामत के दिन तुम मेरा बोझ न उठाओगे, फिर हजरत खुद्द सामान लेकर उस औरत के पास आकार खाना बनाने का इंतजाम किया उमर रज? खुद चूल्हा फूंकते रहे, खाना तैयार हो गया और बच्चे खुश होकर उछलने लगे।

जीएसटी की कमियां दूर कराए व्यापारी को मुख्य भूमिका में लाने की जिम्मेदारी हमारी: संदीप बंसल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश संदीप बंसल के नेतृत्व में व्यापारियों का एक 9 सदस्य शिष्य मंडल उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर आयुक्त नितिन बंसल से मिला' व्यापारियों ने वाणिज्य कर आयुक्त नितिन बंसल का स्वागत करते हुए उनसे जीएसटी की कमियों को दूर करने का आग्रह किया संदीप बंसल ने कहा कि व्यापारी वर्ग का कोई व्यक्ति आयुक्त के पद पर आया है हम सभी यह उम्मीद करेंगे कि जीएसटी की जितनी भी कमियां हैं उन सभी को दूर करने में उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग अहम भूमिका का निर्वहन करेगा उन्होंने व्यापारी कल्याण दिवस को और बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए कुछ सुझाव आयुक्त को दिए जिसमें अधिक प्रतिष्ठानों वाला एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में विविध व्यापार करने वाला महिला उद्यमी व्यापारी सर्वाधिक रोजगार देने वाला एक जनपद एक उत्पाद की श्रेणी में आने वाला को भी सम्मानित किए जाने का सुझाव दिया''संदीप बंसल ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर की 53 वीं बैठक में लिए गए निर्णय का शासनादेश तुरंत अमल में लाया जाए जो भी नोटिस जारी हुए हैं उन सबको रद्द करते हुए व्यापारियों का जमा ब्याज उनको वापस लौटाया जाए कोई भी अधिकारी यदि अनावश्यक नोटिस जारी कर रहा है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए विधानसभा वार कैंप लगवाए जाएं इसकी सूचना सभी क्षेत्रीय व्यापार मंडलों को दी जाए''40 लाख से नीचे का व्यापारी यदि पंजीकरण ले रहा है तो उसको परेशान ना किया जाए जीएसटी की दरों में एकरूपता लाते हुए तंबाकू सीमेंट पर कर की दरें घटाई जाए''बंसल ने कहा कि अनावश्यक व्यापारियों की गाड़ियां जगह-जगह न रोकी जाए भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही हो उन्होंने कहा कि व्यापारी जिसने टैक्स इनवॉइस से माल खरीदा है और टैक्स विभाग में जमा कर दिया है यदि दूसरी पार्टी जिससे माल खरीदा गया है टैक्स जमा नहीं कर रही ।

रुदही में जल निकासी की समस्या को लेकर बीकेटी चेयरमैन ने किया धरना प्रदर्शन

* बीकेटी चेयरमैन, पूर्व विधायक व लोगों ने मिलकर एसडीएम बीकेटी को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । पीयूष द्विवेदी

बीकेटी, लखनऊ। लखनऊ जिले की बख्शी का तालाब नगर पंचायत के वार्ड न0 17 रुदही द्वितीय स्थित बरखुरिया में तालाब का पानी और बारिश के कारण जल भराव हो रहा है। बता दें कि इस कारण पानी लोगो के घरों में घुस रहा है लोग परेशान हो रहे है रोज़मर्रा के कामो को करने में लोगो को परेशानियां हो रही है। बच्चो को स्कूल जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और पानी घरों में घुस रहा है। वहीं इसके समाधान के लिए 14 मई को संडा सरिया तालाब में पाइप लाइन डालकर पानी गिराने की अनुमति मांगी गई थी। वहीं एयर फोर्स स्टेशन ने 10 जून को अनुमति भी दे दी थी और पाइप लाइन डालने का काम लगभग 80 फीसदी पूरा भी हो चुका हैं। लेकिन इसी बीच 29 जून को एयर फोर्स स्टेशन द्वारा इस अनुमति को अमान्य कर दिया गया। वहीं इस को लेकर सोमवार को बीकेटी नगर पंचायत चेयरमैन गणेश रावत, बीकेटी पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव ने रूदही के लोगो और सैनिक विहार कालोनी के फौजी साथियो के साथ एक दिवसीय धरना दिया। वहीं चेयरमैन गणेश रावत ने कहा कि, अगर पाइप लाइन डालने का 20 फीसदी कार्य जोकि पूरा नही हुआ है वो अगर पुरा नही करने दिया गया तो वो सबके साथ मिलकर तीन दिन बाद एयरफोर्स प्रशासन के खिलाफ बहुत बड़ा धरना प्रदर्शन करेंगे और इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा।

बीकेटी चेयरमैन ने लोगों के साथ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बख्शी का तालाब तहसील परिसर में सोमवार को बीकेटी नगर पंचायत चेयरमैन गणेश रावत द्वारा पाइप-लाइन का कार्य न करने देने को लेकर वार्ड के सैकड़ो लोगों के साथ धरना प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे बीकेटी एसडीएम सतीश चंद्र त्रिपाठी धरना पर पहुंचकर चेयरमैन व लोगों से बात की और चेयरमैन व लोगों ने जल भराव की समस्या का ज्ञापन बीकेटी एसडीएम को सौंप दिया। वहीं एसडीएम सतीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मंगलवार 10ः30 बजे एयरफोर्स अधिकारी एवं गणेश रावत चेयरमैन बीकेटी की संयुक्त बैठक होंगी जिसमें मैं स्वयं मौजूद रहुंगा, जिसमें जल-भराव की समस्या को लेकर पाइपलाइन डालने का हल निकाला जायेगा।

अकबरनगर के बाद अब रहीमनगर, मकानों पर लगने लगे लाल निशान, रोते-बिलखते दिखे परिवार

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

अकबरनगर को जमींदोज करने के बाद कुकरैल रिवर फ्रंट के रास्ते में आ रहे रहीमनगर, खुर्रमनगर, इंद्रप्रस्थ नगर, पंतनगर, अबरारनगर के अवैध निर्माण गिराने के लिए प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार से सर्वे शुरू कर दिया। पहले दिन 20 मकानों में लाल निशान लगाया गया। यह देख इनमें रहने वाले परिवार बिलख उठे। सुबह 11:30 बजे भारी पुलिस बल के साथ अपर जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार एवं सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता मुकेश वैश्य के संयुक्त नेतृत्व में सिंचाई विभाग की टीम ने रहीमनगर बंधे के पास कुकरैल से 50 मीटर के दायरे की नापजोख शुरू की। टीम ने लगभग एक किमी तक सर्वे किया और कुकरैल रिवर फ्रंट के दायरे में आने वाली जमीन पर लाल निशान लगाया। टीम जैसे ही रहीमनगर में दाखिल हुई, घरों से पुरुष, महिलाएं व बच्चे निकल आए। मकानों पर लाल निशान लगना शुरू हुए तो महिलाएं रोने लगीं। बिलखते हुए टीम से कहा, जब मकान बन रहे थे तो कोई रोकने क्यों नहीं आया? 40 साल से इन मकानों में रहकर हाउस टैक्स, वाटर टैक्स चुका रहे हैं। कुकरैल रिवर फ्रंट के नाम पर उन्हें उजाड़ने की कोशिश शुरू की गई है। पहले दिन टीम ने जिन 20 घरों में लाल निशान लगाए वे काफी बड़े हैं। दोपहर 2:30 बजे तक सर्वे कर टीम लौट गई। इसमें एलडीए की ओर से अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा व अधिशासी अभियंता राजकुमार आदि थे। अफसरों ने बताया कि जिन मकानों पर लाल निशान लग रहा है उनके मालिकों को एलडीए नोटिस देगा। उन्हें घर खाली करने का अल्टीमेटम दिया जाएगा। ऐसा न करने पर बुलडोजर चलेगा।

छतों पर चढ़कर लिया जायजा

संकरी गलियों में सर्वे करने में परेशानी हुई तो सिंचाई विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने घरों की छतों पर चढ़कर जायजा लिया। आधा घंटे तक यहां से ही कुकरैल के बंधे के मिलान का आकलन हुआ। टीम को छतों पर चढ़ने के दौरान लोगों के गुस्से का भी सामना करना पड़ा। संकरी गलियों के चलते जमीन, मकान के चिह्नीकरण में दिक्कत के चलते टीम मंगलवार से जीपीएस से सर्वे करेगी। इसके बाद मकानों पर लाल निशान लगाया जाएगा।

प्रदेश के सभी 13 मेडिकल कॉलेजों को नहीं मिली मान्यता, एनएमसी ने कहा कि पूरे नहीं हैं मानक

* यदि यह मान्यता मिलती तो प्रदेश में एमबीबीएस की 1300 सीटें बढ़ जातीं

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रदेश के सभी 13 मेडिकल कॉलेजों को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी)ने मान्यता देने से इनकार कर दिया है। इसकी वजह कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों एवं अन्य संसाधनों की कमी है। यह चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए जबरदस्त झटका है। क्योंकि इन कॉलेजों को मान्यता मिलती तो प्रदेश में एक साथ एमबीबीएस की 1300 सीटें बढ़ जातीं। अभी यहां सरकारी क्षेत्र की एमबीबीएस की 3828 और निजी क्षेत्र की 5450 सीटों हैं। प्रदेश में हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना है। इसके तहत करीब सालभर पहले 13 स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हुए। इन कॉलेजों की मान्यता के लिए एनएमसी में आवेदन किया गया। एनएमसी की टीम ने 24 जून को स्थलीय निरीक्षण कर कमियां गिनाईं। फिर इसे दूर करे के लिए सप्ताहभर बाद वर्चुअल बैठक हुई। कुछ कमियां दूर की गईं, लेकिन संकाय सदस्यों (फैकल्टी)की कमी की वजह से प्रदेश के सभी 13 कॉलेजों को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। अब संबंधित कॉलेजों के प्रधानाचार्य को नए सिरे से अपील करने का निर्देश दिया गया है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 4 आईएएस अफसरों का हुआ तबादला

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर योगी सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए आज यानी सोमवार को कई आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए है। आईएएस अनुराग जैन सीडीओ अम्बेडकरनगर को महराजगंज का नया सीडीओ बनाया गया है। इन अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जल्द ही यह अफसर अपना नया कार्यभार संभालेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव के बाद से योगी सरकार एक्शन मोड पर आ गई थी। चुनाव के बाद से ही तबादलों का सिलसिला शुरू हो गया है। सरकार ने अब तक कई आईएएस, कई आईपीएस और कई पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है।

आज यानी सोमवार को भी चार आईएएस के तबादले किए गए है। इन अधिकारियों में आईएएस अनुराग जैन, आईएएस अनिल कुमार सिंह, आईएएस अनिल सिंह, अपर प्रबंध निदेशक यूपीएसआरटीसी प्रणता ऐश्वर्या के नाम शामिल है। आईएएस अनुराग जैन सीडीओ अम्बेडकरनगर को महराजगंज का नया सीडीओ बनाया गया है।

कांवड़ यात्रा पर यूपी सरकार के दिशा-निर्देश जारी, यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर लगाई रोक

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाने के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त को समाप्त होने वाली एक महीने तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और धार्मिक गाने अनुमेय सीमा के भीतर बजाए जाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि यात्रा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं।

जिन मार्गों से यात्रा शुरू होगी, उन पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके अलावा, 21 जुलाई की मध्यरात्रि से दिल्ली एक्सप्रेसवे, देहरादून एक्सप्रेसवे और चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कांवड़ियों को भाला, त्रिशूल या किसी भी तरह का हथियार न ले जाने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर डीजे बजाने पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, लेकिन ध्वनि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार अनुमेय सीमा के भीतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर शराब और मांस की दुकानें भी बंद रहेंगी और स्थानीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सुअर जैसे आवारा जानवर यात्रा के मार्गों पर न घूमें। कांवड़ यात्रा की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन के जरिए की जाएगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या-बस्ती रोड पर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसका इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर केवल एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को ही जाने की अनुमति होगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पुलिस अधिकारी पंजीकृत संगठनों और श्रद्धालुओं के साथ समन्वय कर रहे हैं ।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर गति शक्ति उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें अकेला पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	जीएसयू-एलकेओ-एसआईजी-एलसी-04
कार्य का नाम	एलकेओ डिवीजन पर लेवल क्रॉसिंग के एलसी 108एसी, एलसी 76, यूपीईआईडीए (दरियापुर-डलमऊ), यूपीईआईडीए (सोनिक-अजगैन) गेट पर आरओबी आरयूबी कार्य के संबंध में उपयोगिता स्थानांतरण।
अनुमानित लागत	रु. 15918557.47/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 229600.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	12 महीने
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	29.07.2024 at 15:00 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in उप चीफ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता/गति शक्ति कार्यालय /मं.रे. प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे /लखनऊ

• ठेकेदारो को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.-जीएसयू-एलकेओ-एसआईजी-एलसी-04, दिनांक 06.07.2024 2065/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

किरोडी लाल मीणा प्रकरण कहीं वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच चल रही खींचतान का परिणाम तो नहीं?

जैसे कि वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। वरिष्ठ नेता गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना दिया गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा का प्रभारी बना दिया गया। इसके अलावा वसुंधरा राजे के कई करीबी नेताओं को या तो चुनावों में टिकट नहीं दिया गया या विधायक बन जाने पर भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है। यहां यह भी गौर करने लायक बात है कि एक समय राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे के अलावा कोई बड़ा नाम नहीं था लेकिन अब लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनाये गये ओम बिरला हैं

राजस्थान भाजपा में चल रही उठापटक पर पार्टी नेतृत्व की नजर बनी हुई है और बताया जा रहा है कि जल्द ही कोई सर्वमान्य फॉर्मूला निकाल कर सबकी नाराजगी दूर की जा सकती है। हम आपको बता दें कि सात महीने पुरानी भजन लाल शर्मा सरकार तब मुश्किल में नजर आई जब हाल ही में कृषि मंत्री किरोडी लाल मीणा ने बताया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। किरोडी लाल को मनाने का प्रयास मुख्यमंत्री ने किया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया मगर बात नहीं बनी। अब किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे का मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुलझाएंगे। संभवतः इस सप्ताह के अंत तक यह मामला सुलझ जाने के आसार बताये जा रहे हैं। किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर राजस्थान में तमाम तरह की कयासबाजियां भी चल रही हैं। विपक्ष जहां इसे भाजपा के अंदरूनी घमासान के तौर पर देख रहा है वहीं राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रेशर पॉलिटिक्स है। हालांकि खुद किरोडी लाल मीणा कह चुके हैं कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। लेकिन फिर भी उनके इस्तीफे को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। पहले कहा गया कि वह अपने लिए सरकार में उपमुख्यमंत्री पद चाहते हैं तो अब कहा जा रहा है कि किरोडी किरोड़ी लाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा के लिए दौसा संसदीय सीट से टिकट चाहते थे लेकिन पार्टी ने उनकी बात नहीं सुनी। हम आपको बता दें कि भाजपा ने दौसा से कन्हैया लाल मीणा को टिकट दिया था जोकि चुनाव हार गये। बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा इस बात के लिए भी नाराज हैं कि दौड़ में होने और योग्य तथा अनुभवी होने के बावजूद उन्हें राजस्थान विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। यही नहीं, उनसे उम्र तथा अनुभव में काफी छोटे नेताओं को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री बना दिया गया। यह भी बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा को इस बात की भी नाराजगी है कि उन्हें कृषि विभाग तो दिया गया लेकिन अक्सर उसके साथ ही मिलने वाले ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग को उनके तथा एक अन्य मंत्री मदन दिलावर के बीच विभाजित कर दिया गया। किरोडी लाल मीणा इस्तीफा वापस लेंगे या नहीं, इन अटकलों के बीच उनकी पत्नी तथा पूर्व मंत्री गोलमा देवी का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि बड़े पद की लालसा में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। गोलमा देवी ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि किरोडी लाल मीणा पूर्व में वसुंधरा सरकार से भी इस्तीफा दे चुके हैं, तब भी उन्होंने मनाये जाने के बावजूद इस्तीफा वापस नहीं लिया था। गोलमा देवी ने कहा कि उनके पति के लिए विधायक और मंत्री पद कोई मायने नहीं रखता है। वह अपनी जबान के पक्के नेता हैं। हम आपको याद दिला दें कि किरोडी लाल मीणा बार-बार यही कह रहे हैं कि उन्होंने अपनी उस सार्वजनिक घोषणा के कारण इस्तीफा दिया है कि अगर पार्टी उनके अधीन वाली लोकसभा सीटें हारती है तो वे इस्तीफा दे देंगे। वैसे किरोडी लाल मीणा मामले का एक दूसरा पक्ष भी है। देखा जाये तो भाजपा राजस्थान में नये चेहरों को आगे करने का या युवाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने का जो अभियान चला रही है उससे कई वरिष्ठ नेता नाराज हो गये हैं। इस नाराजगी का असर लोकसभा चुनावों में दिखा भी था।

एक्सप्रेस आलेख

इस बीच कोविड-19 की महामारी ने दस्तक दी, जिससे अर्थव्यवस्था को गहरा धक्का लगा। लेकिन, मोदी सरकार ने कुछ माह में ही आर्थिक मोर्चे पर नियंत्रण पाने के ठोस प्रयास किए। कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल बैंकिंग के जरिए लेन-देन भारी मात्रा में बढ़ा, जिसने अब तक दुनिया में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यू.पी.आई. का देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी डंका बज रहा है। इसके बावजूद बैंकों के स्वास्थ्य को लेकर निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता। छिटपुट बैंक घोटाले अभी भी हो रहे हैं, डिजिटल बैंकिंग में फ्रॉड्स बढ़े हैं, बैंकिंग में साइबर अपराधियों का जाल लगातार फैल रहा है। इससे न केवल बैंकों, बल्कि खाताधारकों को भारी चपत लग रही है।

साइबर अपराधियों और करप्शन से बचाना होगा बैंकों को

आर.के.सिन्हा

इस मामले में फुलप्रूफ नियंत्रण अभी तक कायम नहीं पाया है। श्रीपाल जैन ने अपनी पुस्तक के निष्कर्ष में सही कहा है, वर्तमान में अधिकतर बैंक लाभ की ओर अग्रसर हैं। मोदी सरकार ने समस्याओं एवं चुनौतियों को अवसरों में तब्दील किया है, जिसमें रिजर्व बैंक की निगरानी का प्रमुख योगदान माना जा सकता है।

नरेन्द्र मोदी सरकार के केन्द्र में लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के बाद एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकार अब बैंकिंग सेक्टर को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाती रहेगी। बीते कुछ सालों के दौरान, भारतीय बैंकों ने जितने उतार-चढ़ाव झेले हैं, शायद किसी अन्य देश ने नहीं झेला होगा। कई भारतीय बैंक अनेक घोटालों-घपलों, ऋण अदायगी न होने, जालसाजियों, अनर्जक परिसम्पत्तियों (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) के बढ़ते बोझ, कर्जमाफी की गलत नीतियों आदि के कारण कई बार तो पूरी तरह डूब गए या भारी घाटे में चले गए। इससे निपटने के लिए पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने कुछ कदम भी उठाए, लेकिन, इनके आधे-अधूरे कार्यान्वयन से आशातीत सफलता नहीं मिली। लेकिन, राहत की बात है कि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में फैली गड़बड़ियों को दूर करने के लिए अनेक फौरी कदम उठाए, जिससे बैंकों की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। अनेक बैंक न सिर्फ घाटे से उबर कर लाभ की ओर अग्रसर हैं, बल्कि अनेकों घोटालों पर लगाम भी लगी है। अनेक घोटालेबाजों की सम्पत्ति कुर्क कर ऋण वसूली भी की गई है, बैंकों का पुनर्पूंजीकरण किया गया और अनर्जक परिसम्पत्तियों का बोझ काफी कम हुआ है। क्या यह सुखद स्थिति नहीं है कि 2013 से 2017 के बीच बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियां 12.47 प्रतिशत थी, जो धीरे-धीरे लुढ़कते हुए सितंबर 2023 में 3.2 प्रतिशत हो गई, भले ही इसमें सरकार द्वारा बैंकों के पुनर्पूंजीकरण का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। अब सवाल यह है कि क्या बैंकों में सुधार की वर्तमान स्थिति भविष्य में भी जारी रहेगी या लौट के बुद्धु घर आए÷ की कहावत चरितार्थ होगी? भारतीय बैंक इस तथ्य के साक्षी हैं कि देश की आज़ादी से पहले और बाद में भी वे डूबते रहे या भारी घाटा सहते रहे हैं। यह उबड़-खाबड़ स्थिति सोचने को विवश करती है कि जब तक लंबे समय तक सुधार प्रक्रिया जारी नहीं रहेगी, तब तक समस्या का स्थायी निराकरण संभव नहीं है। इस विषय पर वरिष्ठ लेखक श्रीपाल जैन की हालिया प्रकाशित पुस्तक - भारतीय बैंकों का बदलता चेहरा÷उपरोक्त विविध पहलुओं का बखूबी विश्लेषण करती है। आज़ादी से पहले और बाद में बैंकों में घोटालों, महाघोटालेबाज़ों, जालसाजी के हथकंडों, बैंकिंग में साइबर अपराधों, येस बैंक के उत्कर्ष एवं पतन, अनर्जक परिसम्पत्तियों के मकड़जाल आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है। साथ ही, बैंकों के निजीकरण की गूंज, कृषि ऋणमाफी के अर्थशास्त्र, नोटबंदी, जन-धन योजना, रिजर्व बैंक की स्वायत्तता, डिजिटल बैंकिंग की बढ़ती लोकप्रियता एवं जोखिम आदि की आलोचनात्मक चर्चा की गई है। देश में आज़ादी के बाद निजी और सरकारी बैंक दोनों थे, लेकिन, उनमें अनेक घोटाले हुए और कई बैंक डूबे भी। फिर भी, सरकारी बैंक अर्थव्यवस्था की प्रगति एवं व्यवसाय में वृद्धि में एक प्रमुख इंजन रहे। निजी बैंक आम लोगों के आसानी से खाते भी नहीं खोलते थे। जुलाई 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आम जनता की बैंकों तक पहुंच बढ़ने लगी। इस दौर में अनेक बैंकों का विलय हुआ, जिसके कतिपय सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे। लेकिन धीरे-धीरे सरकारी बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, राजनीतिक हस्तक्षेप आदि से असली और फर्जी कंपनियों को अनाप-शनाप मात्रा में ऋण दिए गए, जिनमें से कइयों की वसूली नहीं हुई या आंशिक वसूली हो पाई। इससे सरकारी और निजी बैंकों दोनों को भारी घाटा हुआ। 1990 के दशक के आरंभ में उदारीकरण की नीति अपनाई गई और कुछ समय के बाद आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस (क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, चेकों का शीघ्र समशोधन, बीमा. म्यूचुअल फंड खोलना आदि) एच.डी.एफ.सी., आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, येस बैंक जैसे निजी बैंक लोकप्रिय हुए। निजी बैंकों के नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी ने सरकारी बैंकों के सामने तगड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर दी। इससे सरकारी एवं अन्य निजी बैंक भी नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी का सहारा लेने को विवश हुए। नतीजतन, सरकारी एवं निजी बैंकों की स्थिति में कुछ सुधार अवश्य दर्ज किया गया, लेकिन उदारीकरण की लहर में घोटालों-घपलों, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, राजनीति हस्तक्षेप का सिलसिला भी आगे बढ़ता गया। हर्षद मेहता, केतन पारिख के घोटाले और ग्लोबल ट्रस्ट जैसे बैंक के डूबने जैसे घटनाक्रम इसी काल में हुए। मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में पी.एन.बी. बैंक, पी.एम.सी. बैंक एवं अन्य सहकारी बैंकों, येस बैंक के घोटालों, महाघोटालेबाज़ों के विदेश भागने से भारी संकट पैदा हो गया था। बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियों को बोझ रिकॉर्ड स्तर को छू गया। ऐसे में छोटे बैंकों का बड़े सरकारी बैंकों में विलय कर उनकी संख्या सीमित रखने की सराहनीय पहल की गई। इस बीच भारत के व्यापार में बेतहाशा वृद्धि जारी रही, जिससे बैंकों में तरलता बरकरार रखी जा सकी। रिजर्व बैंक की निगरानी को अधिक चुस्त-दुरुस्त किया गया। नोटबंदी, जन-धन योजना, आवास योजनाओं एवं आत्मनिर्भर भारत, मैन्यूफैक्चरिंगऔर अन्य सेक्टरों को भारी बढ़ावा मिला। इस बीच कोविड-19 की महामारी ने दस्तक दी, जिससे अर्थव्यवस्था को गहरा धक्का लगा। लेकिन, मोदी सरकार ने कुछ माह में ही आर्थिक मोर्चे पर नियंत्रण पाने के ठोस प्रयास किए। कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल बैंकिंग के जरिए लेन-देन भारी मात्रा में बढ़ा, जिसने अब तक दुनिया में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यू.पी.आई. का देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी डंका बज रहा है। इसके बावजूद बैंकों के स्वास्थ्य को लेकर निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता। छिटपुट बैंक घोटाले अभी भी हो रहे हैं, डिजिटल बैंकिंग में फ्रॉड्स बढ़े हैं, बैंकिंग में साइबर अपराधियों का जाल लगातार फैल रहा है। इससे न केवल बैंकों, बल्कि खाताधारकों को भारी चपत लग रही है।

जब तक बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियों या व्यक्तियों को ऋण देने और बैंकिंग में साइबर अपराधियों की घुसपैठ नहीं रोकी जाती, तब तक बैंकों की मजबूती और फुलप्रूफ सुरक्षा का सपना आधा-अधूरा ही रहेगा।

एक्सप्रेस कविता

नल पर अकाल की व्यतिरेक ग्रस्त जनानाओं की आत्ममू मर्दाना वाच्याएं। एक-दूसरे के वयस की अंतरंग बातों, पहलुओं को सरेआम निर्वस्त्र करती, वात्या सदृश्य क्षणिकाएं, चीरहरण, संवादों से आत्म प्रवंचना, स्व-स्तुति, स्त्रियों के अधोवस्त्रों में झांकती शब्दों की तीक्ष्ण नजरें, निज संबंधों को उघाड़ती शब्दांजलियां, पानी के चंद कतरों को गुण्डियों, जंग लगी छेद वाली बाल्टियों में सहेजती। कभी-कभी असगर और अमर के लहू का लाल रंग इस नल के पानी से कितना मिलता-जुलता दिखता है। पानी शायद रंगहीन न जात, न पात। लहू-लाल, न हिन्दू न मुसलमान, वैसे ही जैसा खुला आसमान? समाज में पानी का अहम, लहू के रंग से कहीं ज्यादा, गहरा, और नल के टीके पर दिखाई देती है।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

जब जीवित रहने और पनपने का मौका दिया जाता है, तो नकारात्मक विचारों की पूरी सेना पर काबू पाने के लिए केवल एक सकारात्मक विचार की आवश्यकता होती है

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे है, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	तृतीया 06:09 तक
नक्षत्रः	आश्लेषा 07:50 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	मंगलवार
योगः	सिद्धि, 26:21
सूर्योदयः	05:34
सूर्यास्तः	19:17
चंद्रमाः	कर्क राशि में
राहुकालः	15:51-17:34
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1945
मासः	आषाढ़
शुभ मुहूर्तः	11:58-12:53

जन एक्सप्रेस

चल रही तलाश !

बनें नए समीकरण ।
चल रही तलाश ।।
लाना अलग चेहरे ।
जगी ऐसी प्यास ।।
करना सब नवीन है ।
आए नई बहार ।।
चाह रहे हम करने को ।
जनता पर उपकार ।।
किए यदि सुधार ।
तय मिलना है फल ।।
कार्यकर्ताओं को ।
मिल जाए कुछ बल ।।
रणनीति ही ऐसी ।
है हमने बनाई ।।
उब गए हैं हम ।
हुई जो जगहंसाई ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

मानसून में बढ़ जाता है पानी से होने वाली बीमारियों का खतरा

मानसून के सीजन में पानी से होने वाली बीमारियों का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इसमें टाइफाइड, कोलेरा जैसी घातक बीमारियां शामिल हैं। इस तरह की बीमारियां ज्यादातर बच्चों को अपनी चपेट में ले लेती है, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी बहुत कमजोर होती है। वैसे भी मानसून के दिनों में कहीं भी पानी जमा हो जाता है, जिसमें मक्खी-मच्छर पनपने लगते हैं, जो डेंगू जैसी घातक बीमारी की वजह बनते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ बार-बार कहते हैं कि मानसून के दिनों में सबको अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आसपा पानी को जमा नहीं होने देना चाहिए और साफ पानी पीना चाहिए ताकि पानी से होने वाली बीमारियों का जोखिम कम हो सके।

साफ पानी पिएं: मानसून के दिनों में ज्यादा से ज्यादा बीमारियों की मुख्य वजह पानी होती है। यहां तक कि पानी की वजह से संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आप इससे बचे रहना चाहते हैं, तो इन दिनों साफ पानी पिएं। ध्यान रखें कि पानी को सिर्फ फिल्टर करना काफी नहीं होता है। पानी को उबालकर पीना ज्यादा जरूरी है। इसके अलावा, यह भी ध्यान रखें कि छत में जहां आपके पानी की टंकी रखी है, उसमें बारिश का पानी न गिरे। अगर पानी दूषित हो जाए, तो ऐसा पानी आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

आसपास पानी जमने न दें: सिर्फ पानी की साफ-सफाई ही पर्याप्त नहीं है। आपको अपने आसपास के इलाके में गंदा पानी जमा नहीं होने देना है। जैसा कि हमने पहले ही जिक्र किया है कि गंदा पानी की वजह जमा होने की वजह से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इसी तरह, अगर आप इस मौसम में कूलर का यूज करते हैं, तो सप्ताह में एक बार कूलर का पूरा पानी बदल दें और समय-समय पर इसक सफाई करते रहें। यहीं, अगर घर में किसी कंटेनर में पानी स्टोर करके रखते हैं, तो उसे भी समय अनुसार बदलते रहें। लंबे समय तक पानी स्टोर करके रखने से मच्छर पैदा हो सकते हैं।

हाइजीन मेंटेन करें: साफ पानी पीना और आसपास के इलाके की सफाई जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी है अपना हाइजीन मेंटेन करना। मानसून के दिनों में बहुत आसानी जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए, कुछ भी खाने-पीने से पहले अपने हाथ को अच्छी तरह वॉश करें। बिना हाथ धोए खाने की चीजों को न छुएं। ध्यान रखें कि अगर आप गंदी चीजों को हाथ लगाएंगे, तो इससे खाने की चीजों में जर्म्स जा सकते हैं। अगर उन्हें खा लिया जाए, तो पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

हेल्दी खाना खाएं: मानूसन के दिनों में किसी भी तरह की बीमारी से बचने का एक ही तरीका है कि आप हेल्दी चीजें खाएं। हेल्दी चीजें खाने से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है, जिससे बीमार होने का जोखिम कम हो जाता है। वहीं, वॉटर बोर्न डिजीज का रिस्क भी कम हो जाता है। हेल्दी चीजों में आपको मौसमी फल और सब्जियां जरूर खानी हैं। इसके साथ ही नट्स और सीड्स भी आपकी इम्यूनिटी को बेहतर बनाने का काम करते हैं।

एक्सप्रेस विशेष

अस्ताचल की ओर बढ़ता संघ

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

जिसे हम सद्गुणों का मूर्तियान स्वरूप समझते हो। जिसे सदा प्रयादातीत मानते हो वही व्यक्ति हमारा आदर्श होना चाहिए। अन्यथा आदर्श माने हुए व्यक्तित्व से यदि कोई भूल हो जाए तो हमें कोई दूसरा आदर्श ढूंढना पड़ेगा। आज उसी व्यक्ति की तलाश शायद समाज कर रहा है।

2025 में विजयदशमी की तिथि को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष पूरा कर लेगा। किसी भी संगठन के लिए चाहे वह राजनीतिक हो या सामाजिक अथवा संस्कृतिक 100 वर्षों का कार्यकाल अपने आप में कम नहीं होता है। अगर इंडियन नेशनल कांग्रेस को छोड़ दे जिसके पास इस समय लोकसभा में 99 सीटें हैं साथ ही उसके नेता राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं। उस कांग्रेस ने सवा सौ साल जरूर पूरे कर लिए हैं बाकी अधिकांश संगठन चाहे राजनीतिक हो या धार्मिक अथवा सामाजिक सभी धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खो चुके हैं। इस लिहाज से अगर देखा जाए तो राष्ट्र स्वयंसेवक भी 100 साल पूरे करते-करते शायद अपने अस्ताचल की ओर बढ़ रहा है क्योंकि उसने अपनी विचारधारा से ही समझौता कर लिया है। यह समझौता उसने इसलिए किया है ताकि भाजपा सत्ता से दूर न जाने पाए और सत्ता पर कांग्रेस का कब्जा ना हो जाए? क्योंकि 2014 से लेकर अब तक सत्ता की मलाई तो संघ ने भी खाई है उसके स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने भी खाई है। यही कारण रहा कि संघ के प्रचारक रह चुके भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाहे जो भी निर्णय लिया लेकिन संघ ने उसका विरोध नहीं किया क्योंकि डॉक्टर मोहन भागवत वाली संघ डॉक्टर हेडगेवार माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर गुरु जी तथा बाला साहब देवरस वाली संघ नहीं है। इस समय का संघ वह संघ है जिसके मुखिया डॉक्टर मोहन भागवत को जेड क्लास की सुरक्षा प्राप्त है वह ट्रेन में नहीं बल्कि वायुयान से सफर करते हैं तथा भाजपा के एजेंडे की हां में हां मिलाते हैं। इस संघ के स्वयंसेवकों को महसूस होता है कि संघ अपनी विचारधारा से विमुख हो गई है और उसने भाजपा की विचारधारा को ही आत्मसात कर लिया है । यही वह प्रमुख कारण है जिसके चलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा के साथ ही संघ पर भी उतने ही जबरदस्त तरीके से हमला करते हैं और कहते हैं कि संघ तथा भाजपा ही केवल हिंदू नहीं है ना ही वह हिंदुओं की ठेकेदार है। आप जानते हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी मे यह कहने की ताकत कहां से आयी? दरअसल यह ताकत 2024 के चुनाव परिणामों ने राहुल गांधी को दी है और भाजपा के उन मठाधीशो को उनके उनके चुनाव क्षेत्र में शिकस्त देखकर या हराकर यह बताया है कि भाजपा के साथ ही साथ संघ में भी भटकाव आ गया है? बदलाव आ गया है? सोच का अंतर आ गया है? अब जुड़वा नहीं बल्कि अलगाव और टकराव का बोलबाला हो गया है। आखिर क्या कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत का अंतर कम हो गया? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जीत का अंतर कम हो गया? संघ के गढ़ नागपुर में नितिन गडकरी की जीत का अंतर कम हो गया? अयोध्या (फैजाबाद) जैसे सीट में भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह चुनाव हार गए? क्या भाजपा तथा संघ के लोगों ने कभी यह जानने और समझने की कोशिश की? क्यों नहीं इसकी समीक्षा की गयी? मतलब साफ है संघ के स्वयंसेवकों को यह बात बिल्कुल अच्छी नहीं लगी कि उनके सर संघ चालक डॉक्टर मोहन भागवत सरकारी सुविधाओं के लालच में सरकार के मुखिया जो कभी संघ के प्रचारक रहे थे की चमचागिरी करें, उनकी हां में हां मिलाये तथा वही कहे जो प्रधानमंत्री मोदी को अच्छा लगे या उनको सूट करें। संघ के स्वयंसेवकों को यह बात बहुत बुरी लगी कि अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में प्रधानमंत्री मोदी को भगवान का अवतार तक बता दिया गया लेकिन कार्यक्रम में मौजूद सर संघ चालक चालक मोहन भागवत को कमजोर किया गया और उस चंपत राय को आगे बढ़ाया गया जिसके ऊपर तमाम तरह के आरोप हैं। मैं आज यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सर संघ डॉक्टर केशव राव बलिराम हेडगेवार की एक पुस्तक राष्ट्र स्वयंसेवक संघ तत्व और व्यवहार में छपे एक विषय को आगे बढ़ाता हूं। उसमें डॉक्टर हेडगेवार एक सवाल-संघ का स्वयंसेवक अपने सामने क्या आदर्श रखें- तत्व या व्यक्तित्व का जवाब बताते हुए कहते हैं कि यदि किसी व्यक्ति को ही उसे अपना आदर्श मानना हो तो वह कौन हो? इसका जवाब देते हुए वह कहते हैं कि आज तक हम यही कहते आए हैं कि तत्व ही सदा हमारा आदर्श हो होवे। परंतु तत्व का प्रतिपादन करना जितना सहज है, उसे प्रत्यक्ष आचार में लाना उतना ही कठिन। समाज में मूर्ति पूजा रूढ होने का भी तो यही कारण है। वास्तव में क्या पत्थर में भगवान है? अदृश्य, अस्पष्ट तथा अव्यक्त विश्व चालक शक्ति का निर्माण और निराकार स्वरूप में पूजन करना सबके लिए संभव नहीं हुआ करता। इसलिए उस मूर्ति को उसे विश्व व्यापी शक्ति का दृश्य स्वरूप मानते हुए लोग उसकी पूजा करते हैं। डॉक्टर हेडगेवार आगे कहते हैं कि हमारे लिए आदर्श व्यक्ति वही हो सकता है।

एक सर्वे रिपोर्ट को हवाला दे रहा है जिससे कहा गया है कि यदि इस समय उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव हो जाए तो भाजपा सिमट कर 150 पर आ जाएगी। आखिर ऐसा क्यों प्रतीत हो रहा है क्यों बीजेपी का ग्राफ और संघ की स्वीकार्यता तेजी से गिर रही है। मतलब बिल्कुल साफ है कि अब संघ और संघ के प्रचारक हवा में उड़ने लगे हैं उनके अंदर सेवा भाव नहीं अधिनायक वाद पनपने लगा है।

बाढ़ का कहर जारी जनपद के सौ गांव, पुल, सड़कों, के ऊपर से बह रहा पानी, युवक की डूबकर मौत

✳ बढ़ते जलस्तर के साथ प्रशासन अलर्ट: डीएम ने की सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील, पानी पार करके मदद को पहुंच रहे अधिकारी और लोगों की मदद करवाई

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। बाढ़ की विभीषिका, नदियों में बढ़ने वाले जलस्तर को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल बेहद संजीदा हैं। बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को न केवल विस्तृत दिशा निर्देश दिए हैं, बल्कि एसडीएम से नियमित हो बातचीत भी कर रही हैं। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील है बताते चलें जिले में बारिश और बनबसा बैराज से तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से पलिया और संपूर्णानगर इलाके में बाढ़ आ गई। शारदा, घाघरा और मोहाना नदियों का पानी करीब 100 से अधिक गांवों में भर गया है। प्रशासन ने रविवार को आजादनगर व बर्बादनगर गांव खाली कराया था। यहां सात फीट से अधिक पानी चल रहा था। संपूर्णानगर क्षेत्र के गोविंदनगर, खजुरिया समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ का पानी सड़क पर बहने से पलिया-भीरा मार्ग

पर दो दिन के लिए आवागमन रोक दिया गया है।संपूर्णानगर-खजुरिया पर भी प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई। बिजुआ इलाके में 4.50 करोड़ की लागत से बनवाया गया बझेड़ा तटबंध भी कट गया है। सूरजपुर तटबंध भी पानी में बह गया है। धौरहरा क्षेत्र में एक युवक की पानी में डूबकर मौत हो गई। पलिया शहर में चीनी मिल के आगे रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सोमवार को तेज धार में पानी सड़क पर बह रहा है। नगला मोड़ पर पड़ने वाली पुलिया के पास पानी का बहाव तेज है। बाइक सवार इस सड़क से नहीं निकल पा रहे हैं।अतरिया रेलवे क्रासिंग तक तेज धार में शारदा नदी का पानी बह रहा है। जल आयोग के अनुसार शारदा नदी का जलस्तर दोपहर एक बजे खतरे के निशान से 54 सेंटीमीटर ऊपर चल रहा था। शारदा का खतरे का निशान 154.590 सेमी है। नदी का जलस्तर 155.130 सेमी पर बह रहा था। देर शाम तक पानी बढ़ ही रहा था।पानी बढ़ने से पलिया शहर जहां टापू बन गया है। वहीं संपूर्णानगर क्षेत्र में बाढ़ के पानी ने कहर बरपाया है।संपूर्णानगर के गोविंदनगर कालोनी में पानी घुसने के बाद हड़कंप मच गया। एसडीएम कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार आरती यादव, थाना प्रभारी निराला तिवारी गांव पहुंचे और पानी में खड़े होकर ग्रामीणों की बात सुनीं। बाढ़ का पानी खजुरिया, कमलापुरी, पेडिया फार्म, इंदिरा नगर सहित कई गांव में भर गया है। इंदिरानगर गांव में पानी करीब 350 घरों में पानी घुस गया है। प्रधान प्रतिनिधि जितेश कुमार ने बताया कि हर वर्ष बाढ़ का पानी गांव में आता है, बाढ़ पीड़ितों के लिए लंच पैकेट की व्यवस्था की जा रही है। रपटा पुल पर पानी में बहा युवक, मौत धौरहरा के कुम्हेना गांव निवासी मनोज कुमार (35) रपटा पुल पर पानी से गुजरते वक्त बह गया। डूबकर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कराई। वह बबुरी धौरहरा मार्ग पर रपटा पुल से साइकिल से गुजर रहा था। उसी वक्त हादसे का शिकार हो गयाकीरतपुर व बरबटा गांव में मोहाना का तांडव थारू क्षेत्र के कीरतपुर व बरबटा गांव में नेपाली मोहाना नदी का तांडव हर साल होता है। इस बार भी मोहाना नदी से रिलीज हुआ पानी गांवों में घुस गया। दोनों गांव पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। हालांकि मोहाना के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है। उधर, शहर के सुभाषनगर मोहल्ले में शारदा नदी के बाढ़ का पानी घुस गया है।नई बस्ती स्थित खानकाह के पास तक पानी आ गया। पलियाकलां के एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित आजादनगर, बर्बादनगर, मेलाघाट, गोविंदनगर आदि गांवों में बाढ़ का प्रकोप ज्यादा है। यहां आबादी भी प्रभावित है। सभी जगहों पर जाकर ग्रामीणों को सुरक्षित किया गया है। लंच पैकेटों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराईं गईं है। नदी का जलस्तर बढ़ा है, धीरे-धीरे कम भी होगा। बचाव कार्य किया जा रहा है।

फास्ट फॉरवर्ड

अज्ञात वाहन की टक्कर से राहगीर की मौत

जन एक्सप्रेस । हरदोई। मल्लावां। रविवार की देर शाम भजेहटा से नया गांव की ओर पैदल आ रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कोटवाली क्षेत्र के गांव खुर्रम नगर निवासी कंचन बृजवासी रविवार की देर शाम को पैदल भजेहटा की तरफ से नयागांव की ओर आ रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया ।जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक की टक्कर से सड़क पर टहल रहे अधेड़ की मौत

जन एक्सप्रेस । हरदोई। मल्लावां। घर के बाहर सड़क पर टहल रहे युवक को तेज़ रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी,जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे एम्बुलेंस से सीएचसी मल्लावां ले जाया गया, जहां पर डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया युवक पेशे से ड्राइवर था। पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के अनुसार कासिमपुर थाना क्षेत्र के गौसगंज निवासी 40 वर्षीय आनन्द शुक्ला पुत्र प्रकाश नारायण शुक्ला अपने दो भाइयों में बड़ा था। उसके परिवार में पत्नी मंजू देवी के अलावा उसके तीन बेटे है।आनन्द पेशे से ड्राइवर था ।और उसके गुज़र-बसर का ज़रिया था। परिजनों ने बताया कि आनन्द रविवार की देर शाम को खाना खाने के बाद रोज़ की तरह अपने घर के बाहर सड़क पर टहल रहा था। उसी बीच एक तेज़ रफ्तार बाइक उसे टक्कर मारते हुए उधर से निकल गई। घटना की जानकारी होते ही वहां काफी लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। बुरी तरह घायल हुए आनन्द को इलाज के लिए एम्बुलेंस-108 से सीएचसी मल्लावां पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए उसका सोमवार को पोस्टमार्टम कराया।

धौरहरा से वापस अपने घर जा रहा युवक तेज धार में बहा,पानी मे डूबकर हुई मौत

जन एक्सप्रेस । निघासन -खीरी ख़मरिया खीरी। कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के बबुरी मार्ग पर स्थित रपटा पुल में पानी के तेज बहाव के चलते एक युवक साइकिल समेत पानी मे बह गया। सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे हुई घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक को बाहर निकाला लेकिन तब तक युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पी एम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के कुम्हेना निवासी 28 वर्षीय मनोज पुत्र हरद्वारी साइकिल से कस्बा धौरहरा बैंक गया था। वापस अपने घर जाते समय सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे धौरहरा से बबुरी जाने वाली सड़क पर स्थित रपटा पुल पर तेज धार के चलते मनोज साइकिल सहित तेज बहाव में बह गया। और गहरे पानी मे डूबने लगा। युवक को डूबता देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू करवा दी । कड़ी मशक्कत के बाद युवक को गहरे पानी से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। फिलहाल धौरहरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पी एम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। वहीं युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

कांग्रेसियों ने राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण किया

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधे, नीम, कंजी, अमरूद, जामुन, आंवला, महुआ समेत तमाम प्रजाति के 100 पौधे लगाए और बूथों के लिए 100 पौधे दिए।फिर ब्लाक अध्यक्ष दलित रघुनन्दन राज पासी के घर भोजन किया। कार्यक्रम में जिला महासचिव प्रेम कुमार वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी आदेश गुप्ता, रघुनंदन राजपासी ब्लॉक अध्यक्ष, रामासरे अर्कवंशी, सहित दर्जनों ग्रामीण के कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

माँ के पैरों में है जन्नत, पिता मेरा भगवान

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। शब्दाक्षर साहित्यिक संस्था के तत्वाधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें साहित्यकारों ने कविता पाठ किया।भारत-भूषण कालोनी स्थित शब्दाक्षर कार्यालय के सभागार में कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन अर्चन से हुई। कवि गोष्ठी मे श्याम मोहन मिश्र की वाणी वन्दना के बाद कवि रमाकांत चौधरी ने अपनी रचना पढ़ी- फसलें जल रही , किसान जल रहा है।जो मुस्कान ला सके वो अरमान जल रहा है।श्याम मोहन मिश्र ने कहा प्यार में तक़रार होना लाजिमी है ये मियाँ,हो भले तक़रार पर इक़रार होना चाहिये।प्रमोद गुप्ता भोले ने सुनाया कि लत लग गई मोबाइल की।आलोक तिवारी आलोक ने कहा धन्य वही है जो चरणों में पिता के शीश झुकाता है।गगन में चमके चाँद सितारे सूरज सा बन जाता।डॉ वेदप्रकाश अग्निहोत्री ने फरमाया झम झमाझम झम बादल का मौसम।नाच रही बर्षा आँगन में छम छम।भगवती प्रसाद मिश्र बेधड़क ने पढ़ा माँ के पैरों में है जन्नत, पिता मेरा भगवान। इनका कर हो बेटे के सर,का करिहै शैतान।कवि गोष्ठी के मुख्य अतिथि साहित्यकार द्वारिका प्रसाद रस्तोगी ने कहा गिरि से गिर कर पाषाण खंड यौवन तेरा तमग्रस्त हुआ।

बाइक सवार सेल्समैन की ट्रक की टक्कर से मौके पर मौत

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

सदर कोतवाली के अंतर्गत महेवा महेवागंज में ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना फूलबेहड़ के गांव सुथरी निवासी 40 वर्षीय उमेंद्र कुमार सेल्समैन था। सोमवार को वह अपने काम से लखीमपुर आ रहे थे। महेवागंज कस्बे में एक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर गए और पहिए के नीचे आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद तमाम लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना पर महेवागंज चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हादसे की मौत की खबर परिवार वालों को दी।

इससे परिवार में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद चालक ट्रक मौके पर छोड़कर भाग निकला। चौकी इंचार्ज राहुल सिंह ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लिया गया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

आकांक्षी ब्लॉक संडीला में संपूर्णता अभियान की शुरुआत

जन एक्सप्रेस । हरदोई

सीडीओ सौम्या गुरूरानी ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य में 100 आकांक्षात्मक विकास खंड का चयनित किया गया जिसमें 100 मुख्यमंत्री शोधार्थी यानी की सीएम फेलो के पद पर विकास खंड में रहकर मॉनिटरिंग एवं इंप्लीमेंटेशन के लिए कार्य सभी विभाग के साथ सामान्य बनाकर कार्य कर रहे हैं।
यह प्रोग्राम नवंबर 2022 में लॉन्च हुआ था और 75 इंडिकेटर सेलेक्ट किए गए थे जिसमे की 14 डिपार्टमेंट शामिल है। वर्ष 2023 के जनवरी में भारत सरकार द्वारा पूरे देश में 500 ब्लाक चयन किया गया जिसमे अब 40 इंडिकेटर कर दिया गया है और इन 40 इंडिकेटर में से 6 इंडिकेटर का भारत सरकार द्वारा 3 महीने में इंडिकेटर का लक्ष्य प्राप्ति हेतु संपूर्णता अभियान 4

जुलाई से 30 सितंबर तक पूरे देश में कराया जा रहा है।
आकांक्षात्मक विकासखंड संडीला जनपद हरदोई में नीति आयोग के अंतर्गत आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान उत्सव मनाया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों के समन्वय से 6 इंडिकेटर के कार्य किए जाएंगे जिसमें स्वास्थ्य विभाग कृषि विभाग बाल विकास परियोजना तथा ग्रामीण आजीविका मिशन शामिल है। इसके अंतर्गत पहली तिमाही के भीतर प्रश्न पूर्व देखभाल ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के आधार पर बीपी शुगर की जांच महिलाएं एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराए जाने एवं कृषि विभाग द्वारा फसल पैदावार को बढ़ावा देने के लिए किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्वयं सहायता समूह को रोजगार एवं स्वरोजगार करने के लिए रिवाल्विंग फंड की राशि उपलब्ध शत प्रतिशत कराया जाएगा। 40 में से 6 संकेतक जिसको सितंबर तक लक्ष्य प्राप्ति करना है।
आज के प्रोग्राम में सभी विभाग के सभी जिला स्तरीय अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमे सभी विभागों के द्वारा स्टॉल लगाए गए। साथ ही साथ आएं हुए सभी जनप्रतिनिधि को लक्ष्य प्राप्ति हेतु जागरूकता किया गया इस प्रोग्राम में जूनियर हाई स्कूल के बच्चे एवं कंपोजिट विधालय आटा मऊ के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। टॉप 10 स्कूल को जिनके द्वारा विशेष कार्यक्रम किया गया उन्हे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भारत सरकार की ओर नीति आयोग टीम नीरज सिंह शिव उपाध्याय शशांक द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर परिवार नियोजन सारथी रथ को किया रवाना

जन एक्सप्रेस । हरदोई

जनसँख्या स्थिरता पखवारे के तहत सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रोहताश कुमार ने परिवार नियोजन जागरूकता के लिए सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि लोगों परिवार नियोजन के साधनों के बारे में जानकारी देने के लिए यह सारथी वाहन रवाना किया जा रहा है। 11 जुलाई को विश्व जनसँख्या दिवस और 11 से 24 जुलाई तक सेवा प्रदायगी पखवारे का आयोजन होगा। सेवा प्रदायगी पखवारे के तहत लोगों को परिवार नियोजन के साधन मुहैया कराये जायेंगे।
जनपद स्तर पर दो सारथी वाहन तथा हर ब्लाक पर तीन - तीन सारथी वाहन आठ से 11 जुलाई तक विभिन्न क्षेत्रों में घूमेंगे। सारथी वाहन के माध्यम से जनसंख्या स्थिरता तथा

परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों जैसे कॉपर टी, त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा, साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली छाया, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोली, माला-एन, कंडोम आदि के बारे में समुदाय को जागरूक किया जायेगा। इसके साथ ही नियत सेवा दिवस(एफडीएस) के माध्यम से इच्छुक लाभार्थियों को नसबंदी की सेवाएं भी दी जाएँगी। जनपद के 19 ब्लाक के सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर 24 जुलाई तक सास-बेटा-बहु सम्मलेन का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सुजीत कुमार, डीसीपीएम शिव कुमार सिंह, एफपीएलएमआईएस मैनेजर किंदरलाल सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पत्रकार का दिल का दौरा पड़ने से मौत

जन एक्सप्रेस । निघासन खीरी

लखनऊ से प्रकाशित एक दैनिक अखबार के 42 वर्षीय संवाददाता विनोद गुप्ता का सोमवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। काफी खुशमिजाज और हंसोड़ मिजाज के विनोद सोमवार सुबह करीब दस बजे भोजन के बाद लुधौरी गांव में अपने घर के बाहर कुर्सी डालकर कुछ मित्रों के साथ बैठे बातें कर रहे थे। इसी बीच उनको दिल के पास दर्द हुआ। उनको आनन-फानन में निघासन सीएचसी लाया गया। यहां ईसीजी करने के बाद उनको तुरंत लखीमपुर ले जाने की राय दी गई। कस्बे के करीब एक किमी आगे ढखेरवा रोड पर उनको फिर दर्द हुआ और उन्होंने आंखें उलट दीं। उनको फिर पास के एक अस्पताल में डॉक्टर को दिखाया गया। उन्होंने उनको मृत घोषित कर दिया। अभी 26 जून को विनोद की शादी की सालगिरह थी। विनोद के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो नाबालिग बेटियां व एक नाबालिग बेटा है।

जिले के इस गांव में नहीं है मुक्तिधाम

✳ अंतिम संस्कार के लिए गाँव से 6 किलोमीटर दूर करते हैं संस्कार

✳ बारिश के दौरान अंतिम संस्कार करने में होती है परेशानी

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

हरगाँव। विकास खण्ड हरगाँव क्षेत्र की ग्राम पंचायत निगोहाँ में मुक्तिधाम के लिए अंत्येष्टि स्थल नहीं है जिसके कारण गाँव में मुक्तिधाम अंत्येष्टि स्थल न होने से अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीण परेशान हैं।आपातकालीन परिस्थितियों में गाँव से 6 किलोमीटर दूर हरगाँव तीर्थ स्थल पर बने मुक्तिधाम अंत्येष्टि स्थल पर ग्रामीण शव का अंतिम संस्कार करने के लिए जाते हैं।अंतिम संस्कार के लिए गाँव में मुक्तिधाम के लिए अंत्येष्टि स्थल न होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।वहीं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ साथ जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों ने अभी तक मुक्तिधाम अंत्येष्टि स्थल को बनाने में कोई जांच नहीं की जा रही है।जनपद सीतापुर के विकास खण्ड हरगाँव में एक ऐसा गांव है जहां आज तक मुक्तिधाम नहीं बन सका है जिसके चलते यहां के लोगों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे ज्यादा परेशानी इन्हें बरसात के मौसम में होती है जब बारिश से शव पूरी तरह से भीग जाता है।मुक्तिधाम नहीं होने के चलते लोगों को खुले आसमान के नीचे दाह संस्कार करने को मजबूर होना पड़ता है।बारिश के समय में लोगों को कई घंटों तक बारिश बंद होने का इंतजार करना पड़ता है।जब बारिश बंद होती है तब कहीं जाकर दाह संस्कार की क्रिया हो पाती है।

तालाब में डूबकर अधेड़ की मौत, गोताखोरों की मदद से शव बरामद

जन एक्सप्रेस । हरदोई। हरपालपुर थाना क्षेत्र के अडरामऊ गांव में भैंस को तालाब में नहलाते समय एक अधेड़ की डूबकर मौत हो गयी।घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लगभग दो घण्टे बाद तालाब से शव बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के अडरामऊ गांव निवासी रामनिवास (55)पुत्र मंगू सोमवार को गांव के किनारे बने एक गहरे तालाब में अपनी भैंस की पूंछ पकड़कर नहला रहा था।उसी समय उसके हांथ से भैंस की पूंछ किसी तरह छूट गयी और वह गहरे पानी मे डूब गया।घटना के बाद ग्रामीणों में कोलाहल मच गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गयी।मौके पर पहुंची पुलिस ने अरवल थाना क्षेत्र के बेड़ीजोर गांव निवासी गोताखोर राजवीर सिंह,सोनू सिंह,विष्णु यादव को बुलाकर तालाब से शव बरामद करने का प्रयास शुरू करा दिया।अंततः लगभग दो घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने तालाब से राम निवास का शव बरामद कर लिया।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के प्रथम सप्ताह में किये गये कार्यों की समीक्षा हेतु मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार सीतापुर में प्रथम अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र दिनांक 10 जून 2024 में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जनपद में संचालित संचारी रोग नियंत्रण अभियान (01 जुलाई से 31 जुलाई 2024) के अन्तर्गत प्रथम सप्ताह में सम्बन्धित विभागों द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही दस्तक अभियान (11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक) के सफल क्रियान्वयन हेतु भी आवश्यक निर्देश दिए गए।
बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने खराब प्रगति वाले विभागों में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी गतिविधियों को निर्धारित समयावधि पर माइक्रोप्लान के अनुसार संचालित कराते हुए शतप्रतिशत फीडिंग किया जाना सुनिश्चित करें। फीडिंग में लापरवाही की वजह से प्रगति खराब नहीं होनी चाहिए।
उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 हरपाल सिंह द्वारा बताया गया कि वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण, इनका त्वरित व सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिये सम्बन्धित विभागों यथा-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज, पशुपालन, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, चिकित्सा शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कृषि एवं सिंचाई उद्यान, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि आदि विभागों द्वारा समन्वित रूप से संचालित होगा।

मनोरोग चिकित्सक की बेटी ने छत से कूदकर की खुदकुशी

* पति की खुदकुशी से आहत पत्नी ने उठाया खौफनाक कदम

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर के मशहूर मनोरोग चिकित्सक डाक्टर. रामशरण श्रीवास्तव की बेटी संचिता श्रीवास्तव ने छत से कूदकर खुदकुशी कर ली। इसके ठीक पहले पिता और पुत्री वाराणसी जाने की तैयारी कर रहे थे जहां एक होटल में संचिता के पति हरीश के फांसी लगाकर खुदकुशी कर लेने की खबर उन्हें मिली थी।
इसी दौरान संचिता अचानक दौड़कर छत पर गई और वहां से मौत की छलांग लगा दी। शहर के मशहूर डॉक्टर की बेटी और दामाद की खुदकुशी ने लोगों को सन्न कर दिया। दो साल पहले ही दोनों की शादी हुई थी।
सूचना के बाद मौके पर पहुंची कैंट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुदकुशी की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है. गोरखपुर के सिविल लाइन पार्क रोड पर डॉक्टर राम शरण श्रीवास्तव का आवास है, उनकी बेटी संचित कुछ दिन पूर्व मायके आई थी, बीते शनिवार की रात किसी बात से आहत होकर उसके पति हरीश ने खुदकुशी कर ली थी।

घर जाने की बजाय वाराणसी जाकर होटल में लगाई फांसी

पटना के रहने वाले हरीश ने वाराणसी के सारनाथ में एक होटल में फांसी लगाकर सुसाइड किया था. जानकारी होने पर डॉ राम शरण श्रीवास्तव वाराणसी जाने के लिए तैयारी में थे, इसी बीच उनकी बेटी संचित ने छत से कूद कर जान दे दी, फिलहाल पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। सूत्रों के मुताबिक संचिता ने दो साल पहले हरीश से प्रेम विवाह किया था । हरीश ने स्क्करने के बाद मुंबई में एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करता था । इस बीच संचित की तबीयत ख़राब होने पर वह गोरखपुर अपनी ससुराल आ गया था और पिछले 6 महीने से यहीं रह रहा था। 6 जुलाई को हरीश गांव जाने की बात कहकर गोरखपुर से निकला था । इसके बाद उसने सारनाथ के एक होटल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हरीश के सुसाइड की खबर मिलते ही संचित ने दूसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी।

आशिकी में सिपाही की ग्रामीणों ने पेड़ से बांध कर की धुनाई

* सिविल ड्रेस में कांस्टेबिल महिला के घर में घुसा था आशिकी फरमाने

जन एक्सप्रेस । गोला गोरखपुर

जनपद के गगहा थाना में डायल 112 नंबर में तैनात कांस्टेबिल एक महिला के घर में सिविल ड्रेस में घुस गया। ग्रामीणों ने सिपाही को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। महिला के देवर ने पुलिस को दिए तहरीर में लिखा है कि मेरी भाभी का थाने के एक सिपाही से अवैध संबंध है।अक्सर रात में मिलने आता था ढ्ढ जानकारी होने पर जब हम लोगो ने मना किया तो फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देता था। रविवार की रात करीब नौ बजे मौका देखकर वह घर के अन्दर घुस गया। घर में अन्दर जाते देख बाहर से हम लोगों ने दरवाजा बंद कर दिया। पुलिस को सूचना देने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घर के अन्दर से पुलिस ने सिपाही को लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने अभी तक सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया है। सिपाही के इस कृत्य से ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है।लोग डरे सहमें हुए है लोगों ने सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तहरीर नहीं मिली है सिपाही पर लगाया जा रहा आरोप निराधार - थानाध्यक्ष

इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना प्रभारी दीपक सिंह कहा कि- थाने पर अभी तहरीर नहीं पड़ी है। वे लोग अपनी बात रखने आए थे। जबकि इनका विवाद महिला से चल रहा इनके देवर से इस लिए ये आरोप लगा रहे हैं। महिला ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

बोले ग्रामीण- मुख्यमंत्री से मिल की जाएगी शिकायत

वहीं ग्रामीणों ने थानाध्यक्ष पर आरोपी सिपाही का पक्ष लेते हुए मामले को ठंढे बस्ते डालने का आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि सिपाही द्वारा किए जा रहे कुकृत्य और थानाध्यक्ष द्वारा आरोपी का बचाव करने की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर की जाएगी।

एक राष्ट्र एक पेंशन की हो व्यवस्था अन्यथा कर्मचारी संघ अपनाएगा आंदोलन की राह: रूपेश

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक भोजनावकाश में श्रम विभाग में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्रम विभाग के अध्यक्ष यशवीर श्रीवास्तव और संचालन परिषद के महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने किया ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बहुत ही दुर्भाष्य की बात है की एक तरफ जहां हमारे देश के माननीय को शपथ लेते ही पुरानी पेंशन मिलने का अधिकार मिल जाता है वही राष्ट्र हित में पूरे जवानी खपा चुका कर्मचारी पेंशन का मोहताज हो जाता है।
हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि इसी बजट सत्र में एक राष्ट्र एक पेंशन की व्यवस्था बनाकर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करें अन्यथा मजबूर होकर कर्मचारी आंदोलन के राह अपनाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव इसका उदाहरण हैं, इसलिए अभी वक्त है कि सरकार कर्मचारियों के सारी मांगों को मान ले। महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने सरकार से मांग किया कि वह बजट सत्र में आठवें वेतन आयोग की सिफारिश के लिए कमेटी का गठन करें तथा फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाएं और डेढ़ वर्ष के फ्रिज डीए के एरियर की भी घोषणा करें, 50/ डीए को मूल वेतन में मर्ज करे तथा पेंशनरों की रेल किराया रियायत को बहाल करें।
इस अवसर पर रूपेश श्रीवास्तव मदन मुरारी शुक्ल अशोक पांडेय पण्डित श्याम नारायण शुक्ल वरूण बैरागी कृष्ण मोहन गुप्ता अनूप कुमार रामधनी पासवान कनिष्क गुप्ता इजहार अली जामवंत पटेल फुलई पासवान ओंकार नाथ राय प्रभु दयाल सिन्हा यशवीर श्रीवास्तव जितेन्द्र कुमार, जयंत कुमार छोटेलाल गुप्ता सुरेमन प्रसाद राकेश कुमार उमेश विकास श्रीवास्तव विजय कुमार गुप्ता राजेश तिवारी आर डी नागवंशी रामनेवास शेषनाथ यादव अजीत सिंह सीमा महमूद शशिकला आदि उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी में जनरेटर न चलने से मरीज गर्मी से परेशान

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी में बिजली गुल होने के बाद जनरेटर नहीं चलाया जाता है, जिससे मरीज गर्मी में बेहाल हो जाते हैं। तीमारदार हाथ पंखे से मरीजों को राहत देने की कोशिश करते हैं।
बता दे कि अस्पताल की बिजली अक्सर गायब हो जाती है। गर्मी व बरसात के मौसम में अस्पताल की बिजली गुल होने से मरीजों के सामने दिक्कत होती है। जब तक बिजली नहीं आती तब तक अधेरे में रात बितानी पड़ती है। गर्मी में सभी पंखे भी बंद हो जाते है इससे मच्छर भी मरीजों को परेशान करते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही से मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है लोग शिकायत भी करते हैं लेकिन अधिकारी अपनी मनमानी के आगे मरीजों की एक नहीं सुनते हैं। जिससे आए दिन मरीज परेशान हो घर जाने को मजबूर होते हैं।

मरीजों को हो रही समस्या का शीघ्र होगा निराकरण: अधीक्षक

इस संबंध में पूछे जाने पर केंद्र अधीक्षक डॉक्टर एमपी सोनकर में बताया कि जेनरेटर में कुछ खराबी आ गई है, उसको ठीक कराया जा रहा है। समस्या का शीघ्र समाधान हो जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध डायग्नोस्टिक सेंटर किया सील

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

आनन्दनगर। जनपद की स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने डायग्नोस्टिक सेंटर को किया सील, मालिक फरार। बताते चलें कि फरेंदा एसडीएम नवीन कुमार व पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिरुद्ध कुमार, डिप्टी सीएमओ महराजगंज राजेंद्र द्विवेदी की संयुक्त टीम ने सोमवार को दोपहर में फरेंदा क्षेत्र के गोरखपुर - सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनकटी में छापेमारी के दौरान अवैध व मानक के विपरित संचालित हो रहे बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर को सील कर दिया। डिप्टी सीएमओ राजेश द्विवेदी ने बताया कि शासन के निर्देश पर छापेमारी किया जा रहा और आगे यह अभियान चलाकर अवैध डायग्नोस्टिक सेंटरों पर कार्यवाही जारी रहेगा।

ममता शर्मा को मिली पीएचडी की उपाधि, लोगों ने दी शुभकामनाएं

जन एक्सप्रेस । गोला गोरखपुर

गोला थाना क्षेत्र की कौवाडील गांव निवासिनी ममता शर्मा ने जौनपुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र विषय में अपना शोध कार्य पूरा किया है। उन्होंने समाजशास्त्र में ग्रामीण क्षेत्र में रह रही अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के जीवन विकास पर प्रकाश डाला है शोध प्रबंधन में उन्होंने सामाजिक विद्रुपताओं, राजनीतिक विसंगतियों, अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के सामाजिक परिवर्तन, महिलाओं के विकास के सकारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के साथ ही महिलाओं के सामाजिक परिवर्तन का चित्रण किया है। जो वर्तमान में उत्पन्न समस्याओं के समाधान में सहायक एवं प्रासंगिक है। ममता शर्मा ने यह शोध कार्य प्रोफेसर रविंद्र नाथ मिश्रा के निर्देशन में पूर्ण किया है। शोध पूर्ण होने पर ममता शर्मा पत्नी अविनाश शर्मा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इस सफलता पर उनके पति अविनाश शर्मा ने बताया कि पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए डॉक्टरेट की उपाधि मिलना सराहनीय है। गांव के प्रधान प्रतिनिधि नागेंद्र नाथ शर्मा, उमेश शर्मा, सोनू भट्ट, भाजपा नेता अनिल भट्ट साहित क्षेत्रीय लोगों ने शुभकामनाएं दी।

पत्रकार के आकस्मिक निधन पर, गणमान्यों सहित पत्रकारों ने जताया शोक

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

आनन्दनगर। वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर एसपी साहनी का सोमवार को उनके पैतृक आवास बाजारडीह में आकस्मिक निधन हो गया है वह लगभग 60वर्ष के थे। उनके मृत्यु की सूचना पाते ही फरेंदा के पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख राम प्रकाश सिंह, ग्राम प्रधान उपेंद्र सहानी, जितेन्द्र यादव,सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, राजनीतिज्ञ व समाजसेवी उनके आवास पर पहुंच कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। उनका अंतिम संस्कार राप्ती नदी के करमैनी घाट पर कर्मकांड विधिः से उनके बड़े बेटे ने किया है। उनके निधन पर पत्रकारों ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रकार यशोदा श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक शोक सभा आयोजित कर दो मिनट मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। अधिवक्ता/ पत्रकार व प्रबन्धक सुधेश मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि जन्म हुआ है तों मृत्यु निश्चित है। आयोजित शोक सभा में अशोक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार विशुन देव त्रिपाठी, विनय श्रीवास्तव, केशव कुमार मिश्र, रविन्द्र श्रीवास्तव, प्रदीप अग्रहरि, राकेश सहानी, उमाकांत विश्वकर्मा, अंकुर मिश्र, विनय श्रीवास्तव, घनश्याम प्रसाद गुप्ता, सुनील मणि, राकेश अग्रहरि, विश्वामित्र मिश्र, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील पांडेय, राहुल सिंह, बीएल मौर्य, राहुल पाण्डेय, देवानंद यादव, हरि प्रकाश पाण्डेय, रमेश कुमार यादव, साधुशरण, वैभव सिंह, हरिनारायण यादव, वेदप्रकाश पुरी, संजय श्रीवास्तव, अमरेन्द्र श्रीवास्तव, शैलेष श्रीवास्तव, सनद त्रिपाठी, अधिवक्ता/ पत्रकार अभिषेक अग्रहरि, शैलेष श्रीवास्तव, शत्रुघ्न प्रजापति, संजय टिबडेवाल, उमेश गुप्ता, बलराम अग्रहरि, गौतम श्रीवास्तव, वसीउल्ला, राजेश त्रिपाठी, शुभम् त्रिपाठी, रामरूप सांवरकर, शिवदयाल गिरि, विनय पाठक, कुलानंद यादव, उमेश यादव, उमाशंकर उपाध्याय, आशुतोष राणा, मनोज, संतोष जायसवाल, व आशीष, सहित धानी, बृजमनगंज, पुरन्दरपुर, भैया फरेंदा व कोल्हुई के पत्रकार मौजूद रहे।

बधाई गाने के बहाने किन्नर बन गिरोह बंद महिलाओं ने की लूट, स्थानीय लोगों की मदद से लूट के माल सहित पुलिस ने किया गिरफ्तार

* बधाई गाने के बहाने लूट बारदात को देती है अन्जाम
* गिरफ्तार महिलाएं पूर्वांचल के कई जिलों में वारदात को दे चुकी हैं अंजाम

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरक्ष प्रांत के दक्षिणांचल में दिनों दिन बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर जहां लोगों में पूर्व से ही दहशत का माहौल है वहीं रविवार को एक और नई घटना ने लोगों में खौफ पैदा कर दिया है।
बताते चलें कि जिले के कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के अमरहा गांव में रविवार को दिन में नट बिरादरी की पांच महिलाओं का गैंग किन्नर बन बधाई गीत गाने की आड़ लेकर नवजात शिशु के गृहस्वामी के घर दिन में पहुंच कर बधाई गाने लगी और उपहार देने की मांग करने लगी। जब गृह स्वामिनी ने बताया कि अभी किन्नर बाबा लोगों नेग ले गयीं है फिर दुबारा क्यों दें, इसी बीच लुटेरी महिलाओं ने धड़ाधड़ घर की तीन महिलाओं की सोने की बाली एवं एक सोने के मंगलसूत्र के लाकेट को जबरदस्ती धमका कर लूट लिया और बाहर खड़ी गाड़ी में बैठ कर फरार हो गई। सूत्रों के अनुसार घटना के वक्त घर पर कोई पुरुष मौजूद नहीं थे जिससे घर की महिलाएं घर से बाहर निकल कर शोर मचाकर चिल्लाने लगी गांव के एक व्यक्ति ने तत्काल इसकी सूचना डायल 112 नम्बर पर दी। सूचना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने घेराबंदी कर लुटेरी महिलाओं को पीपीगंज क्षेत्र में लोगों की मदद से पकड़ लिया।

पूर्वांचल के कई जिलों में ऐसी वारदात को दे चुकी है अंजाम

गिरफ्तार महिलाओं ने पुलिस की पुछताछ में बताया कि वह नट बिरादरी की है तथा वे कई जिलों में ऐसी वारदातों को अंजाम दे चुकी है लेकिन उधर पुलिस की सख्ती बढ़ जाने के कारण कुछ दिनों से गोरखपुर में आ कर यहां शादी ब्याह एवं बच्चे के जन्म लेने वाले परिवारों की रेकी करने में लगीं थीं और अमरहा गांव में पहुंच कर घटना को अन्जाम दिया है।

लूट में शामिल महिलाएं भेजीं गई जेल

पुलिस सूत्रों के अनुसार पकड़ी गई महिलाओं में खुशबू नाम की आरोपी लूट गैंग की सरगना है तथा उसका पति ही लूट में प्रयुक्त गाड़ी की ड्राइवरी करता है जिसका नाम दिलशाद उर्फ मुनमुन है वह मौका पाकर घेरा बंदी से भाग निकला है।पकड़ी गई लुटेरी महिलाएं आपस में रिश्तेदार हैं और खुशबू गैंग बना कर लूट की वारदात करतीं हैं। पकड़ी गई लुटेरी महिलाओं को कैम्पियरगंज पुलिस ने माल बरामदगी के साथ मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

बोले थानाध्यक्ष, पुलिस की सक्रियता से पकड़ी गई लुटेरी महिलाएं

इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस टीम ने सक्रिय हो कर संभावित रास्ते की घेराबंदी कर दिया और पीड़ित परिवार की पहचान पर लुटेरी महिलाओं को दबोचकर माल बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़ी गई महिलाओं में खुशबू, अफसाना,सहाना, हुस्न बानों, शाहजहां, शामिल हैं खुशबू का पति दिलशाद उर्फ मुनमुन फरार है। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में लूट की गई सोने की तीन जोड़ी बाली, एक मंगलसूत्र लाकेट बरामद किया गया है जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया गया है।

भाई से मारपीट में घायल शख्स की मौत पर हंगामा, सड़क जाम

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर

नगर के वार्ड नंबर पांच राम जानकी मंदिर निवासी रामभवन यादव, छोटेलाल यादव और रमाकांत यादव सगे भाई थे। रामभवन और छोटे भाई छोटेलाल के बीच जमीन के हिस्से को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। शनिवार को सुबह इसी को लेकर दोनों के बीच मारपीट हो गई। राम भवन यादव (48) के सिर में गंभीर चोट लग गई। परिजन कप्तानगंज सीएचसी पहुंचे, हालत गंभीर बताते हुए डॉक्टर ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रविवार को भोर में उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन थाने पर पहुंचे और गेट के सामने सड़क पर शव रखकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। इसकी जानकारी होने पर मोहल्ले के लोग भी पहुंच गए। शाम करीब 6 बजे नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार सिंह, एसओ राजकुमार बरवार पहुंचे और आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया।

नहर किनारे शौच करने गए बुजुर्ग का मगरमच्छ ने काटा निजी अंग

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर। शौच के लिए नहर किनारे बैठे एक बुजुर्ग का मगरमच्छ ने प्राइवेट पार्ट काट लिया। दर्द से कराहते बुजुर्ग ने शोर मचाया तो लोग आवाज आने पर उस तरफ दौड़ पड़े और इसकी सूचना परिजनों को दी। गंभीर हाल में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नाजुक स्थिति देख डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां से बुजुर्ग को गोरखपुर रेफर कर दिया गया। खड्डा थाना क्षेत्र के मदनपुर भेडिहारी गांव निवासी कन्हैया गोंड उम्र 60 वर्ष शौच करने के लिए बुढ़वा जंगल से सटे होकर बहने वाली मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के किनारे बैठे थे। इसी बीच नहर से निकले एक मगरमच्छ ने उनपर हमला बोल दिया। बचाव के लिए जैसे वह उठे तब-तब उनका प्राइवेट पार्ट काटकर नहर में चला गया। बुजुर्ग का शोर मचाना सुन गांव के लोग उनके पास गए तो देखा कि वह खून से लथपथ होकर घायलावस्था में पड़े हैं। आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां नाजुक स्थिति देख डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज से भी बुजुर्ग को इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया गया है। वहां इलाज चल रहा है। घटनास्थल सोहगी वरवां वन्य जीव प्रभाग के निचलौल वन रेंज का होने के नाते रेंजर निचलौल सुनील राव का कहना है कि कुछ दिनों पूर्व उस जगह से एक मगरमच्छ को रेस्क्यू कर ताल में छोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदिन्यनाथ के महिला सशक्तिकरण का मजाक उडा रही पुलिस

* थाने में पिडित युवती से पुरुष दरोगा सिपाही पूछ रहे हैं कैसे और कहां कहां हुई छेड़छाड़

जन एक्सप्रेस । देवरिया

जनपद के तरकुलवा थाना क्षेत्र की बीए की छात्रा को उसके ही गाँव का एक सफाईकर्मी दो साल से बदनियती से परेशान कर रहा था। युवती जब 22 जून 2024 को आम के बागीचे में आम बीन रही थी तो उसे अकेला देख आरोपी भी बगीचे में पहुंच गया और पीछे से गलत नियत से पकड़ लिया और छेड़खानी करने लगा ?जब युवती शोर मचाने लगी तो उसकी आवाज सुन घर के लोग दौड़े तो युवती के घर वालों को आता देख आरोपी फरार हो गया , परिजनों ने जिसकी सुचना स्थानीय थाने पर दी परंतु पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिससे आरोपी सफाई कर्मी का मनोबल और बढ़ गया और आरोपी 23 जून की रात में सोते समय घर में घुसकर युवती से छेड़खानी करते हुए दुष्कर्म का प्रयास करने लगा विरोध करने पर पिटाई भी कर दी, बगल के कमरे में सो रही युवती की माँ नीद खुली तो आरोपी फरार हो गया , युवती को चोटे भी आई जिसकी सूचना छात्रा ने थाना तरकुलवा पर लिखित रूप में दी परंतु भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हल्का सिपाही और दरोगा कार्यवाही तो दूर पिडिता को लगे चोट का डाक्टरी मुआयना भी नहीं कराये और आरोपी को बचाने में लग गये।

पिडिता ने हल्का सिपाही दरोगा पर समझौता करने का दबाव बनाने का लगाई आरोप

पिडिता ने थाने के हल्का सिपाही व दरोगा पर आरोप लगाते हुए कहा कि सिपाही एवं दरोगा द्वारा आरोपी का पक्ष लेते हुए समझौते का दबाव बनाने लगे ,जिसकी लिखित सूचना युवती ने पुलिस अधीक्षक को दी है ।पिडिता दुबारा थाने पर गई लेकीन आरोपी पर कार्यवाही के जगह हल्का दरोगा, सिपाही द्वारा बार बार समझौते का दबाव बनाया जा रहा है।

पिडित युवती ने सत्ताधारी नेताओं के समझ थाने में बैठाकर हल्का सिपाही व दरोगा पर अश्लीलता पूर्वक पूछताछ का लगाई आरोप

पिडित युवती ने हिंदी दैनिक जन एक्सप्रेस संवाददाता से बातचीत में बताया कि पुलिस तो पुलिस है सत्ताधारी दल के नेता हमारे ऊपर समझौते का अनैतिक दबाव बनाने लगें ज़ब हमने सुलह से इंकार कर दिया तो हमें और माँ को चार घंटे थाने में बैठा कर मानसिक रूप से टॉचर करने लगें और आरोपी के रसूख के आगे पुलिस भी नत्मस्तक रही और पुलिस पूछती हैं दो साल से कैसे छेड़ता था और क्या क्या तुम्हारे साथ किया और कैसे किया यह कह कह कर ठहाके मार हस्ते रहे और थाने में मेरी आबरू का मज़ाक बनाते रहे ।पिडित युवती बताया कि एसपी के आदेश पंद्रह दिन बीत जाने के बाद थाना पुलिस द्वारा न्याय नहीं मिला।

बोलीं पिडिता मुख्यमंत्री योगी से मिलकर मांगूंगी न्याय, संबंधितों की करुंगी शिकायत

वही पीड़ित छात्रा कहना हैं की हमें न्याय नहीं मिलता तो हम प्रदेश मुख्यमंत्री के पास न्याय की गुहार लगाएंगे। सत्ताधारी नेताओं की भी शिकायत करेंगे।

भाजपा नेता उसके पुत्र समेत 50 पर एफआईआर

घर में घुसकर महिलाओ से की थी अभद्रता व गाली गलौज

जन एक्सप्रेस। सुलतानपुर

यूपी के सुल्तानपुर में कोतवाली नगर में भाजपा नेता व सभासद, उनके पुत्र समेत 50 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। सभी पर घर में घुसकर महिलाओ से अभद्रता, गाली गलौज का आरोप है। आरोप तो यह भी है कि सभी ने शराब भी पी रखी थी। दरअस्ल कोतवाली नगर के खैराबाद स्थित भारत प्रिंटिंग प्रेस की गली के रहने वाले मनीष पाण्डेय की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि शनिवार कि रात भाजपा काशीक्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक व चौक क्षेत्र के सभासद दिनेश चौरसिया 40-50 समर्थको के साथ घर पर आ धमके। आरोप है कि उन सबने घर में घुसकर हंगामा काटा और महिलाओ से अभद्रता करते हुए गाली गलौज किया। दिनेश चौरसिया व उनके समर्थको पर शराब के नशे में भी होने का आरोप है। जाते हुए उन्होंने जान से मारने की धमकी भी पीड़ित परिवार को दिया। जिससे परिवार डरा सहमा गया था। पीड़ित ने घटना को लेकर डायल 112 को बुलाया तब कही जाकर आरोपी भागे थे। इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी की जांच किया और तब कही जाकर कार्रवाई की है। वही शनिवार की रात पुलिस ने भाजपा नेता की तहरीर पर इसी मोहल्ले के निवासी शिक्षक राहुल तिवारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। भाजपा नेता का आरोप था कि वो शनिवार की रात में मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे कि भारत प्रिंटिंग प्रेस की गली के पास बोल बम की होर्डिंग लग रही थी।

खेत जोतने के विवाद में हुई मारपीट

जनएक्सप्रेस/अलीगढ़। गांव राजगहीला निवासी किशनपाल पुत्र यादराम व अशोक पुत्र दानसहाय के बीच रविवार की सुबह खेत जोतने को लेकर मारपीट हो गई। इसमें दोनों पक्षों के परिवार वाले भी शामिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक पक्ष से किशनपाल व प्रवीण कुमार जबकि दूसरे पक्ष से अशोक व उमेश को पकड़ लिया। वहीं गांव नगला गुमानी में ऋषिपाल की पत्नी से महेंद्र सिंह ने रविवार की सुबह गाली-गलौज की। इसी पर ऋषिपाल व महेंद्र के बीच में मारपीट हो गई। पुलिस ने इन दोनों को भी पकड़ लिया। शांतिभंग करने के आरोप में न्यायालय ने सभी को जेल भेजा है।

करंट की चपेट में आकर दो किशोर की मौत, गांव में पसरा मातम

जन एक्सप्रेस। सुलतानपुर

धनपतगंज थानाक्षेत्र के पियरापार गांव मे एक वैवाहिक कार्यक्रम की खुशियां मातम में बदल गई। कार्यक्रम स्थल पर करंट की चपेट में आने से दो किशोर की मौत हो गई।सूचना पर पंहुची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मायंग गांव मजरा पियरा पार निवासी विश्राम के घर लड़की की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। द्वार पूजा के बाद महिलाएं लावा की रस्म के लिये घर के सामने नाचते गाते कुछ दूर गई। साथ में डीजे की धुन पर नाचने के लिये गांव के केशराम (15वर्ष) सुत स्व कालीदीन निषाद और साथ में सुरजीत (15वर्ष) सुत स्व रामकिशोर साथ साथ हो लिए। लावा मांगने की रस्म अदायगी चल रही थी उसी के पास गिरे तार में दौड़ रहे करंट की चपेट मे दोनो किशोर सुरजीत व केशराम आ गए। जिनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया और शादी की खुशी मातम में बदल गई। केश राम 5 भाईयो में सबसे छोटा था वही सुरजीत भी 4 भाईयो में सबसे छोटा था, दोनों मृतको के पिता का देहांत 5 वर्ष पहले हो चुका है। ग्रामीण आनन फानन में सुरजीत और केश राम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपतगंज लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। केश राम की माता क्रांति देवी व सुरजीत की माता सीतापति दोनों को अपने बेटे को लौट आने की आस अब भी है। बताते चलें कि सुरजीत और केश राम दोनों कक्षा 6 के छात्र थे, दोनो साथ साथ पढ़ते थे और साथ साथ आना जाना भी था। दोनों साथ में शादी शामिल होने के लिए भी गए थे और साथ ही दुनिया छोड़ गए हैं। थाना प्रभारी पण्डित त्रिपाठी ने बताया की तहरीर मिली है। गैर इरादतन हत्या जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

फास्ट फॉरवर्ड

शराब के नशे में धुत दबंगों ने हॉस्टल में घुस कर की मारपीट,हॉस्टल संचालक सहित कई को लगी चोट

जन एक्सप्रेस/सुल्तानपुर। बीती रात शराब के नशे में धुत दर्जन भर से अधिक दबंग युवकों ने एक निजी हास्टल में घुसकर मारपीट की जिसका का वीडियो सामने आया है इस वीडियो में शराब के नशे में धुत कुछ लोग बाइक से पहुंच कर एक हास्टल में रह रहे लड़कों और हास्टल संचालक की जमकर पिटाई की।हॉस्टल संचालक शहबाज खान ने दबंग हमलावर युवकों पर जान से मारने की धमकी देने का लगाया हालांकि प्राप्त जानकारी के अनुसार हॉस्टल संचालक ने पूरे मामले की शिकायत नगर कोतवाली में की है हॉस्टल संचालक शहबाज खान ने अपनी शिकायती पत्र में लिखा है की शहर के पांचोंपीरन इलाके में एम.आई नाम का एक बच्चों का हॉस्टल है जिसमें 7 जुलाई को रात 10.20मिनट पर इलाके के मो. कामरान,अजहर,मस्तान , अपने साथी छोटू ,अरबाज व शिवम के साथ 20 अन्य दोस्तो के साथ हॉस्टल में चोरी की नियत से जबरदस्ती घुसने का प्रयास किया जब बच्चों ने उसका विरोध किया तो सभी मिलकर हॉस्टल के बच्चों को पीटने लगे तभी हॉस्टल का बच्चा मुझे घटना की जानकारी दी जब मैं हॉस्टल पहुंचा तो दबंगों ने मुझे भी मारपीटा और बच्चों की कीमती सामान भी उठा लेगाए हॉस्टल संचालक की तहरीर पर पर नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और पुलिस पूरे मामले की पड़ताल में जुट गई है यह पूरा मामला कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के पांचोपीरन कस्बा इलाके का बताया जा रहा है।

नोएडा जिला अस्पताल पहुंचे प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह,मरीजों से पूछा कैसी हैं व्यवस्था

जन एक्सप्रेस/नोएडा। नोएडा सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल का प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने अचानक दौरा किया। सबसे पहले वो ओपीडी पहुंचे। वहां मरीजों से बातचीत की। इसके बाद भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से पूछा- व्यवस्था कैसी है? जवाब मिलते ही प्रभारी मंत्री आगे बढ़ गए। इसके बाद डॉक्टरों की उपस्थिति चेक की। मौके पर सीएमएस डॉक्टर रेनु अग्रवाल ने उनके साथ मौजूद रही। उन्होंने अस्पताल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। बता दे अस्पताल में रोजाना करीब 2000 मरीजों की ओपीडी है। जिसमें संचारी रोग से संबंधित मरीजों की संख्या ज्यादा है। अस्पताल के ब्लड बैंक और आइसीयू में भर्ती मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। कोरोना काल में भर्ती स्टाफ को हटाने और भंगेल सीएचसी में कमीशन के खेल पर उन्होंने कहा की जानकारी कर जांच की जाएगी। बता दे कि भंगेल सीएचसी में प्रभारी डाक्टर और कैंटीन संचालक के बीच चल रहे विवाद के कारण प्रसूता में को खाना नहीं मिलने की शिकायत आ रही है। मौसम में बदलाव के चलते संचारी रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में प्रभारी मंत्री ने यहां अचानक दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने दवाओं के स्टॉक को देखा साथ ही निर्देश दिया कि कोई भी डॉक्टर बाहर की दवा न लिखे। अस्पताल में सभी रोगों के लिए पर्याप्त दवाएं मौजूद है। जिन दवा की कमी है उनको जल्द पूरा किया जाएगा। बता दे नोएडा का जिला अस्पताल मॉडल अस्पताल है। यहां 20 बेड का आईसीयू भी है। इस दौरान आईसीयू का निरीक्षण किया और वार्ड में भर्ती मरीजों से भी हाल चाल लिया। इस मौके पर सफाई कर्मचारियों ने अपनी समस्या रखी। जिस पर समीक्षा बैठक में बातचीत करने का आश्वासन दिया गया। डॉक्टरों को समय से अस्पताल आने पैरा मेडिकल स्टॉफ से मरीजों के प्रति कुशल व्यवहार रखने के निर्देश भी दिए। अस्पताल में करीब एक घंटे तक रुके। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर और अस्पताल की सीएमएस के साथ भी चर्चा की और समस्याओं से अवगत हुए। सीएमएस की ओर से बताई गई समस्याओं को ठीक करने का आश्वासन दिया गया।

ट्रांसफर कर सकेंगे ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंड,देना होगा शुल्क

जन एक्सप्रेस/नोएडा ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटित भूखंड को ट्रांसफर और किराए पर दिया जा सकता है या नहीं इसका एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। ये प्रस्ताव बोर्ड में शामिल किया जाएगा। इसके तहत आवंटन के पांच साल पूरे होने के बाद भूखंड को ट्रांसफर और किराया पर दिए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसके लिए मूल आवंटी को प्राधिकरण की शर्तों का पालन करना होगा। साथ ही ट्रांसफर और किराया दर भी तय की जा रही है। ताकि प्राधिकरण को राजस्व मिल सके। नोएडा में ट्रांसपोर्ट की सहूलियत के लिए 2018-19 में कुल 501 भूखंड आवंटित किए गए। ये भूखंड 120 से 150 वर्ग मीटर के है। जिनको 24 हजार प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटित किया गया। इसी तरह 2020-2021 में कुल 84 भूखंड 25800 प्रति वर्गमीटर से आवंटित किए गए। ब्रोशर की नियम व शर्तों के अनुसार आवंटन के 5 साल तक भूखंड के ट्रांसफर पर रोक थी। भूखंड का आवंटन 2018 में किया गया। ऐसे में अब नई नीति बनाकर कार्यशील भूखंड को ट्रांसफर किया जा सके इसका एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। नोएडा प्राधिकरण में भूखंड और फ्लैट ट्रांसफर करने के लिए प्राधिकरण को शुल्क देना होता है। ये दर सभी श्रेणियों में तय है। प्राधिकरण ने माना कि ट्रांसपोर्ट नगर औद्योगिक श्रेणी से जुड़ा एक पार्ट है। इसलिए यहां भूखंड के ट्रांसफर शुल्क औद्योगिक शुल्क के बराबर होना चाहिए। हालांकि बोर्ड तय करेगा कि किस श्रेणी की दर को इसमें शामिल किया जाए। बहरहाल जो प्रस्ताव तैयार किया गया है उसके तहत आवेदन पत्र के साथ , प्रक्रिया शुल्क 5000 रुपए , 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ। ट्रांसफर शुल्क ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंड प्रचलित आवंटन दर , स्थानिक लाभ शुल्क का 4 प्रतिशत प्रति वर्ग मीटर और 18 प्रतिशत जीएसटी, लेखा जल विभाग का चालान प्रति, बैंक एनओसी, बिजली बिल की अंतिम कापी और जीएसटी प्रमाण पत्र देना होगा। ये एक प्रस्ताव है जिस पर मुहर लगना अभी बाकी है। ट्रांसफर के अलावा यदि कोई आवंटी कार्यशील भूखंड को 10 साल के लिए किराए पर दे सकता है।

पूरा सप्ताह बारिश होने के आसार,दो दिन में पूरी करनी है नालों की सफाई

जन एक्सप्रेस/नोएडा। नोएडा में पूरा सप्ताह सुहावना रहने वाला है। 11 जुलाई तक दिन में दो से तीन बार रुक -रुक कर बारिश होने के आसार है। वहीं 12 और 13 जुलाई को तेज हवाओं को साथ बारिश होगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। आईएमडी के मुताबिक पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के चलते एनसीआर में क्लाउड बना हुआ है। इससे बारिश होगी। ऐसे में लोगों को राहत मिलेगी। वहीं शहर में नालों और नालियों को साफ करने का अंतिम चरण में है। इसके लिए 11 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। डेड लाइन के सिर्फ दो दिन बचे है। ऐसे में आला अधिकारियों की ओर से दौरा किया जाएगा।

सड़क काटकर बना दी गई नहर की पटरी, दर्जनों गांव के ग्रामीण का आवागमन हुआ प्रभावित, जिम्मेदार मौन

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

लम्भुआ, नगर पंचायत के राणा नगर से होकर निकली चाँदा रजबहा के नहर में बीते दिनों विभाग द्वारा पानी छोड़ा गया था।जिसकी वजह से रायपुर-धारपुर के समीप नहर की कमजोर पटरी धराशाई हो गयी। नहर के निकले हुए पानी के बहाव से दर्जनों खेत जहां जलमग्न हो गए वहीं गांव तक पानी पहुंचने की शिकायत ग्रामीणों ने नहर विभाग से की।आनन-फानन में पहुंचे नरह विभाग के कर्मचारियों द्वारा बगल मौजूद सड़क की मिट्टी को काटकर नहर की पटरी बना दी गई। जेसीबी से हुए इस कार्य से मुरली,रतनपुर की यह सड़क नहर विभाग के कर्मचारियों की कारगुजारी से आवागमन के लिए खतरनाक हो गई है।

ग्रामीणों की माने तो इस सड़क से होकर सैकड़ो ग्रामीण विभिन्न गांव की यात्रा करते हैं। हाईवे किनारे से निकली यह सड़क धारपुर,मुरली नरेंद्रपुर,रतनपुर समेत दर्जनों गांवों को जोड़ती है।सड़क टूट जाने से ग्रामीण के आवागमन प्रभावित हो रहे हैं।

धारपुर निवासी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि सैकड़ों ग्रामीण इस रास्ते का उपयोग करते हुए राणा नगर,सेमरी राजापुर,नरेंद्रपुर रतनपुर,धारपुर फुलवरिया दिन रात आते जाते रहते हैं।सड़क के टूट जाने से आवा-गमन जहां बाधित हो गया है वहीं मोटरसाइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। मुरली निवासी ट्रैक्टर चालक जोखन ने बताया कि नहर विभाग की गलती वजह से यह सड़क पार करने में डर बना रहता है कि कोई बड़ी घटना ना हो जाए। धारपुर निवासी गजराज मिश्र ने बताया कि नहर विभाग ने चकरोड की मिट्टी जेसीबी से काटकर नहर की पटरी बनवा दी है। यही के निवासी चंद्रभान सिंह ने बताया कि नहर विभाग की गलती की वजह से कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

बालक से कुकर्म के आरोपियों पर कार्रवाई नहीं, आहत पीड़ित परिवार ने कलेक्ट्रेट पर की आत्मदाह की कोशिश

जन एक्सप्रेस। आगरा

उत्तर प्रदेश के कासगंज में पांच दिन पूर्व शहर के समीपवर्ती गांव के एक बालक को तीन आरोपियों ने कुकर्म का शिकार बना दिया। बालक की शिकायत पर पिता ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी, लेकिन मामला दर्ज नहीं हुआ। पुलिस ने चिकित्सीय परीक्षण कराया।

एफआईआर दर्ज नहीं होने से आहत पीड़ित बालक का पिता अपनी पत्नी व बच्चों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गया। आत्मदाह की धमकी देते हुए केरोसिन डाल लिया। इससे सुरक्षाकर्मियों में खलबली मच गई। उन्होंने उन्हें तत्काल ऐसा करने से रोकते हुए परिसर में बैठाकर पुलिस को सूचना दी। बाल के साथ हुई कुकर्म की घटना में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर परिजनों ने पुलिस के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। पिता का आरोप था कि कोतवाली पुलिस इस मामले को टाल रही है और कोई कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि पुलिस ने केवल चिकित्सीय परीक्षण कराया है। पिता ने बताया कि आम के बाग में बने एक कमरे में आरोपी जितिन, रौनक सुमित ने बंधक बनाकर उनके बेटे को कुकर्म का शिकार बना लिया। जबकि आरोपी धमकी देते हुए घूम रहे हैं। इसके विरोध में पीड़ित बालक के परिजन ने कलेक्ट्रेट में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने ऊपर केरोसिन डाल लिया। इससे वहां मौजूद कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों में खलबली मच गई। सुरक्षाकर्मियों ने परिवार के लोगों को बैठाया और सदर कोतवाली पुलिस को मामले की जानकारी दी। सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिजनों को अपनी गाड़ी से सदर कोतवाली ले आई।

पुलिस ने पिता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ कुकृत्य व पॉक्सो अधिनियम आदि की धाराओं में मामला पंजीकृत कर लिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी करेगी। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

इमाम हुसैन की शहादत ने इस्लाम को ज़िंदा रखा- मौलाना बाकर सज्जाद

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

वक़्फ़ इमामबाड़ा हयातनगर मे डॉ हसन मेहंदी के आवास पर पहली मुहर्रम कि मजलिस को मौलाना बाकर सज्जाद ज़ैदी ने खिताब करते हुए कहा कि कर्बला की जंग हक़ और बातिल की जंग थी।हज़रत इमाम हुसैन के साथ सिर्फ 72 लोग थे जबकि यज़ीदीयो की फौजें लाखो की तादात में थी बावजूद इसके इमाम हुसैन ने अपने 72 साथियों के साथ यज़ीदी हुकूमत के सामने खड़े हो कर पूरी दुनिया को ये बता दिया कि हक़ के लिए जंगे कैसे जीती जाती है। कर्बला में उनकी शहादत आज इस बात की गवाही दे रहा है कि इस्लाम ज़िंदा है और यज़ीद का कोई नाम लेने वाला नही है।उन्होंने कहा कि कुछ आतंकवादी संगठनों ने पूरी दुनिया मे इस्लाम का चोला ओढ़ कर एक बार फिर यज़ीदी हुकूमत की याद ताज़ा करने की कोशिश की पर उनका क्या हश्र इराक़, सीरिया ,अफगानिस्तान में हुआ आप सब ने देखा है।ये इमाम हुसैन की शहादत व दुआओ की देन है कि ईरान जैसा छोटा सा मुल्क दुनिया के सुपरपॉवर मुल्क के सामने सीना तान कर खड़ा है। ये जज़्बा हम सब को सिर्फ कर्बला वालो की शहादत से ही मिलता है क्योंकि हक़ की हमेशा जीत होती है। यह जानकारी क़ायम मेहंदी (चाँद) ने दी।

मां की लाश से उतार फेंके ताबीज, पैरों से रौंदे, बेटा बोला- आपसे कहा था बाबा के पाखंड में मत पड़ो

जनएक्सप्रेस/अलीगढ़। हाथरस हादसे के बाद सोशल मीडिया पर नित-नए वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिन्हें देखकर बाबा के प्रति कहीं गुस्सा तो कहीं समर्थन दिख रहा है। रविवार को एक ऐसा ही वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें हाथरस के अस्पताल में एक बेटा अपनी मां की लाश देख बाबा को जमकर भला बुरा कह रहा है। मां के शव से बाबा के ताबीज उतारकर जमीन पर फेंक दिए और फिर उन्हें पैरों से कुचल रहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाबा के प्रति लोगों में कितना गुस्सा है। इस वीडियो में अस्पताल में बेड पर कई शव हैं। उन्हीं में एक शव युवक की मां का है युवक मां के शव के पास पहुंचकर बिलखते हुए चीखकर कहता है ।

भ्रष्टाचार की खुली पोल,बरसात के पानी से बही साल भर पूर्व बनी सड़क

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

जिले समेत पूरे प्रदेश में हो रही मूसलाधार बरसात ने आमजनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।लगभग हर जिले में इस बार मानसून ने दस्तक दे दी है। वहीं सुलतानपुर में भारी बारिश से लंभुआ क्षेत्र के बेकारी अड्डा में सालभर पहले बनी सड़क बह गई। पूर्व विधायक संतोष पांडे ने सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार पर सरकार पर जमकर हमला बोला और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शफीपुर सम्पर्क मार्ग बेकारी अड्डा से शफीपुर सड़क बरसात के पानी से खंडहर में तब्दील हो गयी हैं।संपर्क मार्ग बाधित होने से चार-चार स्कूलों के बच्चों और आमजन मानस का आवागमन अवरुद्ध होने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा हैं।इस समस्या को लेकर के पूर्व विधायक संतोष पांडे ने सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार पर भाजपा सरकार पर जमकर हमला किया।उन्होंने कहा कि सड़क का धंसना योगी सरकार के सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को सत्यापित करता हैं।ज्ञात हो कि जिला पंचायत से विगत वर्ष ही निर्मित सड़क 1 साल में ही प्रकृति में तब्दील हो गयी। पूर्व विधायक ने शासन और प्रशासन से अपील है कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराकर,आवागमन व्यवस्था पुनः सुचारू रूप से सुनिश्चित कराई जाएं। साथ ही पूर्व विधायक ने सरकार से मांग करते हुए सड़क निर्माण करने वाली संस्था को ब्लैकलिस्ट करके जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की भी बात कही है।

विशेष फिटनेस जांच शिविर में अपने विद्यालय के वाहनों का कराएं फिटनेस : एआरटीओ

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

अनमोल है हर एक बच्चा, सबसे जरूरी सड़क सुरक्षा के तहत शासन के निर्देश पर 8 जुलाई से 22 जुलाई तक लगाई जाएगी विशेष फिटनेस जांच शिविर

अनमोल है हर एक बच्चा, सबसे जरूरी सड़क सुरक्षा के उद्देश्य को लेकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी निर्देश के क्रम में प्रदेश के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/ प्रधानाचार्य/ प्रबंधक को उनके स्कूल में चल रहे बिना फिटनेस के वाहनों को फिटनेस करवाने का विशेष शिविर आयोजित कर फिटनेस कराने का निर्देश दिया गया है। उसी के क्रम में जनपद के एआरटीओ सत्येंद्र कुमार यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 8 जुलाई से 22 जुलाई तक स्कूली वाहनों का फिटनेस जांच हेतु विशेष शिविर का आयोजन संभागीय परिवहन कार्यालय में आयोजित किया गया है। जिसमें जनपद के विद्यालयों में संचालित बस वैन एवं अन्य छोटी गाड़ीयां जिनका फिटनेस फेल हो चुका है उनका विशेष जांच करके उनका फिटनेस किया जा रहा है वाहन स्वामी फिटनेस जांच के लिए अपने वाहनों को लाने से पहले विभिन्न मानकों को पूरा कर लें जैसे वाहन पीले रंग का हो वाहन पर स्कूल का नाम लिखा हो बसों में दो एवं वैन में एक अग्निशमन यंत्र अवश्य हो फास्ट एंड बॉक्स आवश्य हो गति सीमा यंत्र लगा हो नियमानुसार सीट बेल्ट का प्रावधान हो प्रेशर हॉर्न मल्टी टोन हॉर्न ना लगा हो स्कूली बासो में आपातकालीन खिड़की द्वारा आवश्यक हो स्कूली बसों में सीट के नीचे स्कूल बैग रखने की जगह हो बसों के प्रवेश द्वार पर हैड रेल लगा हो वहीं उन्होंने बताया कि विद्यालय संचालकों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है संचालक कार्यालय पहुंचकर अपने वाहनों का फिटनेस यथाशीघ्र करा ले। सोमवार को शिविर के प्रथम दिन रेडियंट एकेडमी जलालपुर द्वारा 6 वाहनों का फिटनेस जांच कराया गया वहीं संज्ञान एकेडमी कन्नुपुर जलालपुर द्वारा 4 वाहनों का फिटनेस जांच करवाया गया जांचोपरांत वाहनों का फिटनेस सही पाए जाने पर एआर टी ओ द्वारा फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर अवैध अस्पताल संचालक पर कराई गई एफआईआर

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा अपंजीकृत हॉस्पिटल ,पैथोलॉजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कार्यवाही हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग तथा प्रशासन के सहयोग से टीम गठित कर जनपद में 18 जून को कड़ी कार्रवाई करते हुए अनेक आपंजीकृत अस्पतालों, पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड केन्द्रों को सील करने की कार्रवाई की गई थी। करवाई के दौरान सील किए गए नेशनल हॉस्पिटल रामनगर के पुनः संचलित होने की सूचना प्राप्त हुई, जबकि यह हॉस्पिटल 18 जून को सील किया गया था। जिससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अस्पताल का संचालन चोरी, छिपे पीछे वाले गेट से किया जा रहा है। उक्त अस्पताल के पूर्व में सील होते हुए भी नियम विरुद्ध तरीके से कानून का उल्लंघन करते हुए संचालित किया जा रहा था नेशनल हास्पिटल (ब्लाक गेट रामनगर के सामने) के संचालक गौरव सिंह पुत्र जीत बहादुर सिंह, सौरभ सिंह पुत्र जीत बहादुर सिंह, जीत बहादुर सिंह पुत्र रामधीर सिंह निवासी ग्राम मनबरपुर थाना आलापुर के द्वारा बिना किसी रजिस्टर्ड डाक्टर व रजिस्टर्ड अस्पताल के अवैध रूप से संचालन कराकर अज्ञात महिला के द्वारा प्रसूता रागिनी पत्नी पिंटू निवासी ग्राम इसौरी नसीरपुर की अवैध रूप से डिलीवरी करायी गयी जिससे प्रसूता रागिनी की तबियत अत्यन्त खराब होने के कारण मृत्यु हो गई ।डा0 आशीष कुमार राय अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र आलापुर द्वारा 161/24 धारा - 105/318(4) भारतीय न्याय संहिता व 15(2) इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट 1956 के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया गया।

बीकेयू ने नोएडा प्राधिकरण पर किया प्रदर्शन,सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे किसान

जन एक्सप्रेस/नोएडा। मांगों को लेकर सोमवार दोपहर को किसानों ने प्राधिकरण का घिराव किया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) समूह ने प्राधिकरण के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इससे पहले गोलचक्कर से होते हुए किसानों का काफिला प्रदर्शन करते प्राधिकरण पहुंचा। यहां प्राधिकरण के सामने की सड़क को बैरीकेट कर बंद कर दिया था। इसके बाद वहीं पंडाल लगाकर किसान धरने पर बैठ गए। मौके पर आला पुलिस अधिकारी पहुंचे बातचीत कर दौर शुरू किया गया। किसानों की मांग है कि वो सीईओ नोएडा प्राधिकरण से ही बातचीत करेंगे। नोएडा में किसानों की मांग को लेकर एक हाइपावर कमेटी बनी है। जिसकी बैठक हो चुकी है और अपनी रिपोर्ट सीएम को सौंपेंगे। लेकिन अब तक किसानों को इससे अवगत नहीं कराया गया और न ही किसानों को बैठक के मिनट्स दिए गए। इसलिए किसानों को नहीं पता कि उनकी मांगों पर प्राधिकरण और शासन स्तर पर क्या कार्रवाई की जा रही है। इससे आक्रोशित किसानों ने जून में ही ऐलान कर दिया था कि वह प्राधिकरण के दफ्तर का घिराव करेंगे और यहां प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए किसानों ने गांवों में जाकर जन जागरण अभियान चलाया। मौके पर किसानों की संख्या को देखते हुए पहले ही पुलिस ने बेरीकेट करके किसानों को रोक दिया। प्राधिकरण ने मुख्य दरवाजा तक बंद कर दिया। इसके बाद किसान वहीं सड़क पर बैठ गए और जमकर प्रदर्शन किया।

बनवास बैराज से 4.25 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज, दर्जनों गांव में घुसा बाढ़ का पानी

बाढ़ में पोल्ट्री फार्म मुर्गियों सहित बहा लाखों रुपये का हुआ नुकसान

ट्रांस शारदा क्षेत्र के कबीरगंज के पास कबीरगंज निवासी रुकमूदीन व अशोकनगर निवासी सूर्यभान मदेशिया की पोल्ट्री फार्म था जिसमें मुर्गी मुर्गा तैयार हाल में थे कि बीती रात बाढ़ के पानी ने भयंकर रूप धारण कर पूरे पोल्ट्री फार्म हाउस को मय मुर्गियों सहित बहा ले गया है। पोल्ट्री फार्म हाउस बह जाने से लाखों रुपये का नुक़सान हो गया है।घटना की सूचना हल्का लेखपाल को दिया गया है।

- बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को एनडीआरएफ व पुलिस टीम ने किया रेस्क्यू
- ट्रांस शारदा एवं नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में भयंकर बाढ़ से भारी नुक़सान

जन एक्सप्रेस। अजय शर्मा

हजारा(पूरनपुर)। बीते चार दिनों से पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही मूलाधार बारिश से नदियां उफान पर है । रविवार रात्रि बनबसा बैराज से 4.25 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होने से शारदा में उफान आ गया।बाढ का पानी दर्जनों गांव में घुस गया। एनडीआरएफ व पुलिस टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाढ के बीच फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।ट्रांस शारदा एवं नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में भयंकर बाढ से हाहाकार मचा हुआ है। रविवार की रात्रि बनवास बैराज से लगभग 4.25 लाख क्यूसेक पानी शारदा नदी में छोड़े जाने से शारदा नदी में उफान आ गया। बाढ़ के पानी ने दर्जनों गांव को अपने आगोश में ले लिया।जिससे ग्रामीणों में खलबली मच गई।नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के गांव सिद्धनगर, टिब्भा, बाजार घाट, बैल्हा, धर्मपुरी, राघवपुरी, आजाद नगर, कंबोज नगर, टाटरगंज मे बाढ़ का पानी घुस गया। घरों में 4 से 5 फीट पानी घुसने से जनजीवन प्रभावित हो गया। अधिकांश परिवार सुरक्षित स्थानों पर ठिकाना बनाने लगे। पानी अधिक होने के कारण कुछ परिवार बाढ़ के बीच फंस गए। जिन्हें एनडीआरएफ के जवानों और हजारा थानाध्यक्ष परमेंद्र कुमार एवं हजारा पुलिस टीम के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।इधर ट्रांस शारदा क्षेत्र के गांव नहरोसा,राणाप्रताप नगर, चिरैया टोला,राजीवनगर,श्रीनगर,भरतपुर,नेहरु नगर,शास्त्री नगर,आजाद नगर,मुरैना गांधीनगर,हजारा थाना परिसर और गांव में भी बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है।बाढ़ से प्रभावित ग्रामीण अपना-अपना सामान व मवेशियों को लेकर सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाते देखे गए।पूरनपुर तहसील के उपजिलाधिकारी राजेश कुमार शुक्ला नायब तहसीलदार ऋषि दीक्षित राजस्व लेखपाल आशिष निषाद,भूपेंद्र शर्मा,नरेश चंद्र गंगवार,श्याम मौर्या एवं पूर्ति विभाग सहित अन्य कर्मचारी बाढ़ बचाव कार्य में जुटे रहे तो वहीं तहसील प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को वितरण करने के लिए लंच पैकेट तैयार कराया गया था।

क्षेत्र के मार्गों पर बाढ़ का पानी बहने से आवागमन हुआ प्रभावित

ट्रांस शारदा क्षेत्र एवं नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में बाढ़ के पानी ने क्षेत्र के मार्गों पर पहुंचकर आवागमन प्रभावित कर दिया है।क्षेत्र के राणा प्रताप नगर-नहरोसा,राणाप्रताप नगर-चिरैया टोला,मुरैना गांधीनगर-अशोकनगर,नेहरु नगर-रामनगर,हजारा-सिद्ध नगर व नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी मार्गों पर दो से ढाई फुट तक पानी का तेज बहाव होने से ग्रामीणों के सामने आवागमन की समस्या खड़ी हो गई है। आवागमन के लिए नौका संचालन की मांग किया गया है।

बाढ़ खंड की उदासीनता से डौला नूमा बंधा टूटा बाढ़ ने लिया भयंकर रूप

ट्रांस शारदा क्षेत्र के गांव राणाप्रताप नगर को शारदा नदी के कटान व बाढ़ से बचाने के लिए बाढ़ खंड के द्वारा पूर्व में स्पर और डौला नूमा बंधा बनाया गया था इधर हाल ही में बाढ़ खंड के द्वारा राणाप्रताप नगर व नहरोसा के मध्य बचाव कार्य कराया गया था मगर विभागीय उदासीनता के चलते बंधा का मरम्मत कार्य नहीं कराया गया था जिस कारण बाढ़ के तेज बहाव ने बंधा को तोड़ दिया और बाढ़ का पानी राणाप्रताप नगर गांव व घरों में घुस गया जिस कारण लोगों के सामने समस्या खड़ी हो गई है।उधर अशोकनगर निवासी चार ग्रामीण सुतिया नाला पार अपने खेत पर गए थे जहां बाढ़ में फस गये सूचना पर ग्राम प्रधान नीलम देवी के पति सूर्यभान मदेशिया लालचंद,कन्हैया,दुर्गेश,जोखन के साथ नाव से मौके पर पहुंचकर सकुशल निकालकर ले आये।

भीषण बारिश का कहर कई गांवों का सम्पर्क टूटा

जन एक्सप्रेस। हरिओम वर्मा

- नगर पंचायत के वार्ड नंबर आठ मे घुसा बरसाती पानी,पानी निकलने नही है कोई व्यवस्था

बरखेड़ा। क्षेत्र में भीषण बारिश के चलते जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया।तो वही क्षेत्र में कई गांवों का बरखेड़ा से संपर्क टूटा गया तथा कई घरों ब नगर पंचायत बरखेडा के वार्ड नंबर आठ मोहल्ला नई बस्ती द्वितीय की कालोनी में पानी घुसने से त्राहि त्राहि मच गई।बता दे बीती रात्रि तेज बारिश के कहर से बरखेड़ा से गजरौला राजकीय मार्ग पर ग्राम प्रताप डांडी के निकट पुलिया धंसने से मार्ग बंद हो गया। जिससे मसीत, गंजरहा, अमखेड़ा लखनऊ, काजरबोझी, अधकटा, पचपेड़ा पुखा, अर्सियबोझ, दौलतपुर पट्टी सहित दो दर्जन गांवों प्रभावित हो गए। तथा बरखेड़ा से पिपरिया मंडन मार्ग पर ग्राम बर्रामऊ के निकट पुलिया धसने व पानी के तेज बहाव से मार्ग कट गया जिससे पिपरिया मंडन ,पर्रई, रमबोझा पैनिया रामकिशन, बुहिता, खरगापुर सहित एक दर्जन से ऊपर गाँव प्रभावित हो गए उन गांवों का बरखेड़ा से सम्पर्क टूट गया।एवं क्षेत्र के ग्राम जारकल्लिया गाँव में अधिकांश हिस्से में पानी भर गया जिसमें निर्माणाधीन टँकी में 4 फिट पानी भर गया।व पौटा से करोड़ जाने बाले मार्ग पर अमेड़ी नदी पुल के पास 200 मीटर पर सड़क पर पानी उतर रहा एवं बजाज शुगर मिल में बनी कालोनी एवं मुख्य गेट पर दो फिट पानी भर गया।तथा क्षेत्र के ग्राम शेखापुर ब कबूलपुर में क्षेत्र की निगरानी कर रहे कानूनगो रामकुमार ब क्षेत्रीय लेखपाल आजाद हुसैन ने बताया कि देबहा नदी का पानी इन गाँव के निकट आ गया एवं फसलें भी डूब गई।ग्राम बहादुरपुर हुकमी एवं नोविल शुगर मिल गेट के पास किसानों ने फोन पर तहसीलदार से शिकायत कर घर एवं खेतों में भरे पानी के निकास की शिकायत की जिस पर तहसीलदार करन सिंह,मोके पर पहुच कर पानी का निकास नगर पंचायत बरखेड़ा के कर्मियों से तत्काल करबाने के निर्देश दिये।क्षेत्र के चार रेलवे अंदर पास पर पानी भरने से आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया हैं। सभी अंडरपास खमरिया पंडरी, ज्योहराकल्यानपुर, नाबादा महेश, डढ़िया लच्छी में 4 से लेकर 10 फिट तक पानी भर गया हैं सबसे ज्यादा पानी डढ़िया लच्छी के रेलवे अंदर पास पर 9 से 10 फिट तक पानी भरा है।

गांव मुसेली में दस मकान गिरने से ग्रामीण हुए बेघर

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बीसलपुर। रविवार की रात्रि में हुई मूसलाधार बारिस के कारण गांव मुसेली में दस ग्रामीणों के टीन व खपरैल नुमा मकान भरभरा कर गिर गये। ग्रामीणों ने बमुश्किल भागकर अपनी जानें बचाईं। घरेलू सामान मकानों में दबकर नष्ट हो गया है। जिससे उन्हें खाने पीने के लिए काफी दिक्कतें उठानी पड़ेंगी। ग्राम प्रधान ने मामले की सूचना तहसील कार्यालय को दे दी है। मूसलाधार बारिश से गांव मुसेली में कई लोगों के मकान भरभरा कर गिर गये। जिससे जिलेदार खां के मकान में चारपाई, बर्तन, कपड़े व अन्य घरेलू सामान दव गया एवं मुबारक शाह की खपरैल गिरने से लाखों का नुक़सान हुआ और भाग कर परिवार ने जान बचाई। गांव में अन्य रामआसरे, हुस्नवानो, बाजीद खां, मंजूर हसन, मकसूद खां, राममूर्ति, सुरेंद्र कुमार, अखतर अली सहित लोगों की दीवारें, टीन, खपरैल गिर गया। जिससे कुछ लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का घरेलू खाने पीने का सामन दबकर नष्ट हो गया है। उनके आगे अब काफी दिक्कतें आ गयी हैं। ग्राम प्रधान इश्तियाक अल्वी ने मामले की सूचना तहसील कार्यालय को दे दी है।

डिजिटल उपस्थिति के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

विकासखंड करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय जूनियर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओ ने डिजिटल उपस्थिति के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और विरोध जताया। सरकार से यह व्यवस्था वापस लेने की मांग की । प्राथमिक शिक्षक संघ करंजाकला के ब्लॉक अध्यक्ष अतुल सिंह के नेतृत्व में प्रदेश संगठन के आह्वान पर करंजाकला विकासखंड के सभी शिक्षक शिक्षिकाओ ने कक्षा में काली पट्टी बांधकर डिजिटलाइजेशन व डिजिटल उपस्थित कराए जाने के सरकार के निर्देश का विरोध किया है।शिक्षकों ने सरकार द्वारा दोहरा मापदंड न अपनाये अन्यथा बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा ।शिक्षकों की मांग में वेतन विसंगति ,स्वास्थ्य बीमा, विद्यालय में लिपिक की नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति, पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य कई मांगे भी रखी और कहां की शिक्षक शिक्षिकाओ के साथ दोहरा मापदंड अपनाते हुए प्रदेश के शिक्षक शिक्षिकाओ से पंजिकाओं का डिजिटलाइजेसन और डिजिटल उपस्थित फेस छायांकन कराया जाना उचित नहीं है । इसे तत्काल वापस ले अगर सरकार वापस नहीं लेती है तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन के लिए शिक्षकों को भी मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान करंजाकला विकासखंड के सभी प्राथमिक को जूनियर विद्यालय के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जाता है और पठन-पाठन कराया। इस दौरान नीतीश सिंह, मेवा यादव ,प्रमोद कुमार, जफर अली, विनोद सिंह, इन्दुप्रकाश यादव अखिलेश सिंह ,इमरान अली, अनिल मिश्रा, अजय राय ,शैलेंद्र गुप्ता शाहिद मौजूद रहे।

बारिश से बिगड़े हालात : खतरे के निशान से ऊपर पहुंची शारदा

- माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग कटा, बाढ़ की जद में कई गांव

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

20 गांवों का जिला मुख्यालय से टूटा संपर्क

आफत बनी बरसात से माधोटांडा पीलीभीत मार्ग पर दयालपुर गांव के निकट पानी मार्ग कट गया। पुलिया बहने से मार्ग कटा है। इससे क्षेत्र के 20 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। इसके अलावा शाहगढ़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक का भाग भी पानी से कट गया हैं।

जिले में बारिश के बीच अब बाढ़ से स्थिति बिगड़ती जा रही है। शारदा नदी में तीन लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है, जिससे कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

पीलीभीत जिले में दो दिन से लगातार हो रही बारिश अब आफत बन गई है। भारी बारिश के बीच शारदा नदी में तीन लाख क्यूसेक से अधिक पानी पास किया गया, जो खतरे के निशान से अधिक है। जिससे रविवार रात से ही कलीनगर के 10 से अधिक गांव बाढ़ से चपेट में आ गए हैं। घरों में पानी घुस गया है। लोग गांव छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो गए हैं। विद्युत व्यवस्था ठप होने से मोबाइल आदि भी बंद हो गए हैं। कलीनगर क्षेत्र में जाने वाले बाइफरकेशन मार्ग पर कई जगह पेड़ गिर गए हैं। जिससे प्रशासनिक और पुलिस के अफसरों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फिलहाल नहीं पहुंच पा रहे हैं। नगरिया खुर्द कलां के प्रधान विवेकानंद ने बताया कि शारदा नदी का पानी गांव में घुसा है। अन्य गांवों भी प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि हालात बहुत खराब हैं, बारिश लगातार हो रही है। कई वर्षों बाद शारदा में तीन लाख से अधिक पानी पास किया गया है। ये गांव बाढ़ की चपेट में शारदा नदी की बाढ़ का पानी कलीनगर क्षेत्र के नगरिया खुर्द कलां, नलडेंगा, महाराजपुर, गभिया सहराई, रमनगरा, कंजिया सिंहपुर, बंझरबोज, बूंदीभूड़ आदि गांव में घुस गया है। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खाने पानी की परेशानी होने लगी है। पूरनपुर क्षेत्र के कई गांवों भी बाढ़ की चपेट में हैं।

डीएम-एसपी ने शहर में जलभराव की स्थिति को देखा और जल निकासी के दिये निर्देश

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद में अत्याधिक बारिश के दृष्टिगत जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेय ने शहर के मोल्हला बेनीचैधरी में जलभराव की स्थिति का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जलभराव की स्थिति को देखते हुये सम्बन्धित को निर्देश दिये गये कि नाला/नालियों से कूड़ा/कचरा तत्काल हटाया जाये जिससे पानी का निकास हो सके तथा साफ सफाई कराने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही उन्होंने देवहा नदी के जल स्तर को मौके पर जाकर देखा।

दबंग ने आधी रात को बैलगाड़ी, रिहायशी मड़हा फूंका

- दिन में मंचूरियन खाने को लेकर हुई थी कहासुनी
- सरायख्वाजा के देवकली गांव का मामला

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के देवकली गांव में आधी रात को बाईक सवार दबंगों ने एक रिहायसी मड्हा बैलगाड़ी, डीजल इंजन में आग लगाकर जला दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए । पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। बता दें कि देवकली गांव निवासी राजेश कुमार यादव का पुत्र सदानंद यादव भकुरा मोड़ बाजार के पास मंचूरियन की दुकान पर मंचूरियन खाकर पैसा उधार किया था। रविवार को सदानंद ने मंचूरियन का पैसा देने दुकान पर गया। दुकान मालिक बाबूलाल से उसकी कहासुनी नोकझोंक हुई। आरोप है कि जिससे के बाद सदानंद को मारने की धमकी दी गई । हालांकि सदानंद वहां से वापस घर लौट आया। राजेश कुमार यादव का आरोप है कि आधी रात को मोटरसाइकिल सवार होकर चार लोग उसके घर पहुंचे ,लेकिन घर घनी आबादी में होने के चलते वह लोग उसकी पाही पर पहुंचे, जहां राजेश की बैलगाड़ी रिहायसी मड्हा और डीजल इंजन था ,सभी में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दिए और देखते- देखते वह धू धूकर जलने लगा। आसपास के लोग दौड़े लेकिन तब तक सभी आरोपी मौके से फरार हो गए । जिसमें एक आरोपी को पहचान लिया गया । हालांकि घटना के दौरान वहां भारी भीड़ जुट गई और सूचना की पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस नहीं पहुंची । सुबह राजेश कुमार यादव ने सरायख्वाजा पुलिस को एक नाम जब तीन अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। उधर घटना को लेकर दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ है । घटना के दौरान करीब 75 हजार के संपत्ति का नुकसान हुआ है। राजेश ने कहा कि उसे दिन पाही पर सदानंद नहीं सोया था अन्यथा यह सब मिलकर उसे मार डालते है।

प्रदेश का विकास कृषि के विकास से ही निहित है: रमेश चंद्र मिश्र

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

कृषि विभाग द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया, जहा खरीफ उत्पादन रणनीति, विपणन व्यवस्था, मृदा स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषक उत्पादन संगठन, खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन वाली तकनीकियो एवं लाभकारी कृषि योजनाओं से विशेषज्ञों द्वारा किसानों को प्रशिक्षित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि प्रदेश का विकास कृषि के विकास में निहित है। पूर्व में कृषि विकास हेतु संचालित योजनाओं में उत्पादन, उत्त्पादकता वृद्धि एवं खाद्य सुरक्षा पर विशेष बल रहा है। उत्पाद का मूल्य सम्बर्धन, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग कर किसानों की समृद्धि की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब खेती को आजीविका के साधन के रूप में नही बल्कि उद्यम के रूप में अपनाने की आवश्यकता है, इसमे कृषि तथा संबंधित विभागों यथा पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, मंडी का सहयोग किसान भाइयों को लेना होगा। विधायक जी ने अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए किसानों को प्रेरित करते हुए श्री अन्न की खेती पर जोर दिया। इस दौरान 36 किसानों को विधायक जी द्वारा श्रीअन्न निःशुल्क मिनी किट प्रदान किया गया। उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए खरीफ रणनीतियों एवं संचालित योजनाओं की दी गई। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कन्नौजिया ने किसानों को कम लागत वाली तकनीकीयों, फसल चक्र, सन्तुलित उर्वरक प्रबंधन, जल प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन, समन्वित कृषि प्रणाली, प्रधानमंत्री फसल बीमा एवं जैविक खेती की जानकारी विस्तार से दिया। कृषि वैज्ञानिक डा. संदीप कुमार ने खरीफ फसलों में कीट एवं रोगों के बचाव की जानकारी दिया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. राकेश कुमार सिंह ने बीज शोधन, भूमि शोधन, सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह तथा संचालन डिप्ली पीडी आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने किया। इस मौके पर एलडीएम, डीडीएम नाबार्ड, जिला उद्यान अधिकारी , भूमि संरक्षण अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिचाई, नहर एव नलकूप, एआर कोऑपरेटिव सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

बीईओ और प्रधानाध्यापक को बीएसए ने जारी किया नोटिस

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

मड़िहान तहसील के प्राथमिक विद्यालय सहरसा में न तो मध्याह्न भोजन बन रहा है और न ही प्रधानाध्यापक विद्यालय में नियमित रूप से मौजूद रह रहे हैं। इसके चलते बच्चों के लिए नियमित मध्याह्न भोजन नहीं बन पा रहा है। ग्राम प्रधान सरिता देवी ने बीएसए को पत्र लिखकर जरूरी कदम उठाने की मांग की है। उधर, ग्राम प्रधान के आरोपों के मद्देनजर बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी और संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को नोटिस जारी कर दो दिन में स्पष्टीकरण देने को कहा है। ग्राम प्रधान का कहना है कि वे शनिवार को विद्यालय गई थीं। विद्यालय में प्रधानाध्यापक मौजूद नहीं थे। विद्यालय में एमडीएम नहीं बना था। जब उन्होंने रसोइया से पूछताछ की तो पता चला कि भोजन बनाने की सामग्री उपलब्ध नहीं है। विद्यालय में मध्याह्न भोजन अक्सर नहीं बनता है। प्रधान का आरोप है कि 28 और 29 जून को विशेष भोजन बनाने का निर्देश दिया गया था। उस दौरान भी बच्चों को कुछ नहीं दिया गया। प्रधान ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानाध्यापक कभी आते हैं और कभी नहीं आते हैं। इसलिए समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। प्रधान का आरोप है कि मध्याह्न भोजन बने अथवा नहीं बने, लेकिन मध्याह्न भोजन पंजिका पर बच्चों की संख्या रोज भरी जाती है। उन्होंने शिकायत की जांच कराने की मांग की। बीएसए अनिल कुमार वर्मा का कहना है कि पत्र मिला है। उन्होंने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी और प्रधानाध्यापक को इस संबंध में नोटिस जारी कर दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मांगें पूरी कराने के लिए धरना देंगे शिक्षक

जन एक्सप्रेस/मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (चेतनारायण गुट) की विंध्याचल मंडल इकाई की रविवार को बीएलजे इंटर कॉलेज परिसर में बैठक हुई। इसमें शिक्षकों की समस्याओं पर विचार किया गया। बैठक में विभिन्न मांगों को लेकर 18, 19 और 20 जुलाई को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर में धरना देने का निर्णय लिया गया। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने के लिए संपर्क अभियान, तदर्थ शिक्षकों की समस्याओं तथा पुरानी पेंशन आदि की मांगों पर भी विचार - विमर्श किगा गया।

महिला की तहरीर पर चार के खिलाफ मुकदमा

ड्रमंडगंज। बिलरा पटेहरा गांव निवासी एक महिला की तहरीर पर पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी गई तहरीर में विमला सिंह ने आरोप लगाया है कि बीते एक जून को बांस-बल्ली लगाने को लेकर लवलेश, कंचन देवी, बाबा विश्वकर्मा और कौशल्या देवी उन्हें गाली देने लगीं। मना करने पर लाठी-डंडे से मारकर कर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि महिला की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

रोटरी क्लब मिर्जापुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

रोटरी क्लब मिर्जापुर का 64वां पद ग्रहण समारोह शनिवार को देर शाम एक स्मृति भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष शशांक टंडन को पूर्व अध्यक्ष आयुष सराफ ने कॉलर पिन प्रदान कर पद भार ग्रहण कराया। इसी तरह नव निर्वाचित सचिव अभिषेक पांडेय को पूर्व सचिव गोकुल अग्रवाल ने दायित्व ग्रहण कराया। इससे पहले मुख्य अतिथि सतपाल गुलाटी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि 64 साल पुराने रोटरी क्लब मिर्जापुर मंडल में एक अलग स्थान है।

सोते समय परिवार पर हमला फायरिंग से महिला की मौत

घटना के बाद हमलावर ने की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

यूपी के उन्नाव जिले में सोते समय एक परिवार पर हमले की घटना सामने आई है। फायरिंग से महिला की मौत हो गई जबकि पति और तीन बेटियां घायल हुई हैं।

उन्नाव जिले में फतेहपुर चौरासी के गोडियनखेड़ा गांव में पड़ोसी युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर एक ही परिवार पर हमला कर दिया। डंडे और धारदार हथियार से मारा और कई राउंड फायरिंग की। गोली लगने से महिला की मौत हो गई।

उसका पति और तीन बेटियां घायल हुई हैं।

घटना के कुछ देर बाद हत्यारोपी अनुराग का शव घर से करीब 60 मीटर दूर वीर प्रताप के खेत में मिला। पुलिस के मुताबिक उसने आत्महत्या की है, गोली उसकी कनपटी में लगी है और पास में तमंचा भी पड़ा मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र भेज।

घटना के बाद एक हमलावर ने की आत्महत्या, खेत में मिला शव

थानाक्षेत्र के गोडियनखेड़ा गांव निवासी पुत्तीलाल कश्यप (53), पत्नी फूलकुमारी (48), बेटी सोनम (24), मनोरमा (18), रेशू (12) और रोशनी (10) के साथ रविवार रात घर पर सो रहे थे। रात करीब दो बजे पड़ोस में ही रहने वाला अनुराग पाल (22) अपने भाई अनूप पाल और पड़ोसी पुनीत यादव के साथ तमंचा और धारदार हथियारों से लैस होकर पुनीत के घर के पीछे की दीवार के सहारे पुत्तीलाल के घर में पंहुचे और सो रहे परिवार पर लाठी, धारदार हथियार से हमला किया। बाद में गोलियां चलाईं। गोली लगने से फूलकुमारी की मौत हो गई। जबकि पुत्तीलाल, सोनम, रेशू और रोशनी घायल हैं।

यह है घटना की वजह

घटना को अंजाम देने के बाद खुद को गोली मरने वाला अनुराग पाल और फरार हत्यारोपी पुनीत यादव पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप है। दोनों मई 2023 में जेल गए थे और दो महीने पहले ही जमानत पर छूटे हैं। इस दौरान पुत्तीलाल ने कई बार अनुराग और उसके साथी पर धमकी और परेशान करने की शिकायत पुलिस से की। पुलिस भी दोनों की तलाश कर रही थी।

पीड़ित परिवार ने तीन जुलाई को आरोपी के खिलाफ की थी शिकायत

घायल पुत्तीलाल ने बताया कि 3 जुलाई को वह पत्नी फूलदुलारी और बेटी रेशू के साथ खेत में धान की बेड लगाने जा रहा था। रास्ते में अनुराग पाल ने रेशू को बाइक से टक्कर मारी थी और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला था। इसकी शिकायत थाने में की गई थी। एसओ ने पकड़ने के लिए फोर्स भी भेजा था लेकिन अनुराग नहीं मिला था। बाद में पता चला कि वह दही चौकी स्थित एक फैक्टरी में काम भी करता है। पुलिस ने पता लगाया तो वहां भी नहीं आ रहा था। ग्राम प्रधान मुकेश पाल का नजदीकी होने से पुलिस ने उनसे बुलवाने के लिए कहा था।

दो घंटे जाम रहा उन्नाव-हरदोई मार्ग

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

सफीपुर। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर गांव मेहंदीखेड़ा के पास निर्माणाधीन पुलिया को लेकर बनाए गए वैकल्पिक मार्ग पर हुए गड्ढे में डंपर फंस गया। जिससे दोनों ओर पांच किमी तक वाहनों की लाइनें लग गईं। दो घंटे तक जाम लगा रहा।

मेहंदीखेड़ा के पास बने नाले पर बनी संकरी पुलिया को चौड़ा किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा पुलिया निर्माण के दौरान वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कराया गया है। मार्ग कच्चा होने के कारण मार्ग की मिट्टी धंस गई है। रविवार दोपहर लगभग 12 बजे बांगरमऊ की ओर जा रहा डंपर कच्चे मार्ग से निकलने के दौरान मिट्टी में फंस गया।

डंपर के न निकल पाने से पीछे आ रहे अन्य वाहन भी जहां के तहां खड़े हो गए। वहीं दूसरी तरफ के वाहनों का आवागमन भी रुक गया। देखते ही देखते कस्बे व दूसरी ओर गांव बह्मना तक पांच किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी बुलाई और उसकी मदद से फंसे डंपर को बाहर निकलवाया। करीब दो घंटे बाद यातायात रेंगना शुरू हुआ।

कोतवाल श्यामनारायण सिंह ने बताया कि मिट्टी धंसने से जहां गड्ढे हुए हैं, वहां ईंट के रोड़े डलवाए जा रहे हैं। कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों से बात की गई है। जल्द ही स्थायी समाधान कराया जाएगा।

अन्य मार्गों से भी निकलते रहे वाहन

मेहंदीखेड़ा के पास डंपर फंसने से उन्नाव-हरदोई मार्ग पर पांच किलोमीटर क्षेत्र में जाम लगा रहा। वहीं जाम देख उन्नाव से चलकर बांगरमऊ की ओर जाने वाले कुछ वाहन चकलवंशी से रसूलाबाद होते हुए निकले। इसके अलावा उन्नाव जाने वाले वाहन परियर मार्ग के सहारे सिकंदर सरोसी होते हुए उन्नाव पहुंच पाए।

सड़क पर लग रही आम मंडी से आधे घंटे रहा जाम

गंजमुरादाबाद। हरदोई उन्नाव मार्ग पर बस अड्डे के नजदीक ही सड़क के दोनों ओर लंबे समय से आम मंडी लग रही है। बागों से लाकर बागवान आम सड़क पर सुबह साढ़े पांच बजे लगा देते हैं। ऐसी स्थिति में दोहरे वाहन निकलना मुश्किल हो जाता है। रविवार सुबह करीब सात बजे हरदोई उन्नाव मार्ग पर लंबा जाम लग गया। जिसमें आम लोगों के वाहनों के साथ ही दो रोडवेज़ बसें व एसडीएम की गाड़ी भी 20 मिनट तक फंसी रही। आधे घंटे बाद जाम खुल सका। (संवाद)

गाजे-बाजे के साथ निकली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा दर्शन को उमड़ी भीड़

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

फूलों की पालकी में विराजमान होकर भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा व भाई बलराम के साथ निकले तो शहर भक्ति के उल्लास में डूब गया। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में हजारों की संख्या में भक्तों ने भाग लेकर भक्ति का उत्सव मनाया।

भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथयात्रा रविवार शाम सात बजे शहर के आदर्शनगर स्थित दीनेश्वर मंदिर से विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद निकाली गई। इस दौरान लोगों ने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व बलदेव की आरती उतारी और फूलों से तैयार किए गए रथ को खींचा। इसके बाद भगवान जगन्नाथ रथयात्रा गांधीनगर तिराहा, छोटा चौराहा, बड़ा चौराहा, आईबीपी चौराहा होते हुए हनुमान मंदिर मोती नगर पहुंची।

भगवान के रथ में लगे देशी व विदेशी फूल इसे और भी शोभायमान कर रहे थे। रथ के आगे-आगे वृंदावन से आए गायक मंडल ने मधुर गीतों व डीजे की धुनों पर कलाकारों का पारंपरिक डांडिया नृत्य भावविभोर कर रहा था। अन्य वाहनों में राधा कृष्ण, मां काली, शिव पार्वती सहित, बजरंग बली सहित अन्य देवी देवताओं की झांकियां लोगों में आकर्षण का केंद्र रहीं। विश्राम स्थल पर 108 श्रद्धालुओं ने 11-11 दीपकों से भगवान जगन्नाथ की भव्य आरती की। इस दौरान सार्वजनिक श्रीश्री जगन्नाथ रथ यात्रा समिति के अध्यक्ष रामप्रकाश चौरसिया, महामंत्री विजय कुमार गुप्ता, संयोजक अमित मिश्रा, विवेक गुप्ता, निर्भय निगम, आर बी सिंह, राकेश सिंह एडवोकेट, मनोज निगम, लक्ष्य निगम रहे।

महिलाओं व बच्चों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

जगन्नाथ रथयात्रा में हिस्सा लेने में पुरुषों के अलावा महिलाएं व बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान महिलाओं, लड़कियों व बच्चों ने ढोल नगाड़ों के साथ बज रहे भगवान जगन्नाथ के गीतों पर जमकर थिरके। सभी लोग प्रभु की भक्ति में लीन दिखे।

भक्तों ने लगाए प्रसाद के स्टॉल

रथयात्रा मार्ग पर प्रभु के भक्तों ने जगह-जगह प्रसाद वितरण कराया। शास्त्री पार्क के अलावा कई अन्य स्थानों पर भी यात्रा के साथ चल रहे भक्तों को प्रसाद रूप में शीतल जल, पूड़ी सब्जी, गुड़ चना, हलुआ आदि वितरित किए गए। रथयात्रा में शामिल लोगों ने तरह-तरह के प्रसाद को चखा।

सोहरामऊ कस्बा भ्रमण कर गर्भगृह लौटे प्रभु जगन्नाथ

नवाबगंज। सोहरामऊ कस्बे के सुरेश्वर जगन्नाथ मंदिर से महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। मंदिर के गर्भ गृह में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन सुभद्रा के भक्तों ने दर्शन किए। यात्रा में घोड़ों के साथ ऊंट भी शामिल हुए जो आगे चलकर रथ यात्रा की अगवानी कर रहे थे। इस दौरान महाप्रभु को महाप्रसाद के रूप में छप्पन भोग अर्पण किए गए। वृंदावन से पधारे महंत आचार्य कौशिक महराज ने रथ यात्रा की अगवानी की। यात्रा में मंदिर आचार्य बीके शर्मा, आचार्य हिमांशु शुक्ला, एसडीएम रामदेव निषाद, सीओ संतोष कुमार सिंह, एसओ सुनील कुमार सिंह भी रहे। (संवाद)

चांद दिखते ही मोहर्रम की शुरुआत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

चांद दिखते ही मोहर्रम की शुरुआत हो गई। इमाम बारगाहों पर ताजिए रख दिए गए। वहीं मजलिसों का आयोजन शुरू हो गया है।

मोहर्रम का चांद देखते ही हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के बहत्तर शहीदों की याद में इमाम बारगाहो में ताजिए रख दिए गए। अलम, ताबूत सजा दिए गए। अंजुमन हैदारिया अब्बासिया न्योतनी के मीडिया प्रभारी मुर्तजा हैदर रिज़वी ने बताया कि कस्बा न्योतनी में वक्फ मस्जिद जाफर के यहां से अलम बरामद होकर जुलूस कस्बे के कदीमी रास्तों से होता हुआ मुज्तबा हैदर एडवोकेट के इमाम बारगाह पहुंचा। जहां मजलिस का आगाज़ हुआ। मजलिसें सुबह से शुरू हो कर देर रात तक जारी रहीं। बताया कि जुलूसों का सिलसिला शहर के अलावा कस्बा न्योतनी, आसीवन, मियागंज, मोहान, रसूलाबाद, व अजगैन में शुरू हो गया।

बाइक फिसलने से गिरे युवक को डपंर ने रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

जन एक्सप्रेस । मथुरा

बाइक फिसलने से युवक सड़क पर गिर गया। तेज रफ्तार डपंर ने उसे रौंद दिया। मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आरोपी चालक फरार हो गया।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक फिसलने से गिरे युवक को पीछे से आए डपंर ने रौंद दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना से मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। आरोपी चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

हादसा नौहझील थाना क्षेत्र के बाजना कस्बा में दोपहर को हुआ। जरैलिया मोड़ पर सड़क पार करते समय बाइक फिसलने से युवक गिर गया। इसी समय पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक चालक विनोद कुमार (40) पुत्र प्रताप सिंह, निवासी कोलाहर को रौंद दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजन को खबर दी। सूचना पर परिजन रोते बिलखते पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हुई है। डंपर को कब्जे में लिया है। परिचालक को पकड़ लिया है। चालक डंपर छोड़ फरार हो गया।

पेड़ लगाना ही नहीं उसे बचाना भी हमारा कर्तव्य- वन क्षेत्र अधिकारी

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ककवन ब्लॉक में रविवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि के द्वारा ग्रामीणों को हरे पेड़ वितरित कर पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका रोपण करने की अपील की गई। ब्लॉक परिसर में रविवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी पार्टी इंजीनियर विनय यादव, क्षेत्रीय वन धिकारी अभिषेक मिश्रा वनरक्षक प्रदीप कुमार यादव ने 101 ग्रामीणों को हरे पेड़ वितरित किए। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को पर्यावरण प्रदूषण उससे होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी देते हुए दिन पर दिन विकराल होती इस समस्या के समाधान के लिए वृक्षारोपण को अति आवश्यक बताया। सभी से एक-एक वृक्ष लगाने और उसकी सुरक्षा करते हुए उसे संपूर्ण वृक्ष के रूप में तैयार करने की अपील की। राम लखन आदि लोग मौजूद रहे।

बांकेबिहारी मंदिर में आस्था का सैलाब

जन एक्सप्रेस । मथुरा

बांकेबिहारी मंदिर में उमस भरी गर्मी में आस्था का सैलाब उमड़ा। इस दौरान गर्मी की वजह से एक महिला श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल उपचार दिलाया गया।

वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के बेहोश होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार को दिल्ली की एक महिला भीड़ के दबाव व उमस भरी गर्मी के कारण बेहोश हो गई। मंदिर पर तैनात टीम ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद वह अपने परिजनों संग वापस लौटी। मामला दोपहर करीब 12:10 बजे का है। 26 वर्षीय गुड्डी पत्नी विष्णु निवासी नई दिल्ली बांकेबिहारी के दर्शन को मंदिर के अंदर अपने परिजनों के साथ पहुंची थी। उसी दौरान गर्मी व भीड़ के दबाव के कारण अचानक घबराहट बेचैनी होने पर परिजन द्वारा मंदिर सुरक्षा कर्मियों की मदद से परिसर में मौजूद डॉक्टरों की टीम के पास ले गए। यहां प्राथमिक उपचार से ही ठीक होने पर महिला को डॉक्टरों ने उसके परिजनों के साथ रवाना कर दिया। बता दें कि बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर रोज भीड़ के दबाव व उमस, गर्मी के कारण बेहोश होने की घटना सामने आ रही है। बांके बिहारी मंदिर प्रशासन की ओर से गाइडलाइन भी जारी की गई है। मगर, श्रद्धालु इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

बांके बिहारी में आस्था का सैलाब उमड़ा

बांके बिहारी के दर्शन के लिए रविवार को सप्ताहांत के चलते श्रद्धालुओं की भारी संख्या रही। अधिकांश श्रद्धालु दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान, मप्र के रहे। सुबह की पाली में दर्शन के समय भी बांके बिहारी मंदिर की गलियों में लोगों की खचाखच भीड़ रही। यही आलम शाम के समय भी रहा।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 10 जुलाई से

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

दशमोत्तर व पूर्व दशम छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की तारीख क्रमशः 10 व 12 जुलाई तय की गई है। पूर्व दशम छात्रवृत्ति (कक्षा नौ व दस के छात्र छात्राएं) के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तारीख 10 जुलाई से दो सितंबर तक रहेगी। हार्डकॉपी विद्यालय में जमा करने की तारीख आवेदन पत्र भरने के सात दिन के अंदर विलंब से आठ नवंबर 2024 तक होगी।जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति के दशमोत्तर (कक्षा 11 से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र छात्राएं) कक्षा के छात्र छात्राएं छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति 12 जुलाई कर सकेंगे।

ट्रक ने शिक्षक दंपती को रौंदा, मथुरा से आगरा की ओर आ रहे थे...रास्ते में हो गया हादसा

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा में तैनात शिक्षक दंपती किसी काम से आगरा आ रहे थे। रास्ते में उनकी स्कूटी को ट्रक ने रौंद दिया। दोनों की मौत हो गई। दिल्ली-आगरा हाईवे स्थित नरहोली पुल पर रविवार शाम स्कूटी सवार शिक्षक दंपती की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। दंपती आगरा के बरहन थाना क्षेत्र के गांव बेनीपुर गांव के मूल निवासी थे। वर्तमान में आनंदलोक कॉलोनी में रहते थे। हाईवे पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजते हुए परिजनों को सूचित किया। जगबीर सिंह (40) पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी बेनीपुर, बरहन, आगरा हाल निवासी आनंदलोक कॉलोनी, गोवर्धन रोड पर पत्नी अंजू देवी (35) के साथ रहते थे। दोनों स्कूटी पर सवार होकर मथुरा से आगरा की ओर किसी काम से जा रहे थे। नरहोली पुल के पास पीछे से आए ट्रक ने उनको चपेट में ले लिया। ट्रक के पहिये के नीचे आने से मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। पुलिस को उनके पास से मिले पहचान संबंधी दस्तावेजों के आधार पर परिजनों का नंबर जुटाया।

इंस्पेक्टर हाईवे उमेश चंद त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों ने फोन पर हुई वार्ता में बताया कि जगबीर सिंह अलीगढ़ के इगलास स्थित विजय इंटर कॉलेज में तैनात थे।

उनकी पत्नी अंजू कुमारी प्राइमरी विद्यालय दिसावर, सादाबाद, हाथरस में तैनात थीं। इनके दो बच्चे कुमारी अवनी करीब 8 साल की और कुमारी अन्वी करीब 5 साल की हैं। परिजनों के मथुरा आने पर अन्य जानकारी हो सकेगी कि दंपती कहां और क्यों जा रहा था। परिवार वालों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक बस को बीच सड़क पर रोका, फिर चालक की डंडों से की पिटाई

जन एक्सप्रेस । मथुरा

इलेक्ट्रिक बस के चालक के साथ बीच सड़क पर मारपीट की गई। इस दौरान बस में भी तोड़फोड़ कर दी। अचानक हुए इस हमले से सवारियों में दहशत फैल गई। इसके बाद हमलावर मौके से भाग निकले।

मथुरा के गोवर्धन के राधाकुंड क्षेत्र में रविवार को एक इलेक्ट्रिक बस को रोक कुछ लोगों उसमें तोड़फोड़ कर दी। साथ ही चालक के साथ भी मारपीट कर दी। इससे सवारियों में भय व्याप्त हो गया। पुलिस ने चालक की तहरीर पर दो नामजद व कुछ अज्ञातों पर मुकदमा दर्ज किया है।

गजेंद्र सिंह पुत्र तेज सिंह निवासी घड़ी विस्सा, गोवर्धन ने बताया कि वह इलेक्ट्रिक बस डिपो वृंदावन में चालक के रूप में तैनात हैं। रविवार दोपहर एक बजे करीब बरसाना से वृंदावन की ओर गाड़ी संख्या यूपी 85 सीटी 6846 से सवारियों को लेकर बसौती की ओर जा रहे थे। तभी गांव बसौती से पहले एक मोटर साइकिल सवार ने गाली गलौज कर दी। गांव बसौती में बस के आगे मोटर साइकिल को लगाकर रोक लिया। अपने अन्य साथियों को बुलाकर लाठी-डंडे से मारपीट की। डंडे से बस के आगे का शीशा तोड़ दिया। परिचालक से भी मारपीट की। इसके बाद मौके से भाग गए। गांव के लोगों से उनके बारे में जानकारी की तो उनके करन पुत्र कलुआ, सोनू पुत्र सत्तो व कुछ अज्ञातों के तौर पर सामने आए। मामले में थाना गोवर्धन पुलिस को तहरीर दी गई।

भाजपा नेता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

जन एक्सप्रेस । मथुरा

भाजपा नेता घर से खाना खाकर आए थे। उसके बाद अचानक ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। घरवालों ने हत्या का आरोप लगाया है।

मथुरा के कोसीकलां थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मुनि जी रेस्तरां के मालिक एवं भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी नरेश चौधरी व उनके तहेरे भाई मोहन और रेस्तरां में काम करने वाले अलीगढ़ के युवक संतोष की संदिग्ध परिस्थिति में तबीयत बिगड़ गई। रविवार सुबह भाजपा नेता नरेश चौधरी की मौत हो गई। वहीं, मोहन को गंभीर हालत के चलते फरीदाबाद रेफर किया गया है। संतोष स्थानीय अस्पताल में भर्ती है। पुलिस फूड प्वॉइजनिंग का शक जता रही है। वहीं, परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। कोटवन निवासी भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी नरेश चौधरी (42) पुत्र लालाराम का मुनिजी के नाम से रेस्तरां हाईवे पर है। उनके यहां अलीगढ़ के गोंडा थाना क्षेत्र के संतोष काम करते हैं। वहीं, नरेश के साथ उनके तहेरे भाई मोहन भी रहते हैं। हर रोज की तरह शनिवार रात को घर से आए खाने को नरेश चौधरी ने खाया। तहेरे भाई मोहन पहले ही घर से खाना खाकर आया था। संतोष निवासी पीगरी, थाना गोंड़ा, अलीगढ़ ने रेस्टोरेंट में बना खाना खाया।

रात तीन बजे करीब इनकी तबीयत बिगड़ गई। मौजूद चौकीदार ने इसकी जानकारी अन्य कर्मचारी, परिजनों को दी। ग्रामीण भी आ गए। उन्होंने तीनों को नर्सिंग होम में भर्ती कराया। वहां नरेश ने दम तोड़ दिया। मोहन को गंभीर हालत के चलते फरीदाबाद के निजी अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने संतोष से पूछताछ की। मगर, उसकी तबीयत बयान देने लायक न होने के चलते उसने अधिक वार्ता इस प्रकरण के संबंध में नहीं हो सकी। सीओ छाता आशीष शर्मा ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी जांचें हैं, उनमें नरेश द्वारा घर का खाना खाने की बात सामने आई है। वहीं, संतोष ने रेस्तरां का खाना खाया। मोहन घर से खाना खाकर आया था। संभावना है कि इन तीनों ने दिन में कोई खाद्य पदार्थ का एक साथ सेवन किया है। उससे फूड प्वॉइजनिंग हुई हो। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नरेश की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। विसरा संरक्षित किया गया है। उसे आगरा एफएसएल जांच को भेजा जाएगा।

परिवार में मचा कोहराम, भाजपा में भी शोक

पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में नरेश का शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। नरेश चौधरी मंडल अध्यक्ष भी रहे थे। उनके परिवार में पत्नी प्रेमलता और दो बच्चे गौरव व याशिका है। इधर, मौत की सूचना पर अंतिम संस्कार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, नरेंद्र गुर्जर, किसान नेता दीपक चौधरी, उधम सिंह फौजदार, जबर सिंह, जिले सिंह आदि शामिल हुए। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने कहा कि मौत की जांच के लिए पुलिस को कहा है कि वह निष्पक्ष रूप से जांच कर सच्चाई का पता लगाए। इधर, परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पूर्व में भी हो चुकी थी फूड प्वॉइजनिंग से एक की मौत नरेश के रेस्तरां में करीब एक वर्ष पूर्व भी फूड प्वॉइजनिंग से एक कर्मचारी की मौत हुई थी

ककवन पशुचिकित्साधिकारी को ब्लॉक प्रमुख पुत्र ने सम्मानित कर दी विदाई

जन एक्सप्रेस । हरिनाथ सिंह

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में ककवन विकासखंड क्षेत्र के राजकीय पशु चिकित्सालय में बीते लगभग 10 वर्षों से तैनात पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नीरज पटेल के तबादले पर शनिवार को तमाम क्षेत्रीय लोगों ने पहुंचकर उनका ईमानदार 10 वर्ष के कार्यकाल की बधाई देते हुए शानदार विदाई समारोह का आयोजन कराया वर्ष 2014 में पशु चिकित्सा अधिकारी का ककवन के पद पर तैनात हुए डॉक्टर नीरज पटेल ने 2021 के पंचायत चुनाव में निर्वाचन अधिकारी की भूमिका निभाकर शानदार पंचायत चुनाव संपन्न कराए थे इसके साथ ही उनके द्वारा विकासखंड क्षेत्र में बीते 10 वर्षों में कई सराहनीय कार्य किए गए जिसको लेकर तमाम आम जनमानस उनकी विदाई के दौरान पहुंचकर उनको सम्मानित किया इस मौके पर पहुंचे लोगों ने अस्पताल परिसर के अंदर ही वृक्षारोपण भी कराया और वृक्षों को संरक्षित करने का संकल्प भी लिया शाहजहांपुर जनपद भेजे गए राजकीय पशु चिकित्साधिकारी डॉ नीरज पटेल को शाल ओढ़ाकर ब्लॉक प्रमुख पुत्र इं विनय यादव ने सम्मानित किया इस मौके पर स्टाफ के कर्मचारी सहित अन्य क्षेत्रीय लोग भी मौजूद रहे।

बिल्हौर नगर पालिका का वार्षिक बजट लगभग 17 करोड़ रुपए सर्वसम्मति से पास हुआ

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर नगरपालिका सभागार में बजट वर्ष 2024-25 आहूत की गई बजट 2024-25 पर चर्चा प्रारंभ हुई कुछ सभासदों ने अपने वार्ड में विकास के लिए का मुद्दा उठाया जिसको आगामी बजट में कराने का आश्वासन मिला। प्रस्तुत बजट में पथ प्रकाश पर 85 लाख रुपए, सड़क निर्माण पर 200 लाख रुपए, सफ़ाई उपकरण पर 25 लाख रुपए, जलापूर्ति पर 90 लाख रुपए, नाला नाली क्रॉस पुलिया पर 75 लाख रुपए, मार्ग प्रकाश विस्तार पर 100 लाख रुपए, पालिका सम्पत्ति सुरक्षा सुंदरीकरण पर 50 लाख रुपए, अन्य विविध व्यय 10 लाख रुपए, पंडित दीन दयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना पर 200 लाख रुपए, शव यात्रा वाहन पर 20 लाख रुपए, स्वच्छ भारत मिशन पर 30लाख रूपए सहित प्रस्तुत

इस साल इतिहास में सबसे गर्म रहा जून

लगातार 12वें महीने टूटी वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी की सीमा

किस देश में कितने लोग गर्मी से प्रभावित

देश	आबादी
भारत	61.9 करोड़
चीन	57.9 करोड़
इंडोनेशिया	23.1 करोड़
नाइजीरिया	20.6 करोड़
ब्राजील	17.6 करोड़
बांग्लादेश	17.1 करोड़
अमेरिका	16.5 करोड़
यूरोप में	15.2 करोड़
मैक्सिको	12.3 करोड़
इथियोपिया	12.1 करोड़
मिस्र	10.3 करोड़

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया पर पड़ता दिखाई दे रहा है। कहीं गर्मी तो कहीं बारिश का तांडव देखा जा सकता है। तापमान ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस गर्मी में भारत में अब तक 50 डिग्री के पार जा चुका है। इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) की जलवायु एजेंसी कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने बताया कि पिछले महीने पांच महाद्वीपों में लाखों लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। साथ ही इस बात की पुष्टि की कि जून अब तक का सबसे गर्म महीना था। दुनिया बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के संकट को टालने के लिए विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के कगार पर खड़ी है। जून इस तय सीमा के करीब पहुंचने का लगातार 12वां महीना है। सी3एस के वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले साल जून के बाद से हर महीना रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना रहा है। गौरतलब है, इस साल जनवरी में बढ़ता तापमान औद्योगिक काल (1850 से 1900) से पहले की तुलना में 1.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा था, जो इसे अब तक की सबसे गर्म जनवरी बनाता है। बता दें कि कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस यूरोपियन यूनियन के अर्थ ऑब्जरवेशन प्रोग्राम का हिस्सा है। जनवरी 2024 के दौरान सतह के पास हवा का औसत वैश्विक तापमान 13.14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो 1991 से 2020 के दरमियान जनवरी माह में दर्ज औसत तापमान से करीब 0.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

40 हजार से अधिक हीट स्ट्रोक के मामले

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में 1901 के बाद से जून सबसे गर्म दर्ज किया गया। देश में इस साल सबसे भीषण गर्मी का अनुभव किया है। यहां 40 हजार से अधिक हीट स्ट्रोक के मामले और 100 से अधिक गर्मी से संबंधित मौतें दर्ज की गई हैं। भीषण गर्मी ने जल आपूर्ति प्रणाली और पावर ग्रिड को फेल कर दिया, जबकि दिल्ली गंभीर जल संकट से जूझ रही है।

2015 में यह सीमा की थी तय

2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक औसत तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य रखा गया था और कहा गया था कि इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस पार नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक तापमान से यह लक्ष्य पार होते दिख रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यदि लोगों की बड़ी आबादी को भारी नुकसान से बचाना है, तो उचित सीमा एक डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे निर्धारित की जानी चाहिए। हालांकि, इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिए कि पृथ्वी का तापमान 150 साल पहले की तुलना में 1.2 डिग्री सेल्सियस पहले ही बढ़ चुका है।

पिछले 12 महीने सबसे गर्म

नए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जिसमें सतह का औसत तापमान 16.66 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत तापमान से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक तथा जून 2023 में दर्ज पिछले उच्चतम तापमान से 0.14 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों (जुलाई 2023-जून 2024) के लिए वैश्विक औसत तापमान रिकॉर्ड पर सबसे अधिक है, जो 1991-2020 के औसत से 0.76 डिग्री सेल्सियस अधिक और 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.64 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जून में दुनिया की समुद्री सतह भी इस महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया। जून में कई देशों ने रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, विनाशकारी बाढ़ और तूफान का सामना किया। क्लाइमेट सेंट्रल के विश्लेषण के अनुसार, दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ने 16-24 जून के दौरान अत्यधिक गर्मी का सामना किया, जो जलवायु परिवर्तन के कारण कम से कम तीन गुना अधिक था।

जब तक मैं सीएम हूं, किसी को छूट नहीं मिलेगी: एकनाथ शिंदे

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के मुंबई में हिट एंड रन मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे राज्य में इस तरह की घटनाओं को लेकर बेहद चिंतित हैं। सीएम शिंदे ने कहा कि शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आम लोगों का जीवन उनके लिए बहुत कीमती है। इसी के साथ उन्होंने राज्य पुलिस विभाग को इन मामलों को गंभीरता से संभालने के निर्देश दिए। सीएम शिंदे ने कहा, ÷मैं महाराष्ट्र में बढ़ते हिट एंड रन मामलों के लिए चिंतित हूं। कुछ शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग करते हैं। आम लोगों का जीवन मेरे लिए बहुत कीमती है। मैंने राज्य पुलिस विभाग को इन मामलों को गंभीरता से संभालने का निर्देश दिया है। उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। हम हिट एंड रन मामलों के अपराधियों के लिए सख्त कानून और कठोर दंड लागू कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, जब तक मैं राज्य का मुख्यमंत्री हूं, चाहे किसी को भी, चाहे वह अमीर हो, प्रभावशाली हो, या नौकरशाहों या मंत्रियों की संतान हो, किसी भी पार्टी से जुड़ा हो, इन मामलों में छूट नहीं मिलेगी।

महाराष्ट्र में हाल ही में हुए हिट एंड रन मामले

मुंबई बीएमडब्ल्यू घटना

मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार को एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई। कार मिहिर शाह चला रहा था। पुलिस को शक है कि मिहिर घटना के समय नशे में था। आरोपी अभी फरार है। उसे ढूंढने के लिए लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। पुलिस ने बताया कि मिहिर शाह ने बीती रात जुहू के एक बार में शराब पी थी। घर जाते समय उसने चालक से उसे लॉन्ग ड्राइव पर ले जाने को कहा। कार वर्ली आई तो मिहिर ने जोर देकर कहा कि वाहन को वह चलाएगा। इसके बाद तेज रफ्तार कार ने कुछ देर बाद एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। दोपहिया वाहन पर कावेरी नखवा और उनके पति प्रदीप नकवा सवार थे। जो वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके के निवासी थे। दंपती मछुआरा समुदाय से थे। सुबह जब वे दोपहिया वाहन से काम पर जा रहे थे, तभी बीएमडब्ल्यू कार उनके वाहन से टकरा गई। इसके बाद दोनों हवा में उछल गए। कार का बोनट क्षतिग्रस्त हुआ। इसके बाद कार ने कावेरी को कुचल दिया। फिर आरोपी मौके से फरार हो गए। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके पति प्रदीप को मामूली चोटें आईं।

पुणे पोर्श घटना

पुणे शहर में 18-19 मई की दरम्यानी रात को करीब तीन करोड़ रुपये की पोर्श कार को तेज गति से दौड़ाने के चक्कर में 17 साल के लड़के ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। गाड़ी की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अपना संतुलन खोकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटते चली गई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना के 14 घंटे बाद आरोपी नाबालिग को कोर्ट से कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई थी। कोर्ट ने उसे 15 दिनों तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करने और सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव-समाधान पर 300 शब्दों का निबंध लिखने का निर्देश दिया था। बाद में विवाद बढ़ा तो कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शराब के नशे में था और बेहद तेज गति से कार को चला रहा था।

मुंबई में कई स्थानों पर छह घंटे में हुई 300 मिमी बारिश, सड़कों पर भरा पानी, ट्रेनों पर भी असर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

मुंबई के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश से जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। कई इलाकों में इसके चलते ट्रैफिक व्यवस्था गड़बड़ा गई है। इतना ही नहीं रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। कई मार्ग की ट्रेनों को रोका गया। यही नहीं कुछ इलाकों के स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों को भी बंद करने का आदेश जारी हुआ है। मुंबई में रविवार देर रात एक बजे से सात बजे तक छह घंटों के बीच ही अलग-अलग स्थानों पर 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। कुछ निचले इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया। लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। आज भी भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। मुंबई के कुछ इलाकों में बीते रोज हुई भारी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं दादर में स्थिति ज्यादा गंभीर होती जा रही है। सड़कों से लेकर रेल मार्ग पर जलभराव हो चुका है। स्थिति यहां तक बनी हुई है कि सड़क पर चल रही कार भी आधी पानी में डूबी हुई हैं। रेलवे ट्रैक पर भी पानी जमा हो गया है। वहीं मुंबई महानगर पालिका द्वारा छात्रों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए, मुंबई (बीएमसी क्षेत्र) के सभी बीएमसी, सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही स्थिति की समीक्षा के बाद अगले सत्र के लिए निर्णय की बात कही। सीपीआरओ को कहना है कि सायन, भांडुप और नाहुर स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। पटरियां पानी में डूब गई थीं, इसलिए ट्रेनें करीब एक घंटे तक रोकी गईं। पानी थोड़ा कम होने पर ट्रेन फिर से शुरू की गई हैं। लेकिन ट्रेन सेवाएं अभी भी प्रभावित हैं। वहीं मध्य रेलवे ने बताया कि मुंबई उपनगरीय और हार्बर लाइन पर भारी बारिश के कारण जलभराव के कारण रेल यातायात में देरी हुई। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, कुर्ला-विक्रोली और भांडुप स्टेशन प्रभावित रहे।

रनवे पर परिचालन रद्द, उड़ान के मार्ग में परिवर्तन

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई द्वारा भारी बारिश और कम दृश्यता के कारण रनवे पर परिचालन 2:22 बजे से 3:40 बजे तक स्थगित कर दिया गया। 27 उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन की सूचना मिली है। उड़ानों को अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर आदि स्थानों पर भेजा गया। वर्तमान में, आगमन, प्रस्थान में देरी और डायवर्ट की गई उड़ानों को समायोजित करने के लिए किए गए परिणामी परिवर्तनों को प्राथमिकता दी जा रही है।

जलभराव के कारण यह ट्रेन हुईं रद्द

- 12110 (एमएमआर-सीएसएमटी)
- 11010 (पुणे-सीएसएमटी)
- 12124 (पुणे सीएसएमटी डेक्कन)
- 11007 (पुणे-सीएसएमटी डेक्कन)
- 12127 (सीएसएमटी-पुणे इंटरसिटी एक्सप्रेस)

आपदा नियंत्रण कक्ष से शहर की निगरानी

बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी आपदा नियंत्रण कक्ष से व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आपातकालीन नियंत्रण कक्ष के साथ आपातकालीन कर्मचारी और अधिकारी मुंबई में विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं। वे सभी घटनाक्रमों पर नज़र रख रहे हैं। निगम के सभी उपायुक्त, सहायक आयुक्त और अन्य विभिन्न स्थानों पर सक्रिय हैं।

शिवसेना नेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, हिट-एंड-रन मामले में कार्रवाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में शिवसेना नेता राजेश शाह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। इस बीच मुंबई पुलिस ने वर्ली इलाके में बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से एक महिला की मौत के मामले में सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता के 24 वर्षीय बेटे को पकड़ने के लिए छह टीम गठित की है। शिवसेना नेता का बेटा ही उस बीएमडब्ल्यू कार को चला रहा था, जिसने एक स्कूटर को टक्कर मार दी थी। घटना में एक महिला की मौत हो गई थी और उसका पति घायल हो गया। पड़ोसी पालघर जिले के शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया है। मिहिर शाह के देश से भागने की आशंका के बाद एलओसी जारी किया गया है।

भारत जोड़ो यात्रा राजशेखर रेड्डी की पदयात्रा से प्रेरित थी: राहुल गांधी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की जयंती पर उन्हें याद किया। इस दौरान राहुल गांधी कहा कि उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' राजशेखर रेड्डी की अपने राज्य में निकाली गई पदयात्रा से प्रेरित थी। आपको बता दें कि राजशेखर रेड्डी ने वर्ष 2003 में आंध्र प्रदेश पदयात्रा निकाली थई।

राजशेखर रेड्डी सच्चे जननायक थे: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि राजशेखर रेड्डी एक सच्चे जननायक थे। उन्होंने समर्पण भाव से काम किया और राज्य के लोगों के साथ साथ देशवासियों के दिलों में भी नई प्रेरणा जागृत करने का काम किया। कांग्रेस सांसद ने यह उम्मीद भी जताई कि राजशेखर रेड्डी की बेटी वाईएस शर्मिला अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगी। राहुल के अनुसार, वाईएस शर्मिला में भी आंध्र प्रदेश के लोगों के प्रति राजशेखर रेड्डी जैसी ही भावना और स्नेह है। आपको बता दें कि वाई एस शर्मिला आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। राजशेखर रेड्डी वर्ष 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वर्ष 2009 के सितंबर महीने में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश में पदयात्रा के जरिये बड़ा जनसंपर्क अभियान चलाया था। माना जाता है कि राज्य में चुनावी माहौल बदलने में इस पदयात्रा का अहम योगदान रहा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी राजशेखर रेड्डी की जयंती पर उन्हें और उनके योगदान को याद किया। राहुल गांधी ने सितंबर, 2022 से जनवरी, 2023 के बीच कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा की थी जिसे 'भारत जोड़ो यात्रा' नाम दिया गया था।

मैंने राजशेखर रेड्डी से बहुत कुछ सीखा: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, 'आज राजशेखर रेड्डी की जयंती है। वे सही मायने में जननेता थे। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों का दर्द महसूस किया। मैंने निजी तौर पर राजशेखर रेड्डी से बहुत कुछ सीखा। मेरी भारत जोड़ो यात्रा राजशेखर रेड्डी द्वारा आंध्र प्रदेश में निकाली गई यात्रा से ही प्रेरित थी। मुझे उनकी यात्रा का वो दृश्य याद है जब वे गर्मी और बारिश के बीच पदयात्रा कर रहे थे। हमने उस यात्रा से कुछ विचारों को लिया और भारत जोड़ो यात्रों में शामिल किया।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अगर आज राजशेखर रेड्डी जीवित होते तो आंध्र प्रदेश पूरी तरह से अलग तरह का राज्य होता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा, 'शर्मिला जी उनकी बेटी हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि वे राजशेखर रेड्डी की विरासत को आगे बढ़ाएंगी। वह ऐसा कर पाएंगी। उनमें भी राजशेखर रेड्डी की तरह आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए वही भावना और स्नेह है।'

बसपा प्रदेशाध्यक्ष की हत्या के बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला, ए. अरुण संभालेंगे पदभार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख के आर्मस्ट्रॉन्ग की चेन्नई में उनके घर के सामने हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के बाद चेन्नई के पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए अरुण को तैनाती दी गई है। तमिलनाडु के बसपा प्रमुख की शुक्रवार को हत्या कर दी गई। बाइक सवार छह लोगों ने उनके घर के पास ही उनकी हत्या कर दी। इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पिछले साल गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की हत्या से जुड़ा बदला लेने के लिए की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि अर्कोट सुरेश के परिवार को संदेह है कि आर्मस्ट्रॉन्ग ने ही हत्या की साजिश रची थी। शुक्रवार को हुई इस घटना के बाद वर्तमान चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। एनडीआरएफ और सीआईएसएफ में रहे चुके आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौर की जगह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए अरुण को नियुक्त किया जाएगा। अरुण कुमार वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था हैं। वहीं संदीप राय राठौर को अब पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, चेन्नई का डीजीपी नियुक्त किया है। अरुण की जगह डेविडसन देवसिरवथम को राज्य डीजीपी कानून और व्यवस्था नियुक्त किया है। आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या के बाद बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने अपने पार्टी सहयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को न्याय दिलाने के लिए हत्या की सीबीआई जांच की मांग की।

एआईएडीएमके प्रमुख ने डीएमके सरकार से पुलिस को 'खुली छूट' देने की मांग की

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को पूरी आजादी देकर ही कानून-व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर की जगह वरिष्ठ अधिकारी ए अरुण को नियुक्त करने के तुरंत बाद, विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने कहा कि केवल एक अधिकारी का तबादला कर देने से कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से नहीं चलाता जा सकता। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वह कठपुतली मुख्यमंत्री, अयोग्य मुख्यमंत्री हैं और पुलिस अधिकारियों को पूरी आजादी नहीं है और इसलिए वे कानून-व्यवस्था को ठीक से बनाए नहीं रख सकते। पुलिस विभाग को खुली छूट देकर ही कानून-व्यवस्था को अच्छी तरह से बनाए रखा जा सकता है और उपद्रवी तत्वों पर लगाम लगाई जा सकती है।

पुरी में सुबह राष्ट्रपति ने समुद्री तट पर लहरों और हवाओं का लिया आनंद, विचार किए साझा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार दिवसीय ओडिशा यात्रा पर हैं। सोमवार सुबह वे समुद्र तट पर समय बिताने पहुंची। इसके पहले उन्होंने पुरी में वार्षिक रथ यात्रा देखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव भी साझा किए। रविवार को रथ यात्रा की शुरूआत हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इस यात्रा में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया कि 6 जुलाई की शाम को अपने गृह राज्य ओडिशा की चार दिवसीय यात्रा पर भुवनेश्वर पहुंचीं। उन्होंने रविवार को पुरी में रथ यात्रा देखी और इस तीर्थ नगरी में रात गुजारी। इसके बाद वे सुबह समुद्र तट पर पहुंची। वे काफी देर समुद्र तट पर टहलती रहीं। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ऐसी जगहें हैं जो हमें जीवन के सार के करीब लाती हैं और हमें याद दिलाती हैं कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं। पहाड़, जंगल, नदियाँ और समुद्र तट हमारे भीतर की किसी चीज़ को आकर्षित करते हैं। आज जब मैं समुद्र तट पर टहल रही थी, तो मुझे आसपास के वातावरण के साथ एक जुड़ाव महसूस हुआ।

सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में हासिल किया विश्वास मत, 45 विधायकों ने दिया साथ

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। विपक्ष के जोरदार हंगामे और वॉकआउट के बीच सीएम सोरेन ने विश्वास मत जीत लिया।बता दें, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया था।

इतने लोगों ने दिया साथ

81 सदस्यीय विधानसभा में कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं, निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के विधायक वोटिंग के लिए गिनती शुरू होते ही सदन से बाहर चले गए। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष में भाजपा के 24 और आजसू पार्टी के तीन विधायक हैं।

सरकार के खिलाफ विरोध

इस बीच, रांची विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे पहले, भाजपा सदस्य विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो से विधायक भानु प्रताप साही को बोलने की अनुमति देने की मांग को लेकर आसन के समीप आ गए थे। हालांकि, महतो ने उनकी मांग अस्वीकार कर दी। विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान 75 विधायक सदन में मौजूद थे। निर्दलीय सदस्य सरयू राय ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल हैं, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के एकमात्र विधायक उसे बाहर से समर्थन दे रहे हैं।

इन लोगों ने जताया विश्वास

विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास प्रस्ताव के दौरान इंडिया ब्लॉक और एनडीए के विधायकों की रणनीति क्या हो, इसके लिए रविवार शाम सत्ता और विपक्ष के विधायकों की बैठक हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों ने विश्वास मत हासिल करने का विश्वास जताया। वहीं विपक्षी दल एनडीए ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए यह आसान नहीं होगा। हेमंत सोरेन ने अपने पूर्ववर्ती चंपई सोरेन के पद से हटने के एक दिन बाद, चार जुलाई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

झामुमो नीत गठबंधन के सदस्यों की संख्या घटकर 45 रह गई

लोकसभा चुनाव के बाद 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में झामुमो नीत गठबंधन के सदस्यों की संख्या घटकर 45 रह गई है, जिसमें झामुमो के 27, कांग्रेस के 17 और राजद का एक विधायक शामिल है झामुमो के दो विधायक-नलिन सोरेन और जोबा माझी अब सांसद बन चुके हैं, जबकि जामा से विधायक सीता सोरेन ने भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। झामुमो ने दो और सदस्यों-बिशुनपुर से विधायक चमरा लिंडा और बोरियो से विधायक लोबिन हेम्ब्रोम को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसी तरह, विधानसभा में भाजपा सदस्यों की संख्या घटकर 24 हो गई है, क्योंकि उसके दो विधायक-ढुलू महतो (बाघमारा) और मनीष जायसवाल (हजारीबाग) अब सांसद बन गए हैं। वहीं, पार्टी ने मांडू से विधायक जयप्रकाश भाई पटेल को कांग्रेस में शामिल होने के बाद निष्कासित कर दिया था। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 76 विधायक हैं। हेमंत सोरेन ने तीन जुलाई को सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने राज्यपाल को 44 विधायकों की समर्थन सूची सौंपी थी।

28 जून को जेल से आए थे बाहर

कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में झारखंड उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद हेमंत सोरेन को 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया था। 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 76 विधायक हैं। हेमंत सोरेन ने तीन जुलाई को सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने राज्यपाल को 44 विधायकों की समर्थन सूची सौंपी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (नेशनल हेडः कमलेश फाइटर) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)